फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 319 प्रभात जयपुर, सोमवार 22 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

A Rebel Mind — She questioned the very foundations of racial classification systems promoted by scholars like Fischer, whose ideas were aligned with the ideology of Nazism

False Eyes For Display — White spots on the back of tigers' ears are constant visual guides for cubs and warning displays

तुषार मेहता 3 साल के लिये फिर सॉलिसिटर जनरल नियुक्त

नई दिल्ली, 21 जून। केन्द्र सरकार ने तुषार मेहता को भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन साल के लिए फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगी। यह उनकी तीसरी बार पुनर्नियुक्ति है। इससे पहले दो बार उनका कार्यकाल बढ़ ाया जा चुका है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी एक आदेश के

- **यह उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है। पहली बार वे 2018 में सॉलिसिटर जनरल बने थे।**

अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने देश के दूसरे सर्वोच्च विधि अधिकारी के रूप में तुषार मेहता के पद पर बने रहने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मेहता को, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में सेवा देने के बाद, अक्टूबर 2018 में सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया था। केन्द्र सरकार ने बाद में उन्हें 1 जुलाई, 2020 से प्रभावी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कतर के प्रयास से अमेरिका -ईरान वार्ता स्विटजरलैंड में शुरु हुई

बुर्गेनस्टॉक (स्विट्जरलैंड), 21 जून। स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक में अमेरिका और ईरान के बीच महत्वपूर्ण वार्ता का नया दौर शुरू हो गया है। इस बातचीत को पश्चिम एशिया में जारी तनाव को कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वार्ता प्रक्रिया में कतर की सक्रिय भूमिका सामने आई है, जबकि कुछ रिपोर्टों में अन्य मध्यस्थ देशों के सहयोग का भी उल्लेख किया गया है।

कतर के विदेश मंत्रालय ने उम्मीद जताई है कि यह संवाद दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों पर व्यापक और स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। कूटनीतिक हलकों में इस बैठक को लंबे समय से चली आ रही असहमतियों को कम करने के

- **अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि हाल के कुछ घंटों में समझौते को लेकर अच्छी प्रगति हुई है।**

प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने बातचीत को सकारात्मक बताते हुए कहा कि हाल के घंटों में अच्छी प्रगति हुई है और दोनों पक्ष शांति एवं स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ ने की इच्छा जता रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका भविष्य में ऐसे पश्चिम एशिया की कल्पना करता है, जहां सहयोग, आर्थिक विकास और स्थिरता को प्राथमिकता मिले।

वैंस के अनुसार, अमेरिकी नेतृत्व क्षेत्र में दीर्घकालिक कूटनीतिक समाधान को बढ़ ावा देना चाहता है। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले वर्षों में पश्चिम एशिया की राजनीतिक और रणनीतिक परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर दिए एक बयान में ईरान के साथ संभावित समझौते और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का उल्लेख किया।

उन्होंने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जुड़े आर्थिक उपायों पर भी विचार व्यक्त किया, हालांकि वर्तमान युद्धिवराम अवधि के दौरान किसी नए शुल्क की संभावना से इनकार किया गया है।

नीट परीक्षा से पूर्व हिसार में छात्रा ने आत्महत्या की

चंडीगढ़ , 21 जून। हरियाणा के हिसार में रविवार को नीट परीक्षा से पहले एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। 19 वर्षीय मृतका की पहचान सिमरन के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बरवाला क्षेत्र के ढ ाणी खान बहादुर गांव की निवासी थी। हिसार पुलिस को दिए

- **सिमरन ने घर पर रखा कीटनाशक पी लिया था।**

बयान में पिता रोहताश ने बताया कि सिमरन मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाना चाहती थी। सिमरन राजस्थान के सीकर में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी और वह इससे पहले दो बार नीट परीक्षा दे चुकी थी। पहले प्रयास में वह सफल नहीं हो सकी थी, जबकि दूसरी बार परीक्षा रद्द हो गई थी। इसके बावजूद उसने हार नहीं मानी और पूरी मेहनत के साथ दोबारा तैयारी में जुटी हुई थी।

रविवार सुबह सिमरन और उसकी मां शकुंतला घर पर ही थीं। सुबह करीब 10 बजे सिमरन को अचानक तेज उल्टियां होने लगीं। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे गांव के एक स्थानीय डॉक्टर के पास ले गए, जहां उसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत की प्राचीन परम्परा योग, अब दुनिया की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है- मोदी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री ने कोलकाता के रेड रोड पर योग किया

कोलकाता, 21 जून। कोलकाता के रेड रोड पर 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योगाभ्यास में भाग लिया। उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी, राज्यपाल आरएन रवि, राज्य सरकार के मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बसु, विधायक, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, योग साधक तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के दौरे और योग दिवस के मुख्य आयोजन को लेकर पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार सुबह रेड रोड पहुंचे और मंच से देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग सभी को जोड़ने का माध्यम है

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि योग को केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिये। इसे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिये।**

और आज 21 जून दुनिया के सबसे बड़े पर्वों में परिवर्तित हो चुका है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा होने के बावजूद, अब पूरी दुनिया की जीवनशैली का हिस्सा बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में हिमालय से हिंद महासागर तक, पूर्वोत्तर और बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक योग की ऊर्जा दिखाई दे रही है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह श्री अरविंद, स्वामी विवेकानंद और श्री रामकृष्ण परमहंस की भूमि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस धरती पर योग दिवस का आयोजन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने श्री अरविंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री अरविंद ने अपने पूरे जीवन को योग से जुड़ा बताया था और योग वास्तव में मानव चेतना से जुड़ने का मार्ग है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि योग को केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवन जीने में सहायता करता है और मानसिक स्वास्थ्य के साथ शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ बंद किया तो ईरान पर हमला करेंगे- ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वे होर्मुज़ पर कब्जा करके खुद टोल वसूलेंगे

वॉशिंगटन, 21 जून। स्विट्ज़रलैंड के बर्गनस्टॉक में, जहां एक ओर पाकिस्तान और क़तर की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत हो रही है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दे दी है।

ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को बंद करने की जुर्रत की, तो उसका अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। ट्रंप ने कहा, आप इसे बंद करेंगे तो आपके पास कोई देश नहीं बचेगा। आप अपने देश वापस भी नहीं जा पाएंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका इस रणनीतिक जलमार्ग पर पूरी तरह नियंत्रण कर सकता है। उन्होंने एक

- **ट्रंप ने कहा कि अमेरिका होर्मुज़ का रक्षक बन सकता है। बदले में वहाँ से निकलने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत अमेरिका अपने पास रखेगा।**

कैबिनेट बैठक के दौरान कहा, अगर हमें जरूरत पड़ी, तो हम होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर कब्जा करेंगे। अगर वे कोई समझौता नहीं करते हैं, तो हम खुद वहां से गुजरने वाले जहाजों से टोल टैक्स वसूलेंगे। डॉनल्ड ट्रंप का यह बयान ईरान के उस हालिया कदम के बाद आया है, जिसमें उसने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को बंद करने की बात कही थी।

ट्रंप ने अमेरिका की भूमिका को एक नए अंदाज में पेश किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य का गार्जियन एंजेल यानी रक्षक बन सकता है। इसके बदले में अमेरिका वहां से निकलने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखेगा। ट्रंप ने साफ किया कि अगर वैश्विक व्यापार को बाधित करने की कोशिश की गई, तो अमेरिकी सेना चुप नहीं बैठेगी। खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति को सुरक्षित रखना अमेरिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री विजयन की पुत्री को ईडी ने फिर समन भेजा

कोलकाता, 21 जून। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल मनी लॉण्डरिंग मामले में वीणा को दोबारा समन जारी

- **गत 17 जून को ईडी ने वीणा टी से 9 घंटे पूछताछ की थी।**

कर 29 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले, ईडी ने 17 जून को उनसे नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। अब एजेंसी ने जांच के दौरान मिले नए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर फिर से उन्हें तलब किया है। इस मामले को लेकर केरल की राजनीति भी गरमा गई है और विपक्ष लगातार राज्य सरकार पर निशाना साध रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा से इस्तीफा देने की सोच रहे हैं बारामूला के सांसद इंजीनियर राशिद

राशिद का मानना है कि वे मतदाताओं की उम्मीदों पर प्रभावी ढंग से खरे नहीं उतर पा रहे हैं

श्रीनगर, 21 जून। जम्मू-कश्मीर की राजनीति से इस वक्त एक बेहद चौंकाने वाली और बड़ी खबर सामने आ रही है। बारामूला लोकसभा सीट से रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करने वाले सांसद इंजीनियर राशिद संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। उनकी पार्टी अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने इस बात के संकेत दिए हैं। इंजीनियर राशिद का मानना है कि जिन लोगों ने उन्हें इतना बड़ा जनादेश देकर जिताया, वे उनके बीच रहकर उनकी उम्मीदों पर प्रभावी ढ ंग से खरे नहीं उतर पा रहे हैं। इसी वजह से वे पद छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

एआईपी के मुख्य प्रवक्ता इनाम उन नबी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पार्टी

- **अंतिम निर्णय से पहले राशिद की पार्टी एआईपी दो दिन तक बारामूला लोकसभा सीट के 18 विधानसभा क्षेत्रों में ब्लॉक व पंचायत स्तर पर जनता का मूड भांपेगी, उसके बाद राशिद अंतिम निर्णय लेंगे।**

की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने इस मुद्दे पर लंबी और गंभीर चर्चा की है। इसके बाद यह तय किया गया है कि बारामूला संसदीय क्षेत्र के सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर पार्टी पदाधिकारियों और जमीनी कार्यकर्ताओं से बातचीत की जाएगी।

यह पूरी परामर्श प्रक्रिया दो दिनों तक चलेगी। इस दौरान ब्लॉक और पंचायत स्तर के नेता न सिर्फ आपस में चर्चा करेंगे, बल्कि आम जनता और समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच जाकर उनका मूड भी भांपेंगे।

इनाम उन नबी ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और दबाव मुक्त रखने के लिए, पार्टी जरूरत पड़ने पर अपने कार्यकर्ताओं के बीच सीक्रेट बैलेट (गुप्त मतदान) भी करा सकती है। इससे कार्यकर्ता बिना किसी झिझक के अपनी असली राय दे सकेंगे कि इंजीनियर राशिद को सांसद पद पर बने रहना चाहिए या इस्तीफा दे देना चाहिए।

पार्टी प्रवक्ता ने साफ किया कि इस पूरी रायशुमारी और वोटिंग का जो भी नतीजा निकलेगा, उससे इंजीनियर राशिद को लिखित में अवगत कराया जाएगा। इसके बाद ही वे कोई अंतिम और ठोस फैसला लेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इंजीनियर राशिद इस्तीफा देते हैं, तो कश्मीर की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है।

भाषण के बीच नारेबाजी पर खड़गे ने नाराजगी जताई

बेंगलुरु, 21 जून। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यकर्ताओं की नारेबाजी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान लगातार नारेबाजी से असंतुष्ट खड़गे ने कुछ कार्यकर्ताओं को फटकार लगाते हुए उन्हें "यूज़लैस फेलोज" तक कह दिया।

बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड पर आयोजित समारोह में खड़गे मंच से संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान कुछ कार्यकर्ता और मुख्यमंत्री डीके

- **कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक लगातार नारे लगा रहे थे।**

शिवकुमार के समर्थक लगातार "डीकेशी, डीकेशी" के नारे लगा रहे थे। बताया जाता है कि स्वयं डीके शिवकुमार ने भी कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील की, लेकिन नारेबाजी जारी रही। अपने संबोधन में लगातार बाधा पड़ने से खड़गे ने नाराजगी जताई। खड़गे ने कहा कि यहां इस तरह चिल्लाने से देश आपके हाथ में नहीं आ जाएगा। यूज़लैस फेलोज।" उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी एक व्यक्ति का कार्यक्रम नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी का कार्यक्रम है।

खड़गे ने कहा कि यह पार्टी को एकजुट करने का कार्यक्रम है। केवल एक नेता के नाम के नारे लगाने से क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रविवार को भी जारी रहा कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 21 जून। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का दूसरे दिन भी दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन जारी रहा। सीजेपी का कहना है कि वह रविवार रात को भी

- **सीजेपी ने कहा कि रविवार रात को भी प्रदर्शन जंतर मंतर पर जारी रहेगा।**

अपना प्रदर्शन जारी रखेगी।

अभियान के प्रमुख अभिजीत दिपके लगातार लोगों से उनके अभियान से जुड़ने की अपील कर रहे हैं। रविवार को दिपके ने दिल्ली से सटे राज्यों के लोगों से जंतर-मंतर पर किए जा रहे प्रदर्शन में शामिल होने का आ ान किया है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दिपके ने एक्स पर जारी वीडियो में कहा, "नाओ ऑर नैवर" (अब नहीं तो कभी नहीं)। अगर आज आप लोग घरों से बाहर नहीं निकले, तो सिस्टम को बदलने और जवाबदेही लाने की जो उम्मीद इस देश में जगी है, वह हमेशा के लिए मर जाएगी।

सीजेपी प्रमुख ने कहा कि पुलिस किसी को रोक नहीं रही है, सभी को अंदर आने दिया जा रहा है। मैं दिल्ली पुलिस को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि वे संविधान का पालन कर रहे हैं और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या इज़रायल का अमेरिका से विलग होकर स्वतंत्र विदेश नीति रखना एक खयाली पुलाव है?

इज़रायल की सेना के लगभग सभी हथियार अमेरिका की देन हैं। यह ही हाल गोला बारूद का है

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जून। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस की एक तीखी चेतावनी ने यरुशलम और उससे बाहर लंबे समय से उठ रहे एक सवाल को फिर से चर्चा में ला दिया है-इज़रायल अमेरिकी सैन्य समर्थन पर कितना निर्भर है और यदि यह समर्थन कभी कम कर दिया जाए तो क्या वह उससे निपट पाएगा?

वैंस का संदेश इज़रायली मंत्रिमंडल के लिए सीधा था-अपने सबसे करीबी सहयोगी के खिलाफ मत जाइए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इज़रायल की रक्षा करने वाले अधिकांश हथियार अमेरिका में बनाए और फंड किए गए हैं।

उनकी यह टिप्पणी इज़रायली अधिकारियों द्वारा ईरान के साथ यू.एस. की मध्यस्थता वाली अंडरस्टैण्डिंग के बाद और यू.एस.- ईरान शांति समझौते के बाद आखिरी दो दिनों में बम दागने के बाद पैदा हुए तनाव के बाद आई।

दोनों देशों के बीच तनाव की जड़ उस 14-सूत्रीय अंतरिम समझौते में है, जिस पर वॉशिंगटन ने तेहरान के साथ हस्ताक्षर किए थे। इज़रायल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू ने तुरंत घोषणा कर दी कि इस समझौते का इज़रायल पर कोई प्रभाव नहीं है। वहीं रक्षा मंत्री इज़रायल कैट्ज़ ने सेना को निर्देश दिया कि यदि आवश्यकता पड़े तो ईरान के परमाणु ठिकानों पर एकतरफा हमले की योजना तैयार की जाए।

इस दिखावे के बावजूद, वास्तविकता यह है कि रक्षा मामलों में पूर्ण संप्रभुता के बजाय एक दूसरे पर गहरी निर्भरता है।

1948 में स्थापना के बाद से इज़रायल को अमेरिका से 130 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता मिल चुकी है। 2019 से अमेरिका फॉरेन मिलिटरी फायनैंसिंग प्रोग्राम के तहत हर वर्ष लगभग 3.8 अरब डॉलर की सहायता दे रहा है, जो इस योजना के तहत किसी भी देश को दी जाने वाली सबसे बड़ी राशि है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि इज़रायल को इस धन का अधिकांश हिस्सा अमेरिका निर्मित हथियारों और सैन्य उपकरणों पर खर्च करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि यह पैसा अंततः अमेरिकी कारखानों और रोजगार में ही वापस चला जाता है।

- **अपने संस्थापन से ही, इज़रायल को अभी तक 130 बिलियन डालर की सैन्य सहायता मिली है अमेरिका से।**
- **इज़रायल की वायु सेना दुनिया की श्रेष्ठ वायुसेना में गिनी जाती है, पर एफ-15, एफ-16, एफ-35 तथा अपाचे लड़ाकू हवाई जहाज, ब्लैक हॉक्स आदि भी अमेरिकी मूल के हैं। यह ही नहीं, इन आधुनिक विमानों के स्पेयर पाट्र्स भी अमेरिका से आते हैं।**
- **इस प्रकार इज़रायल अमेरिका पर आश्रित है, अपनी सेना को "फाइटिंग फिट" रखने के लिए। अगर यह सप्लाई बन्द हो जाये तो इज़रायल की सेना के लिए युद्ध में बने रहना असंभव है।**
- **ये हथियार बनाना भी काफी मंहगा ही विकल्प है। इज़रायल ने 1980 के दशक में अपना ही लड़ाकू विमान बनाने का प्रयास किया था, जिसमें उनकी जी. डी. पी. का 20 प्रतिशत हिस्सा खर्च हुआ था, पर फिर यह प्रोजेक्ट अधूरा ही छोड़ना पड़ा था, क्योंकि आगे विमान विकसित करने के लिए धन उपलब्ध नहीं था।**
- **इस प्रकार इज़रायल की सामरिक व्यवस्था अमेरिका के साथ गुथी हुई है, जिसका विलग होना केवल कल्पना तक ही सीमित है।**
- **साथ ही दोनों देश महसूस करते हैं कि उन्हें एक दूसरे की जरूरत है तथा, इज़रायल के लिए अमेरिका से जुदा विदेश नीति की कल्पना कभी यथार्थ में तब्दील नहीं हो सकती।**

ब्राउन विश्वविद्यालय के शोध के अनुसार, 2023 के अंत से 2025 के अंत के बीच इज़रायल को लगभग 21.7 अरब डॉलर की अतिरिक्त आपातकालीन सहायता भी मिली। इसमें ईरान के साथ हालिया संघर्ष और लेबनान में सैन्य अभियानों की लागत शामिल नहीं है।

दुनिया की सबसे सक्षम वायु सेनाओं में गिनी जाने वाली इज़रायल की वायु शक्ति मूल रूप से अमेरिकी रक्षा उद्योग पर आधारित है। उसके सभी प्रमुख लड़ाकू विमान-एफ-15, एफ-16 और एफ-35 तथा अपाचे हेलीकॉप्टर, ब्लैक हॉक और हवाई ईंधन भरने वाले विमान अमेरिका में निर्मित हैं। यहां तक कि नियमित रखरखाव के लिए भी उसे स्पेयर पाट्र्स, इंजन और रडार उपकरणों के लिए अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर रहना पड़ता है।

गोला-बारूद की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। सटीक निशाना लगाने वाली किट, भूमिगत बंकरों को नष्ट करने वाले बम और हाल के अभियानों में इस्तेमाल किए गए छोटे आकार के बम मुख्यतः अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। जब इज़रायल ने ईरान की गहराई में स्थित परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाने की कोशिश की, तब उसके पास आवश्यक भारी क्षमता वाले बम नहीं थे और उसे अमेरिकी सहायता पर निर्भर होना पड़ा।

यहां तक कि इज़रायल की प्रसिद्ध आयरन डोम रक्षा प्रणाली भी, भले ही देश में विकसित की गई हो, अमेरिकी कंपनी आर.टी. एक्स के साथ साझेदारी में बनाई जाती है। अमेरिका ने इस कार्यक्रम में नियमित सहायता से अलग अरबों डॉलर का निवेश किया है। इसके कई प्रमुख इंटरसेप्टर पुर्जे अमेरिका में बनाए जाते हैं और भारी हमलों के दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

आग चाहिए, जोखिम नहीं प्रमथ्यु की प्रतीक्षा में बैठा समाज

हम कुछ मित्र हर शाम एक पार्क में मिलते हैं। अपने सुख दुख की बातें करते हैं, हंसी मज़ाक करते हैं, दुनिया जहान की बातें करते हैं। बातचीत में समकालीन प्रसंग भी आ ही जाते हैं। देश और दुनिया में इतना कुछ घटित होता रहता है, उससे अछूता और अप्रभावित रहना लगभग नामुमकिन होता है। कभी भ्रष्टाचार की तो कभी बेरोज़गारी की, कभी पेपर लीक की तो कभी मंदिर के तथाकथित आर्थिक घोटाले की, कभी सांप्रदायिकता की तो कभी स्त्रियों के प्रति दुर्व्यवहार की, कभी अतार्किक गोपनीयता की तो कभी उजागर हुए घपलों की या ऐसे ही किसी मुद्दे की चर्चा होने लगती है। हर चर्चा में बहस होती है, उत्तेजना होती है, स्पष्ट रूप से पक्ष और विपक्ष होता है, लेकिन मैंने यह बात नोट की है कि अगर मुद्दा सरकार से जुड़ा हो तो हर बार कोई न कोई मित्र एक सवाल ज़रूर उठाता है: "विपक्ष क्या कर रहा है? और अगर कभी चर्चा सरकार से इतर किसी मुद्दे की चले तो एक अन्य वाक्य सुनने को मिल जाता है: "किसी को तो आगे आना चाहिए!"

जब भी ऐसा होता है, अनायास मुझे यूनानी मिथकीय चरित्र प्रमथ्यु याद आ जाता है। बहुत संक्षेप में बताऊं तो यह कि प्रमथ्यु देवताओं से अग्नि चुराकर मनुष्यों को देता है। यहां अग्नि केवल आग नहीं है, वह ज्ञान, तकनीक, विवेक, सभ्यता और स्वतंत्रता की प्रतीक है। प्रमथ्यु की इस 'चोरी' के लिए देवताओं के राजा ज्यूस उसे बहुत कठोर दण्ड देते हैं। दण्ड यह है कि उसे एक चट्टान से बांध दिया जाता है और प्रतिदिन एक गिद्ध उसका कलेजा नोचता है। यह कथा हमें बताती है कि प्रमथ्यु द्वारा चुरा कर लाई हुई आग का लाभ तो पूरी मानवता ने उठाया है लेकिन दंड अकेले प्रमथ्यु ने भुगता। इस कथा को हिंदी कवि धर्मवीर भारती ने अपनी लम्बी कविता 'प्रमथ्यु गाथा में बहुत ही प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया है। उसे तलाश करके ज़रूर पढ़ें।

प्रमथ्यु की यह कथा मैंने इसलिए याद की कि 'लाभ तो हम सब उठाएं लेकिन उसका मोल कोई एक ही चुकाए की यह मानसिकता आज की नहीं है। अगर अपने समाज को थोड़ी बारीक नज़र से देखें तो कोई भगत सिंह हो, कोई महात्मा गांधी हो, कोई जयप्रकाश नारायण हो, कोई अरुणारॉय हो, कोई भी व्हिसलब्लोअर हो – दूसरा ही हो। हम तो बस सवाल उठाते रहें कि अमुक क्या कर रहा है! सड़क पर कचरा पड़ा हो, जो हमने ही बिखेरा है, तब भी हम सरकार को कोसने से बाज नहीं आते हैं। सड़क पर अतिक्रमण होते देखते हैं, देखते क्या मौका लगते ही ख़ुद भी कर लेते हैं, लेकिन पूछते हैं कि सरकार अतिक्रमण क्यों नहीं हटाती है। हम जात-पांत, सांप्रदायिकता, धर्मांधता, बेहूदगी, बदतमीज़ी, बेईमानी, मुनाफाखोरी, जमाखोरी सब में लिप्त रहते हैं लेकिन यह सवाल पूछने से ख़ुद को कभी नहीं रोकते कि इस मामले में अमुक क्या कर रहा है?

कभी सोच कर देखें, सरकार क्या है, विपक्ष क्या है? क्या ये हमसे अलग हैं? भारत जैसे प्रजातंत्र में क्या हम ही सरकार नहीं हैं? क्या हम ही विपक्ष नहीं हैं? कभी हमने यह भी सोचने का कष्ट किया है कि हम क्या कर सकते थे, और हमने क्या नहीं किया! एक नागरिक के रूप में हम भी तो सूचना के अधिकार का उपयोग कर सकते हैं, हम भी तो जनहित याचिका दायर कर सकते है, हम भी तो भ्रष्टाचार के विरुद्ध खड़े हो सकते हैं, हम भी तो मुनाफ़ाखोरी के विरुद्ध बोल या लिख सकते हैं, हम भी तो पर्यावरण को बचाने में अपना योग दे सकते हैं। हम अपनी मायड भासा राजस्थान की मान्यता के लिए सरकार को गरियाते रहते हैं, लेकिन हम ख़ुद उसे बरतने में कृपणता दिखाते हैं। हम यह कहते नहीं थकते कि आजकल लोग पढ़ते नहीं हैं, हम कभी यह सवाल नहीं करते कि हम ख़ुद कितना पढ़ते हैं! हमारी सारी शिकायतें और सारी अपेक्षाएं दूसरों से होती हैं। दूसरों से अर्थात सरकार से, विपक्ष से, मीडिया से, स्वयंसेवी संगठनों से, पड़ोसियों से – और भी न जाने किन-किन से। बस, अपने गिरेबां में झांककर देखने से हम चूक जाते हैं।

हम यह कहते नहीं थकते कि आजकल लोग पढ़ते नहीं हैं, हम कभी यह सवाल नहीं करते कि हम ख़ुद कितना पढ़ते हैं! हमारी सारी शिकायतें और सारी अपेक्षाएं दूसरों से होती हैं। दूसरों से अर्थात सरकार से, विपक्ष से, मीडिया से, स्वयंसेवी संगठनों से, पड़ोसियों से - और भी न जाने किन-किन से। बस, अपने गिरेबां में झांककर देखने से हम चूक जाते हैं।

असल में बात यह है कि दोष केवल सरकार का या विपक्ष का या मीडिया का या धर्म का या सामाजिक संगठनों का नहीं है। मैं इन सबको थोक में क्लीन चिट नहीं दे रहा हूँ। लेकिन आपको यह सोचने के लिए कह रहा हूं कि क्या हमारी अपनी मानसिकता यह नहीं है कि जो करना है वह कोई और करे। मेहनत कोई और कर, जोखिम कोई और उठाए, कीमत कोई और चुकाए, बदनामी कोई और सहे, पप्पू कोई और कहलाए, टोंटी चोर किसी और को कहा जाए, उपहास का पात्र कोई और बने, जेल कोई और जाए, गोली कोई और खाए। लेकिन अगर स्थितियाँ बदलकर बेहतर हो जाएँ तो उसका लाभ हम लें। तब एक पल को ही यह न सोचें, कि इस बदलाव के लिए हमने क्या किया था!

भारत एक प्रजातंत्र है। अगर हम अतीत में न भी जाएं तो लगभग साढ़े सात दशक से तो प्रजातंत्र है ही। क्या हमने कभी यह सोचा है कि केवल हर पाँचवें साल जाकर मतदान कर आना प्रजातंत्र नहीं होता है। अपने प्रजातंत्र को ज़िंदा और सक्रिय रखने के लिए हमें और भी काफी कुछ करना होता है। हमें सवाल पूछने होते हैं, हमें स्थानीय समस्याओं पर आवाज़ उठानी होती है, हमें अपने जन प्रतिनिधियों से संवाद करना और उन्हें अपनी अपेक्षाओं से अवगत कराना होता है, उन्हें टोकना होता है, हमें जनहित के मुद्दों पर वातावरण बनाना होता है, हमें सही काम करने वालों को संबल प्रदान करना होता है। यह सही है कि आज जन प्रतिनिधियों तक पहुंच पाना आसान नहीं है। लेकिन जन प्रतिनिधियों की हमसे यह दूरी अचानक पैदा नहीं हुई है। इसमें हमारी निष्क्रियता का भी योगदान कम नहीं है। डॉ बशीर बद्र साहब का एक खूबसूरत शेर है:–'सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा/ इतना मन चाहो उसे वो बेवफ़ा हो जाएगा! अगर हमारे जन प्रतिनिधि हमारी पहुंच से बाहर हो गए हैं तो इसके ज़िम्मेदार भी हम ही हैं। हमने उन्हें ऐसा हो जाने दिया है।

हमें ख़ुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि अगर हममें से हरेक ही किसी और प्रमथ्यु की प्रतीक्षा करता रहेगा तो आग लाएगा कौन? यह सच है कि हर समाज को प्रमथ्यु की ज़रूरत होती है, और यह भी सच है कि हममें से हरेक प्रमथ्यु नहीं हो सकता। लेकिन क्या हम प्रमथ्यु का साथ देने वाले, उसे अपना समर्थन देने वाले, उसका उत्साह बढ़ाने वाले भी नहीं बन सकते? क्या हम प्रमथ्यु को दंडित करने वाले अत्याचारी राजा ज्यूस का विरोध नहीं कर सकते? विरोध न सही, उसे नापसंद भी नहीं कर सकते? अपने समाज में हम देखते हैं कि जो प्रमाणिक रूप से भ्रष्ट हैं उनके प्रति भी हम अपनी स्पष्ट नापसंदगी व्यक्त नहीं करते हैं। आज तो हालत यह है कि हमें आग तो चाहिए, लेकिन आग लाने वाले के घावों की हम परवाह नहीं करते।

सवाल उठाना ज़रूरी है कि सरकार क्या कर रही है, विपक्ष क्या कर रहा है, न्यायपालिका, मीडिया और सामाजिक संगठन क्या कर रहे हैं। लेकिन इसके साथ एक प्रश्न और जुड़ना चाहिए–हम क्या कर रहे हैं? क्या हम स्वयं सवाल पूछ रहे हैं? क्या हम सही बात कहने वालों के साथ खड़े हैं? क्या हम उन लोगों का समर्थन करते हैं जो सार्वजनिक हित में जोखिम उठाते हैं? या हम केवल दर्शक बने रहना चाहते हैं?

कोई भी समाज इसलिए कमजोर नहीं होता कि उसके पास प्रमथ्यु कम हैं। वह तब कमजोर होता है जब वह अपने हर प्रमथ्यु को अकेला छोड़ देता है। इतिहास को आगे बढ़ाने वाले लोग हमेशा अल्पसंख्यक रहे हैं, लेकिन इतिहास की गति को रोकने वाली चीज़ बहुसंख्यक की उदासीनता रही है। यह उदासीनता टूटे और हममें से हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी स्वीकार करे–शायद यही हमारे समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

एआई, रोजगार और बाज़ार: क्या दुनिया धीरे-धीरे एक साइलेंट मंदी की तरफ बढ़ रही है?

सुनील दत्त गोयल

आज दुनिया सिर्फ तकनीक के बदलने का दौर नहीं देख रही, बल्कि पूरी आर्थिक व्यवस्था बदलने के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन अब केवल आईटी कंपनियों तक सीमित चीज़ें नहीं रह गई हैं। बैंकिंग, मीडिया, शिक्षा, स्वास्थ्य, ट्रांसपोर्ट, ग्राहक सेवा, फैक्ट्री, लॉजिस्टिक्स और यहाँ तक कि क्रिएटिव फील्ड में भी एआई तेजी से अपनी जगह बना रहा है।

कंपनियाँ इसे खर्च कम करने, तेज़ फैसले लेने और कम कर्मचारियों में ज्यादा काम करने के साधन के रूप में देख रही हैं। निवेशकों को भी इसमें भविष्य की अर्थव्यवस्था दिखाई दे रही है। लेकिन इसी उत्साह के बीच एक बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है– क्या हम अनजाने में उस आर्थिक व्यवस्था को ही कमजोर कर रहे हैं, जिस पर पूरा बाज़ार टिका हुआ है?

असल में दुनिया की अर्थव्यवस्था सिर्फ मशीनों से नहीं चलती। उसका असली आधार आम आदमी की कमाई और उसका खर्च होता है। अगर तकनीक तेजी से इंसानी नौकरियों की जगह लेने लगे और पैसा कुछ सीमित लोगों तक सिमटने लगे, तो आने वाले समय में दुनिया एक ऐसी साइलेंट रिसेशन यानी धीमी और अंदर ही अंदर बढ़ने वाली मंदी की तरफ जा सकती है, जिसका असर बहुत गहरा हो सकता है।

अर्थव्यवस्था का असली आधार: आम आदमी का खर्च

अर्थशास्त्र का एक बहुत सीधा सिद्धांत है– जो व्यक्ति कमाता है, वही खर्च करता है और वही बाजार को चलाता है। इसे सर्कुलर फ्लो ऑफ इनकम कहा जाता है।

किसी कर्मचारी की सैलरी सिर्फ उसकी व्यक्तिगत कमाई नहीं होती। वही पैसा किराने की दुकान तक जाता है, मकान किराया बनता है, बच्चों की फीस बनता है, गाड़ी खरीदने में लगता है, अस्पताल, मोबाइल रिचार्ज, कपड़े और मनोरंजन तक पहुँचता है। यही पैसा आगे दूसरे लोगों की आय बन जाता है।

वर्ल्ड बैंक और आई एम एफ के अनुसार भारत की जीडीपी का लगभग 57 से 60 प्रतिशत हिस्सा लोगों के निजी खर्च से आता है। अमेरिका जैसे देशों में यह आँकड़ा लगभग 68 प्रतिशत तक है। इसका मतलब साफ है– अगर आम आदमी की कमाई कमजोर होती है, तो बाजार की मांग भी कमजोर होने लगती है।

यानी अर्थव्यवस्था केवल फैक्ट्री और उत्पादन से नहीं चलती, बल्कि लोगों की खरीदने की क्षमता से चलती है। और यह क्षमता सीधे रोजगार से जुड़ी होती है।

एआई से काम बढ़ रहा है, लेकिन नौकरियाँ घटने का डर भी बढ़ रहा है

एआई के समर्थक अक्सर कहते हैं कि हर नई तकनीक नई नौकरियाँ पैदा करती है। यह बात कुछ हद तक सही भी है। औद्योगिक क्रांति, कंप्यूटर और इंटरनेट ने भी नई संभावनाएँ पैदा की थीं। लेकिन एआई की गति और उसका दायरा पहले की तकनीकों से कहीं ज्यादा बड़ा है।

McKinsey Global Institute की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक दुनिया में 40 से 80 करोड़ नौकरियाँ ऑटोमेशन से प्रभावित हो सकती हैं। वहीं का अनुमान है कि जनरेटिव एआई लगभग 30 करोड़ फुल-टाइम नौकरियों के बराबर काम को प्रभावित कर सकता है।

World Economic Forum keâer "Future of Jobs Report 2023" 2023 कहती है कि अगले पाँच सालों में लगभग 23 प्रतिशत नौकरियाँ बदल जाएँगी। करीब 6I9 करोड़ नई नौकरियाँ बनेंगी, लेकिन 8I3 करोड़ नौकरियाँ खत्म भी हो सकती हैं।

सबसे बड़ा असर अब व्हाइट कॉलर जॉब्स पर दिखाई देने लगा है। पहले मशीनें फैक्ट्री का काम करती थीं, लेकिन अब कंटेंट राइटिंग, कस्टमर सपोर्ट, डेटा एनालिसिस, अकाउंटिंग, डिज़ाइनिंग, लीगल रिसर्च और बेसिक प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों में भी एआई इंसानी काम की जगह लेने लगा है।

दुनिया की कई बड़ी टेक कंपनियाँ पिछले दो सालों में हजारों कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी हैं। कई कंपनियाँ खुलकर कह रही हैं कि वे कम कर्मचारियों और ज्यादा एआई वाले मॉडल पर जा रही हैं।

भारत के लिए यह खतरा ज्यादा बड़ा क्यों है?

भारत की स्थिति विकसित देशों से अलग है। यहाँ हर साल लाखों युवा नौकरी की तलाश में बाजार में आते हैं। CMIE के अनुसार भारत में युवाओं के बीच बेरोजगारी कई बार 15 से 20 प्रतिशत तक दर्ज की गई है।

भारत में एक नौकरी केवल एक व्यक्ति की कमाई नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार का सहारा होती है। ऐसे में अगर एआई शुरुआती स्तर की नौकरियों को तेजी से खत्म करने लगे, तो इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक भी होगा।

विशेष चिंता की बात यह है कि एआई सबसे पहले उन्हीं नौकरियों को प्रभावित कर रहा है जो दोहराव वाले काम हैं। और भारत का सर्विस सेक्टर काफी हद तक इसी मॉडल पर आधारित है। BPO, बैक ऑफिस, बेसिक कोडिंग, डेटा एंट्री और ग्राहक सहायता जैसे क्षेत्रों में करोड़ों युवा काम करते हैं।

अगर कोई कंपनी पहले 100 कर्मचारियों से काम कर रही थी और अब 25-30 कर्मचारियों और एआई टूल्स से वही काम करने लगे, तो कंपनी का खर्च जरूर कम होगा। लेकिन बाकी लोगों की कमाई भी खत्म हो जाएगी। यहीं से समस्या केवल रोजगार की नहीं रहती, बल्कि बाजार की मांग की बन जाती है।

2008 की मंदी ने दुनिया को क्या सिखाया था?

2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी आज भी दुनिया के लिए एक बड़ा सबक मानी जाती है। अमेरिका में सब-प्राइम लोन संकट और Lehman Brothers जैसी बड़ी वित्तीय संस्थाओं के गिरने से पूरी दुनिया हिल गई थी।

लेकिन असली समस्या तब शुरू हुई जब लोगों की नौकरियाँ गईं और खर्च कम होने लगा। लोगों ने घर खरीदना बंद किया, कार खरीदना बंद किया और खर्च सीमित कर दिया। जब बाजार में मांग घटी, तो उत्पादन भी घट गया और कंपनियाँ संकट में आ गईं।

यानी अर्थव्यवस्था का असली इंजन आम आदमी का खर्च है। अगर लोगों की जेब कमजोर होती है, तो बड़े-बड़े उद्योग भी लंबे समय तक नहीं टिक पाते। आज का खतरा थोड़ा अलग है। यह अचानक आने वाला संकट नहीं है। यह धीरे-धीरे बढ़ने वाला दबाव है। इसलिए इसे साइलेंट रिसेशन कहा जा सकता है।

साइलेंट रिसेशन आखिर है क्या?

साइलेंट रिसेशन ऐसी स्थिति होती है जहाँ ऊपर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है। शेयर बाजार बढ़ रहा होता है, कंपनियों का मुनाफा भी अच्छा दिखता है, लेकिन जमीन पर लोगों की वास्तविक कमाई और नौकरी की स्थिरता धीरे-धीरे कमजोर होती जाती है। मान लीजिए कोई कंपनी एआई की मदद से अपने 70 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाकर भी काम चलाने लगे। शुरुआती समय में कंपनी का मुनाफा बढ़ सकता है। निवेशक खुश होंगे। शेयर की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

लेकिन वे 70 प्रतिशत लोग जो पहले वेतन पा रहे थे, अब बाजार में पहले जैसे ग्राहक नहीं रहेंगे। वे नया घर खरीदने से बचेंगे, गाड़ी नहीं लेंगे, बच्चों की महंगी पढ़ाई कम करेंगे और खर्च घटा देंगे।

धीरे-धीरे इसका असर हर क्षेत्र पर पड़ेगा:–

रियल एस्टेट की मांग घटेगी

ऑटोमोबाइल सेक्टर प्रभावित होगा

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ेगा

खुदरा बाजार कमजोर होगा

सबसे पहले छोटे और मध्यम उद्योग प्रभावित होंगे

यह असर धीरे-धीरे बढ़ता है, इसलिए शुरुआत में दिखाई नहीं देता। लेकिन अंदर ही अंदर पूरी आर्थिक गति कमजोर होने लगती है।

आज कंपनियाँ एआई को खर्च कम करने के साधन के रूप में देख रही हैं। लेकिन यहाँ एक बड़ा विरोधाभास भी है।

जिस कर्मचारी को हटाकर कंपनी पैसा बचा रही है, वही व्यक्ति बाजार में उसका ग्राहक भी था।

आर्थिक चक्र कुछ इस तरह चलता है:–

कर्मचारी आय खर्च बाजार कंपनी की कमाई

अगर इस चक्र की पहली कड़ी कमजोर हो जाती है, तो आखिर में कंपनियों की कमाई भी प्रभावित होने लगती है।

यानी कंपनियाँ अल्पकालिक मुनाफे के लिए दीर्घकालिक बाजार को कमजोर कर सकती हैं।

क्या एआई अमीर और गरीब के बीच दूरी बढ़ाएगा?

Oxford Economics और OECD जैसी संस्थाओं ने कई बार चेतावनी दी है कि एआई से उत्पादकता तो बढ़ेगी, लेकिन अगर सही नीतियाँ नहीं बनीं तो असमानता भी तेजी से बढ़ सकती है।

तकनीक का सबसे ज्यादा लाभ उन लोगों को मिलेगा जिनके पास पूँजी, उच्च कौशल और डेटा का नियंत्रण है। दूसरी तरफ कम और मध्यम कौशल वाले लोगों पर दबाव बढ़ सकता है।

दुनिया पहले ही "K-shaped recovery" देख चुकी है, जहाँ समाज का एक वर्ग तेजी से ऊपर जाता है जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूटता जाता है। एआई इस दूरी को और बढ़ा सकता है।

समाधान क्या हो सकते हैं?

इस समस्या का समाधान एआई को रोकना नहीं है। तकनीक को रोका नहीं जा सकता। असली सवाल यह है कि उसका इस्तेमाल किस तरह किया जाए।

1. बड़े स्तर पर नई स्किल सिखाने की जरूरत

सरकार और कंपनियों को मिलकर लोगों को नए कौशल सिखाने होंगे। डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, रोबोटिक्स, एआई मैनेजमेंट, हेल्थ टेक और ग्रीन टेक जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

2. इंसान और एआई साथ काम करें

एआई को इंसानों की जगह लेने वाली तकनीक नहीं, बल्कि इंसानों की क्षमता बढ़ाने के साथ उनके सहयोगी के तौर पर तकनीक के रूप में अपनाना होगा।

3. एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करना

भारत में एमएसएमई सेक्टर लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। अगर छोटे उद्योग कमजोर होते हैं, तो रोजगार संकट और गहरा सकता है।

4. Universal Basic Income जैसे विचारों पर चर्चा

दुनिया के कई देशों में अब न्यूनतम आय सुरक्षा यानी ठहग्मेंर्ट ग्म घ्हम्दस पर गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है।

5. आम आदमी की क्रय शक्ति बचाना सबसे जरूरी

किसी भी आर्थिक नीति का अंतिम उद्देश्य केवल जीडीपी बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि लोगों की कमाई और खरीदने की क्षमता को मजबूत रखना होना चाहिए।

एआई मानव इतिहास की सबसे शक्तिशाली तकनीकों में से एक बन सकता है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और उत्पादन में बड़े बदलाव ला सकता है। लेकिन अगर इसका इस्तेमाल केवल लागत घटाने और इंसानी श्रम को हटाने के लिए किया गया, तो यह आर्थिक संतुलन को कमजोर भी कर सकता है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था मशीनों से नहीं चलती। वह लोगों की कमाई, उनके भरोसे और उनके खर्च से चलती है। अगर बड़ी संख्या में लोग आर्थिक चक्र से बाहर होने लगते हैं, तो विकास की रफ्तार धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाएगी, चाहे तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो।

चीन की अदालतों ने स्पष्ट किया है कि केवल इस आधार पर किसी कर्मचारी को नौकरी से निकालना या उसके पद और वेतन में भारी कटौती करना अवैध है कि उसका कार्य अब आर्टीफिशल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा किया जा सकता है। अदालतों का मानना है कि तकनीकी प्रगति और स्वचालन के बावजूद कर्मचारियों के श्रम अधिकारों की रक्षा करना नियोक्ताओं की जिम्मेदारी है, और एआई को मानव कर्मचारियों के स्थान पर लाने मात्र को नौकरी समाप्त करने का वैध आधार नहीं माना जा सकता। दुनिया के सभी देशों को भी ऐसी नीतियों पर विचार करना चाहिए। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत तकनीकी प्रगति और मानवीय संतुलन के बीच सही रास्ता चुनने की है। भविष्य केवल एआई का नहीं है, बल्कि इंसान और एआई के साथ मिलकर आगे बढ़ने का है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

उड़ान के लिए खतरा बनते पक्षी

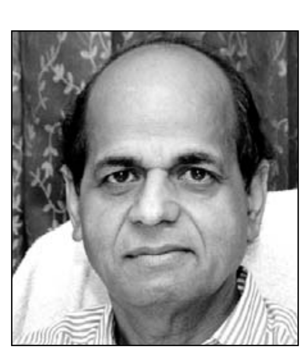

डॉ. कैलाश चंद सैनी

आसमान में उड़ते पक्षी विमानन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी बन सकते हैं। हर वर्ष होने वाली सैकड़ों बर्ड स्ट्राइक की घटनाएँ यह बताती हैं कि यह महज़ संयोग नहीं, बल्कि हमारी पर्यावरणीय और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है।

गत दिनों जयपुर के सांगानेर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री विमान के पंखों से पक्षियों का झुंड टकरा गया। कुछ क्षणों के लिए सैकड़ों यात्रियों की सांसें थम गईं। सौभाग्य से पायलट की त्वरित सूझबूझ और कुशल निर्णय ने एक बड़े हादसे को टाल दिया। लेकिन इस घटना ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा के उस गंभीर पहलू की ओर फिर से ध्यान खींचा है, जिसे हम अक्सर महज़ संयोग मानकर टाल देते हैं।

विमानन की भाषा में इसे 'बर्ड स्ट्राइक' कहा जाता है – एक ऐसी समस्या जो केवल जयपुर या भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक नागरिक उड्डयन उद्योग के लिए एक महंगी और जानलेवा चुनौती बन चुकी है। भारत में हर वर्ष एक हजार से अधिक बर्ड स्ट्राइक की घटनाएँ दर्ज होती हैं। यह संख्या अपने बताती है कि हमारे हवाई सुरक्षा प्रबंधन में अभी भी कई खामियाँ मौजूद हैं।

रफ्तार की अपनी कीमत होती है

विमानों और पक्षियों का यह टकराव उतना ही पुराना है जितना उड़ान का इतिहास। विडंबना यह है कि मनुष्य ने उड़ने की प्रेरणा पक्षियों से ही ली, लेकिन जैसे ही उसने आकाश में प्रवेश किया, वही पक्षी उसके लिए चुनौती बन गए।

प्रारंभिक दौर में विमानों की गति कम थी। पक्षियों को रास्ते से हटने का पर्याप्त समय मिल जाता था और नुकसान अधिकतर विंडशील्ड तक सीमित रहता था। लेकिन जेट युग ने इस समीकरण को बदल दिया।

आज के आधुनिक विमान अत्यंत तीव्र गति से उड़ते हैं। उनके टरबाइन इंजन हल्के, जटिल और अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसी स्थिति में एक छोटा-सा पक्षी भी जब विमान से टकराता है, तो उसका प्रभाव किसी प्रक्षेप्य (मिसाइल) जैसा हो सकता है।

कौन हैं ये 'अनचाहे हवाई यात्री'?

यह समझना जरूरी है कि पक्षी कभी जानबूझकर विमानों से नहीं टकराते। वे तो स्वाभाविक रूप से अपने भोजन, घोंसले और सुरक्षित ठिकानों की तलाश में रहते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब मनुष्य की अव्यवस्थित गतिविधियाँ उन्हें एयरपोर्ट क्षेत्र की ओर आकर्षित करती हैं।

भारत में बर्ड स्ट्राइक की घटनाओं में मुख्यत: निम्न पक्षी प्रजातियाँ अधिक शामिल पाई जाती हैं –

चील और बाज – गंभीर घटनाओं में इनकी भूमिका सबसे अधिक होती है। एयरपोर्ट के आसपास खुले कचरे और मांस-मच्छी के अवशेष इन्हें आकर्षित करते हैं। ये ऊँचाई पर गर्म हवा की धाराओं में मंडराते रहते हैं और अक्सर विमानों के टेक-ऑफ मार्ग में आ जाते हैं।

कबूतर और टिटहरी – कबूतर भवनों और ऊँचे ढाँचों में घोंसले बना लेते हैं, जबकि टिटहरी रनवे किनारे घास में अंडे देती है। विमान की गर्जना से ये अचानक उड़ान भरते हैं और सीधे इंजन के मार्ग में आ जाते हैं।

बगुले, मैना और कौवे – बारिश के मौसम में रनवे के आसपास पनपने वाले कीड़े-मकोड़े इन्हें आकर्षित करते हैं। समूह में इनकी उपस्थिति जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है।

दुनिया के बड़े हवाई अड्डों पर पक्षियों को दूर रखने के लिए अनेक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। जॉन एफ केनेडी इन्टरनेशनल एयरपोर्ट से लेकर हीथ्रो हवाई अड्डे तक इसके लिए विशेष व्यवस्थाएँ विकसित की गई हैं।

शेलक्रैकर और रॉकेट बॉम्ब – ये विशेष ध्वनि-उत्पादक पटाखे होते हैं जिन्हें दागकर तेज आवाज और प्रकाश उत्पन्न किया जाता है, ताकि पक्षी भयभीत होकर उड़ जाएँ।

डिस्ट्रेस कॉल्स – लाउडस्पीकर पर पक्षियों की संकट ध्वनियाँ बजाई जाती हैं, जिससे झुंड को खतरे का आभास हो।

एवियन रडार सिस्टम – अब ऐसे आधुनिक रडार विकसित हो चुके हैं जो पक्षियों के झुंड की दिशा, ऊँचाई और घनत्व का पूर्वानुमान देकर पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को चेतावनी दे सकते हैं। लेकिन इन तकनीकों की भी सीमाएँ हैं। पक्षी जल्दी सीख जाते हैं। कुछ समय बाद वे समझ जाते हैं कि यह शोर केवल भ्रम है, खतरा नहीं। जयपुर और देश के अन्य हवाई अड्डों को सुरक्षित बनाने के लिए तात्कालिक उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालिक और बहुस्तरीय नीति अपनानी होगी।

बर्ड स्ट्राइक नियंत्रण की त्रिसूत्रीय रणनीति – एयरपोर्ट के आसपास खुले डंपिंग यार्ड, बूचड़खाने, होटल कचरा और खुले डस्टबिन पक्षियों के सबसे बड़े आकर्षण हैं। एयरपोर्ट के कम से कम 10 किलोमीटर दायरे में ठोस कचरा प्रबंधन को अनिवार्य और सख्ती से लागू करना होगा।

रनवे के आसपास घास की ऊँचाई वैज्ञानिक मानकों के अनुसार रखी जानी चाहिएन बहुत ऊँची, न बहुत नीची। जलभराव समाप्त करने के लिए त्वरित जल निकासी व्यवस्था भी जरूरी है, ताकि कीट-पतंगों और केंचुओं का जमाव न हो। रूस्टर-बूस्टर, ड्रोन सर्विलांस और एवियन रडार को एकीकृत कर एक स्मार्ट बर्ड मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए, ताकि दिन-रात और कोहरे जैसी परिस्थितियों में भी पक्षियों की गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके।

जयपुर एयरपोर्ट की हालिया घटना महज़ एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संकेत है कि हम अब भी बर्ड स्ट्राइक को पर्याप्त गंभीरता से नहीं ले रहे। हर बार हम पायलट की सूझबूझ और भाग्य पर निर्भर नहीं रह सकते। विमान सुरक्षा केवल कॉकपिट की जिम्मेदारी नहीं है। यह एयरपोर्ट प्रशासन, नगर निकायों, पर्यावरण प्रबंधन और नागरिक अनुशासनसभी की साझा जवाबदेही है। अब समय आ गया है कि बर्ड स्ट्राइक को प्राकृतिक दुर्घटना कहकर टालना बंद किया जाए। सच यह है कि अधिकांश मामलों में यह प्रकृति की नहीं, हमारी प्रशासनिक और पर्यावरणीय अव्यवस्था की देन है। यदि हमने अभी भी नहीं सीखा, तो अगली चेतावनी शायद इतनी उदार न हो।

–डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वरिष्ठ लेखक एवं पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा, जयपुर।

राशिफल

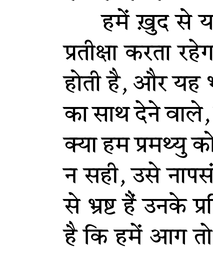

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 22 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 10:22 तक, व्यतिपात योग दिन 10:31 तक, बव करण दिन 3:40 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज दुर्गाष्टमी, धूमावती जयन्ती, व्यतिपात पुण्य है। आज बुध कर्क में दिन 3:53 पर प्रवेश करेगा। आज से राष्ट्रीय आषाढ़ मास प्रारम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:20 तक, शुभ 9:03 से 10:46 तक, चर 2:11 से 3:54 तक, लाभ अमृत 3:54 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:19

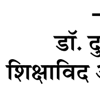

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

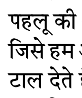

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

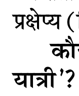

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

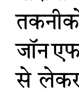

कर्क
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

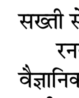

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

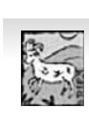

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

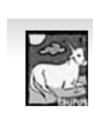

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

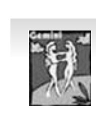

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव हैं। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

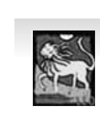

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिखाई हरी झंडी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रेल मंत्री ने सीकर जिले के खाटूश्यामजी क्षेत्र में सुंदरपुरा रेलवे स्टेशन के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि नया स्टेशन खाटूश्यामजी से लगभग 11 किलोमीटर दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट बनाया जाएगा। इसके लिए भूमि का चयन कर लिया गया है तथा अगले 12 महीनों में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा दरभंगा सांसद गोपाल ठाकुर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी तथा सांसद घनश्याम तिवाड़ी व सांसद मंजू शर्मा मौजूद थे।

- **वैष्णव ने खाटूश्यामजी के लिए नए सुंदरपुरा स्टेशन की घोषणा भी की**
- **प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में हो रहा रेलवे सुविधाओं का विस्तार : सीएम भजनलाल शर्मा**

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेलवे सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुंदरपुरा रेलवे स्टेशन बनने से खाटूश्यामजी आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि जयपुर में विकसित मेगा कोचिंग टर्मिनल रेलवे अधोसंरचना को नई मजबूती प्रदान करेगा, जहां लगभग 450 रेलगाड़ियों का अनुरक्षण किया जा सकेगा। इससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। इस दौरान रेल मंत्री ने 205 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक मेगा कोचिंग टर्मिनल का भी लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अधोभाग जांच प्रणाली, डिब्बा अवतरण गड्ढा मशीन, समकालिक डिब्बा उत्थापन प्रणाली तथा स्वचालित डिब्बा धुलाई संयंत्र जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिनसे रेलगाड़ियों के अनुरक्षण की गुणवत्ता और क्षमता दोनों में वृद्धि होगी। वैष्णव ने सीकर रेलवे स्टेशन पर नई अनुरक्षण लाइन के निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि इससे रेलगाड़ियों की सफाई, तकनीकी जांच और रखरखाव की सुविधाएं सुदृढ़ होंगी तथा भविष्य में नई रेल सेवाओं के संचालन और क्षेत्रीय रेल संपर्क विस्तार को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बिहार के लिए सीधी रेल सेवा की लंबे समय से मांग थी, जो अब पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि जयपुर और दरभंगा के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होने से यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी तथा रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई रेल सेवाएं विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को गति देने वाली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। वर्ष 2009 से 2014 के दौरान राजस्थान को रेलवे के लिए औसतन 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जो वर्ष 2026-27 में बढ़कर 10,228 करोड़ रुपये हो गया है। वर्तमान में राजस्थान में 76,800 करोड़ रुपये से अधिक लागत की रेलवे परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से बिहार और राजस्थान के बीच संपर्क और अधिक मजबूत होगा तथा बिहार के लाखों नागरिकों के लिए राजस्थान की यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुविधाजनक बनेगी। कार्यक्रम के दौरान बीकानेर-साबरमती रेल सेवा को भी रवाना किया गया। बड़ी संख्या में रेल यात्रियों, जनप्रतिनिधियों तथा रेलवे अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि खातीपुरा-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन संचालित होगी।

ट्रेन संख्या 19725 खातीपुरा से शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन रात्रि 10:30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन रात्रि 12:55 बजे दरभंगा पहुंचेगी। वहीं ट्रेन संख्या 19726 दरभंगा से रविवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन प्रात: 4:30 बजे रवाना होकर अगले दिन प्रात: 8:40 बजे खातीपुरा पहुंचेगी।

मनरेगा संविदाकर्मियों ने दी प्रदेश में आंदोलन की चेतावनी

जयपुर। मनेगा (वीबी-जीरामजी) संविदा कार्मिक संघ के प्रदेशाध्यक्ष दिनेश मीना ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य रसकार ने शीघ्र ही सेवा नियम जारी कर कर्मचारियों का नियमितिकरण नहीं किया तो 1 जुलाई से पूरे राजस्थान में मनरेगा संविदा कार्मिकों द्वारा "वीबी-जी राम जी" का बहिष्कार किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना में वर्ष 2005 से कार्यरत संविदा कार्मिकों को नियमितीकरण की आस पूरी होती नजर नहीं आ रही है। पिछले 20-21 सालों में कई सरकारें आई व गई, परंतु किसी ने नियमितकरण की सुध नहीं ली। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार ने संविदा सेवा नियम 2022 बना कर हवाई घोषणाएं कर दी थी, लेकिन आज तक मनरेगा संविदा कार्मिकों का नियमितिकरण नहीं हुआ। ग्रामीण विकास विभाग से संविदात्मक पदों को नियमित पदों में संपरिवर्तन करते हुए प्रशासनिक व वित्तिय स्वीकृतियां जारी कर दी गई है, लेकिन आज तक सेवा नियम जारी नहीं हो पाये। ग्रामीण विकास मंत्री ने विधानसभा में आय-व्यय की मांग संख्या-53 के तहत ग्रामीण विकास विभाग में मनरेगा के संविदा कार्मिकों को नियमित करने के लिए सेवा नियम ग्रामीण विकास विभाग में बनाने की घोषणा की थी। इसके उपरांत सेवा नियम की पत्रावली कार्मिक विभाग से अनुमोदन होकर पिछले 2 माह से अधिक समय से वित्त विभाग में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 1 जुलाई से पूरे प्रदेश में महात्मा गांधी नरेगा के स्थान पर "वीबी-जी राम जी" लागू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि मात्र 16900 रुपये के अल्प मानदेय में वर्तमान दौर में जीवन यापन करने मुश्किल हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि सरकार जुमले बाजी करना बंद कर यथाशीघ्र नियमितकरण करे।

भाजपा हरियाणा प्रभारी तथा राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां ने मुरथल, सोनीपत स्थित दीनबंधु छोटूराम विश्विद्यालय में आयोजित योग कार्यक्रम में खिलाड़ियों, आमजन एवं कार्यकर्ताओं के साथ योगाभ्यास किया। इस मौके पर भाजपा हरियाणा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली, अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी बबीता फोगाट, विजेंद्र बॉक्सर, प्रदीप नरवाल, पूर्व मंत्री कविता जैन, वाइस चांसलर प्रो. प्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे।

नशे के सौदागरों पर ए.एन.टी.एफ. ने कसा शिकंजा

25 हजार का इनामी तस्कर गुजरात से गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने राज्यभर में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन जिलों में भारी मात्रा में डोडा-चूरा और प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद की हैं। इसके साथ ही एक वर्ष से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी तस्कर को गुजरात के वडोदरा से गिरफ्तार किया गया है।

एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि विशेष अभियान के तहत 'ऑपरेशन रजियांजनेय' में नागौर जिले के खींवसर क्षेत्र निवासी 27 वर्षीय हनुमान उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2025 में श्रीगंगानगर के रजियासर थाने में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के मामले में वांछित हनुमान पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद वह गुजरात फरार हो गया था। इससे पहले उसे पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर वह भाग निकला था।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ टीम ने तकनीकी निगरानी, ई-मित्र से मिले

- **आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में डोडा-चूरा और प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद**

सुराग और वडोदरा में उसकी गतिविधियों पर नजर रखकर उसे एक पार्क से दबोच लिया। जांच में सामने आया कि पिता की मृत्यु के बाद 100 बीघा कृषि भूमि का मालिक बनने के बावजूद वह ऐशो-आराम की जिंदगी के लालच में मादक पदार्थ तस्करी के धंधे में उतर गया था। इधर फलोदी जिले के लोहावट क्षेत्र में जाखड़ों की ढाणी पलीना में कार्रवाई कर आरोपी भोमाराम जाट को गिरफ्तार कर उसके घर से 15.406 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया गया। वहीं चित्तौड़गढ़ जिले के भादसोड़ा थाना क्षेत्र में उदयपुर-चित्तौड़गढ़ हाईवे स्थित एक होटल पर स्निफर डॉग की सहायता से दबिश देकर 3.780 किलोग्राम डोडा-चूरा जब्त किया गया तथा होटल संचालक लक्ष्मण राम देवासी को गिरफ्तार किया गया।उदयपुर के सूरजपोल क्षेत्र में एएनटीएफ ने ई-मित्र संचालक रवि अठवाल को स्कूटी सहित पकड़कर उसके कब्जे से 40 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बरामद किए। आरोपी कथित रूप से स्कूटी के जरिए नशीली दवाओं की सप्लाई कर रहा था।

एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार ने कार्रवाई में शामिल एएनटीएफ एवं स्थानीय पुलिस टीमों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित करने की घोषणा की है। उन्होंने आमजन से अपील की कि मादक पदार्थ तस्करी या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना एएनटीएफ को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

12वीं में पास कराने का झांसा देकर छात्रा से 22 हजार रु. ठगे

जयपुर। नारायण विहार थाना क्षेत्र में 12वीं कक्षा ओपन बोर्ड से पास कराने का झांसा देकर एक छात्रा से 22 हजार रुपये ठगने और फर्जी मार्कशीट देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक प्रेमचंद के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हेड कांस्टेबल सुभाष चन्द ने बताया मानसरोवर निवासी 19 वर्षीय छात्रा ने रिपोर्ट करवाई है कि उसके पिता के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण वह नियमित पढ़ाई नहीं कर सकी थी और ओपन बोर्ड से 12वीं करना चाहती थी। इसी दौरान एक परिचित ने उसे प्रेमचंद नामक शिक्षक के बारे में बताया। आरोपी ने छात्रा और उसकी मां को नारायण विहार स्थित अपने घर बुलाकर 22 हजार रुपये में ट्ययूशन सहित 12वीं की पढ़ाई और परीक्षा पास कराने का दावा किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किये मां अम्बाजी शक्ति पीठ के दर्शन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को गुजरात के बनासकांठा स्थित अम्बाजी शक्ति पीठ में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर शक्तिपीठ प्रबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए मां अम्बे की प्रतिमा भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मदन राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सुभाष चौक क्षेत्र में 1350 किलो विस्फोटक सामग्री जब्त

जयपुर। शहर के सुभाष चौक थाना पुलिस ने अवैध रूप से संग्रहित पटाखों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1350 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री (पटाखे) जब्त की है। पुलिस ने विभिन्न ब्रांडों के कुल 67 कार्टनों में रखे गए पटाखों को बरामद किया है। मामले में एक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) पीयूष कविया ने बताया कि यह कार्रवाई खो नागोरियान क्षेत्र में हाल ही में हुए अवैध पटाखा फैक्ट्री हादसे के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गठित विशेष टीम द्वारा की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चाणक्य मार्ग, तनसुख श्रीमाल की गली स्थित मकान नंबर 971 के एक कमरे में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान कमरे से विभिन्न कंपनियों के पटाखों से भरे 67 कार्टन बरामद किए गए, जिनका कुल वजन लगभग 1350 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने समस्त सामग्री को

- **बिना लाइसेंस चल रहा था कारोबार, आरोपी फरार**

जब्त कर लिया।थानाधिकारी ओमवीर सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया कि बरामद पटाखे रोहित अग्रवाल के कब्जे वाले कमरे में रखे हुए थे। पूछताछ में पता चला कि आरोपी बिना किसी वैध लाइसेंस के मौसमी पटाखा कारोबार कर रहा था। कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। उसके खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री का भंडारण जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। ऐसे मामलों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल रामनिवास, कांस्टेबल प्रकाश चंद, मुकेश सिंह, कुलदीप सिंह एवं दिनेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी रामदेव ने आंध्रप्रदेश से किया "योगमय राष्ट्र" का आव्हान

विजयवाड़ा। योगऋषि स्वामी रामदेव ने आंधप्रदेश के अमरावती (विजयवाड़ा) में कृष्णा नदी क्षेत्र से योगमय राष्ट्र व योगमय विश्व का आव्हान किया।

यह कार्यक्रम पतंजलि योगपीठ तथा आंध्र प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में हुआ था। जिसमें आचार्य बालकृष्ण महाराज भी उपस्थित रहे। इस वर्ष योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" रही। यूँ तो कार्यक्रम प्रात: 5 बजे से प्रारंभ हो गया था, किंतु सरकारी कार्यक्रम के योग प्रोटोकॉल अनुसार स्वामी रामदेव महाराज, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू एवं आचार्य बालकृष्ण महाराज ने 45 मिनट की मानकीकृत योग दिनचर्या का अनुपालन करते हुए लगभग हजारों योग साधकों को योग का अभ्यास कराया। प्रारंभ में प्रार्थना, ग्रीवा, कंधा, कमर और

घुटनों से सम्बंधित चालन क्रियाओं का अभ्यास कराया गया, तत्पश्चात खड़े होकर करने वाले आसनों में ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन और त्रिकोणासन, बैठकर करने वाले आसनों में भद्रासन, वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, शशकासन और उत्तान मंडूकासन, पेट के बल लेटकर करने वाले आसनो में मकरासन, भुजंगासन और शलभासन, पीठ के बल करने वाले आसनों में सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन और पवनमुक्तासन का अभ्यास कराया। अंत में प्राणायाम और ध्यान के लिए अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, और ध्यान व संकल्प का अभ्यास कराया गया।

पुलिस-प्रशासन की कड़ी निगरानी में संपन्न हुई "री-नीट" परीक्षा

अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले थ्री-लेयर सिक्योरिटी जांच से गुजरना पड़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुन: परीक्षा रविवार को राजधानी जयपुर में कड़े सुरक्षा प्रबंधों और प्रशासनिक निगरानी के बीच शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। जयपुर जिले के 103 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में 37128 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। जिनमें से 34031 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 3,097 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल उपस्थिति 91.66 प्रतिशत दर्ज की गई।

परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होकर शाम 5:15 बजे समाप्त हुई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने अभ्यर्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया। परीक्षा समाप्त होने के बाद 22 गोदाम सर्किल, परकोटा क्षेत्र के प्रमुख बाजारों तथा शहर के कई व्यस्त मार्गों पर परीक्षार्थियों और उनके परिजनों की भीड़ उमड़ने से यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए इस बार अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले थ्री-लेयर सिक्योरिटी जांच से

नीट परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश देने से पूर्व पुलिस ने उनकी गहनता से जांच की।

गुजरना पड़ा। जेएलएन मार्ग स्थित पोद्दार स्कूल सहित कई केंद्रों पर पुलिसकर्मियों ने मेटल डिटेक्टर की सहायता से अभ्यर्थियों के बालों तक की गहन जांच की। निर्धारित समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए और इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया गया। गांधी नगर स्थित केंद्रों पर अंतिम समय तक लाउडस्पीकर के माध्यम से अभ्यर्थियों को समय पर पहुंचने के निर्देश दिए जाते रहे।

- **जयपुर जिले में 103 परीक्षा केन्द्रों पर 37128 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 91.66 प्रतिशत उपस्थित हुए**

सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर राजस्थान पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान तैनात रहे। सीआरपीएफ की निगरानी में ही प्रश्न पत्र परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए गए। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर लगाए गए थे। वहीं एहतियात के तौर पर परीक्षा केंद्रों के आसपास संचालित साइबर कैफे और ई-मित्र केंद्रों की इंटरनेट सेवाएं भी बंद रखी गईं।

जिला कलेक्टर संदेश नायक ने स्वयं परीक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग करते हुए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल गांधी नगर, शहीद अभय कुमार पारीक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके अलावा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, 3 और 4, पोद्दार स्कूल, महात्मा गांधी स्कूल आदर्श नगर, मिंट के दोनों विद्यालय, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल तथा आदर्श स्कूल सिंधी कॉलोनी बनीपार्क सहित अन्य केंद्रों की भी लगातार निगरानी की गई।

नीट पुन: परीक्षा के नोडल प्रशासनिक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर के साथ 15 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया, जबकि 24 मोबाइल ड्यूटी मजिस्ट्रेट्स ने पुलिस, एनटीए अधिकारियों तथा चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग की टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर परीक्षा केंद्रों की सघन मॉनिटरिंग की।

जिला प्रशासन ने सभी केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं, जिससे अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने चौड़ा रास्ता स्थित सरकारी विद्यालय परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन और पुलिस की संयुक्त निगरानी में परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हुई।

मॉर्निंग वॉक पर निकली वृद्धा से चेन स्नैचिंग

जयपुर। मालवीय नगर थाना क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली एक बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन झपट कर ले जाने का मामला सामने आया है। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई गंगा सहाय ने बताया कि मालवीय नगर निवासी 74 वर्षीय उर्मिला अपनी दो सहेलियों के साथ सुबह टहलने निकली थीं। उषा कॉलोनी रोड पर वॉक के दौरान एक युवक हेलमेट लगाए अपनी बाइक के साथ खड़ा था। महिलाओं के वहां से आगे बढ़ने पर वह पैदल उनका पीछा करने लगा।कुछ दूरी पर पहुंचते ही बदमाश ने पीछे से झपट्टा मारकर उर्मिला के गले से सोने की चेन तोड़ ली। घटना के बाद महिला और उनकी सहेलियों ने शोर मचाते हुए बदमाश का पीछा भी किया, लेकिन आरोपी तेजी से अपनी बाइक स्टार्ट कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा बाइक सवार चेन स्नेचर की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

नसीराबाद में टैंकरों से अवैध रूप से गैस रीफिलिंग का खुलासा, पांच हिरासत में

दो टैंकर, एक मालवाहक वाहन और 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त, बड़े हादसे की आशंका टली

नसीराबाद पुलिस ने टैंकरों से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग मामले में पांच जनों को हिरासत में लिया।

- अधिकारियों ने जब गैस की जांच की तो पता चला कि टैंकरों में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपलीन गैस भरी हुई थी
- ज्वलनशील प्रोपलीन गैस को घरेलू, व्यावसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था

अजमेर, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र में पुलिस और रसद विभाग की संयुक्त कार्रवाई में टैंकरों से अवैध रूप से गैस रीफिलिंग किए जाने के बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि दो गैस टैंकर, एक मालवाहक वाहन तथा 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। मामले में रसद विभाग की ओर से सदर थाना में प्रकरण दर्ज कराया गया है और पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार सदर थाना पुलिस को रविवार को सूचना प्राप्त हुई कि झड़वासा गांव स्थित हरिओम होटल एवं रेस्टोरेंट के पास दो बड़े गैस टैंकर खड़े हैं तथा वहां 19 किलोग्राम क्षमता वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में गैस भरने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और रसद विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर जिला रसद अधिकारी नीरज जैन, रेणुका चतुर्वेदी, अतुल बढ़ाया तथा प्रकाश देवनानी भी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों गैस टैंकरों से बिना किसी वैधानिक माप-तौल व्यवस्था के सीधे व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में गैस भरी जा रही थी। अधिकारियों ने जब गैस की जांच की तो पता चला कि टैंकरों में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपलीन गैस भरी हुई थी, जिसे घरेलू और व्यावसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोपलीन गैस में किसी प्रकार की गंध नहीं होती है। ऐसे में गैस रिसाव होने पर आसपास मौजूद लोगों को इसकी जानकारी नहीं मिल पाती और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

कार्रवाई के दौरान मौके से एक मालवाहक वाहन और 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर भी बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों टैंकरों के चालकों सहित कुल पांच लोगों सर्वेश सिंह, मुनिवर खान, शिव प्रताप बिश्नोई, लक्ष्मण राम और सुभाष बिश्नोई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों गैस टैंकर मथुरा स्थित बॉटलिंग संयंत्र से रवाना होकर गुजरात के धूमाद क्षेत्र की ओर जा रहे थे। रास्ते में झड़वासा गांव के पास अवैध रूप से गैस निकालकर सिलेंडरों में भरी जा रही थी। रसद विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सदर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस अवैध कारोबार के पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा इससे पहले कितनी बार इस प्रकार गैस की अवैध रिफिलिंग की जा चुकी है। पुलिस और रसद विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गैस कारोबार करने वालों में हडकंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में तूफान ने तबाही मचाई

- बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती में मकान की छत ढही, एक मासूम घायल

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में बीती रात आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जहां तेज हवाओं के झोंके से एक गरीब परिवार के आशियाने की छत धराशायी हो गई। छत गिरने से भारी-भरकम पत्थर नीचे आ गिरे। गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त परिवार के सदस्य घर के बाहर खाना खा रहे थे, जिससे कई जानें बच गईं। हालांकि, इस मलबे की चपेट में आने से एक सात वर्षीय मासूम बच्ची का हाथ फ्रैक्चर हो गया है, जिसे परिजनों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

हादसे का मंजर बयां करते हुए पीड़ित निवासी सीमा बैरवा की आंखें भर आईं। उन्होंने बताया: मैं अपनी बच्ची के साथ कमरे के भीतर ही बैठी थी। अचानक कमरे की दीवारें हिलने लगीं। अनहोनी का अहसास होते ही मैं बच्ची को लेकर तुरंत बाहर की तरफ भागी। हमारे बाहर निकलते ही पूरी छत और दीवार भरभराकर गिर गई। अगर एक सेकंड की भी देरी होती, तो मैं और मेरी बच्ची जिंदा नहीं बचते। बड़े-बड़े पत्थर गिरते देख हम बुरी तरह सहम गए।

स्थानीय निवासी लीला ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बताया कि इस कॉलोनी में पिछले एक महीने के भीतर यह दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले भी एक मकान की दीवार ढह चुकी है। बारिश का मौसम शुरू हो चुका है, जिससे कच्ची बस्ती के जर्जर मकानों पर खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद अब तक प्रशासन का कोई भी अधिकारी मौका मुआयना करने नहीं पहुंचा है। बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती के निवासियों में प्रशासन के खिलाफ गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि वे लंबे समय से अपने आशियाने को सुरक्षित करने के लिए जमीन के पट्टे की मांग कर रहे हैं। कई बार लिखित और मौखिक रूप से जिला प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन हर बार उनकी मांग को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अब मानसून की दस्तक के साथ ही पूरी बस्ती डर के साए में जीने को मजबूर है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही प्रशासन ने सुध नहीं ली, तो यहां कभी भी कोई बड़ा जनहानि का शिकार हो सकता है।

खेत में चारा काटते समय किसान की मौत

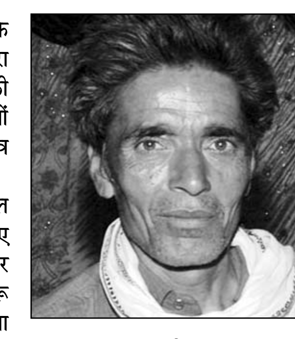

मृतक किसान

- करंट लगने की आशंका के चलते मामला दर्ज

टोंक, (निसं)। घाड थाना क्षेत्र के चारनेंट गांव में रविवार को खेत पर चारा काटते समय 47 साल के किसान की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक भंवरलाल वैष्णव दर्रा बालाजी मंदिर के पुजारी थे।

परिजनों ने बताया कि भंवरलाल सुबह अपने खेत पर मवेशियों के लिए चारा काट रहे थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की और उन्हें खेत पर अचेत अवस्था में पाया। ग्रामीणों की मदद से उन्हें घाड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से दूनी रेफर कर दिया गया। दूनी अस्पताल में डॉ. सुरेश मीणा ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि भंवर लाल जिस स्थान पर चारा काट रहे थे, वहां बिजली विभाग का कृषि कनेक्शन का तार नीचे झूल रहा था। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि उनकी मौत करंट लगने से हुई है। सूचना मिलने पर घाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दूनी अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया। पंचनामा तैयार कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

चार युवकों पर नाबालिग लड़की से गैंगरेप का आरोप

- घर पर सो रही नाबालिग बालिका को उठाकर खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया
- शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर की जांच शुरू

किशनगढ़ बास, (निसं)। थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को रात में घर से जबरन उठाकर खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप गांव के ही चार युवकों पर है। पुलिस ने पीड़िता की दादी की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता बुजुर्ग महिला ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे की मौत के बाद दूसरा बेटा अस्थियां विसर्जन के लिए गंगा जी गया था। 20 जून की रात घर पर वे, पुत्रवधू और 16 वर्षीय पोती थीं। रात करीब 12 बजे गांव के ही मुजाहिद और उसका चाचा मोहम्मद दीवार फांदकर घर में घुस आए और सो रही नाबालिग को मुंह दबाकर जबरन उठा ले गए। आरोप है पीड़िता को पास के खेत में ले जाया गया, जहां पहले से दो अन्य युवक मौजूद थे। इनमें से एक की पहचान आबिद के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान अभी नहीं हो पाई है। आरोप है कि चारों आरोपियों ने नाबालिग के साथ मारपीट की, धमकी दी और सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता 21 जून को सुबह करीब 4 बजे रोती हुई घर पहुंची और दादी को आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

डीएसपी लालसिंह यादव ने बताया कि दलित नाबालिग बालिका के साथ गैंगरेप का मामला थाना किशनगढ़ बास में दर्ज हुआ है। बालिका का चिकित्सकों द्वारा मेडिकल करवाया गया है तथा मामले में जांच प्रारम्भ कर दी है।

हादसे में तीन युवक घायल

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बर्ड सेंचुरी रिंग रोड पर एक कार और तेज रफ्तार बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया।

यह दुर्घटना शनिवार देर रात इंडस्ट्रियल एरिया मोड़ के पास बर्ड सेंचुरी मोड़ पर हुई। तेज रफ्तार पावर बाइक और कार की जोरदार टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। उन्हें हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक लोलकपुर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में तीन दिन में दूसरी प्रसूता की मौत

- सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता की किडनी फेल हुई थी जो वेंटीलेटर पर थी

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में रविवार को तीन दिनों के भीतर दूसरी प्रसूता की मौत हो गई। हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता शारदा (26) वेंटीलेटर पर थी, जिसने रविवार शाम को दम तोड़ दिया। इससे पहले तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार को प्रसूता प्रीति की मौत हो गई थी। हॉस्पिटल में बीते एक महीने के भीतर सिजेरियन डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। हालांकि इनमें से 2 महिलाओं को तबीयत में सुधार होने पर छुट्टी दे दी गई थी।

जानकारी के अनुसार, शारदा को प्रसव के बाद से ही गंभीर हालत में पीबीएम अस्पताल में भर्ती कर वेंटीलेटर पर रखा गया था। पिछले कई दिनों से उसकी हालत गंभीर थी। डॉक्टर्स के अनुसार, उसकी प्लेटलेट्स लगातार कम हो रही थीं और शरीर में ऑक्सीजन का स्तर भी गिर गया था। शनिवार को उसकी तबीयत अधिक बिगड़ने पर डॉक्टरों ने गले में नली डालकर उसे अतिरिक्त ऑक्सीजन सपोर्ट दिया था। इसके बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और रविवार शाम करीब छह बजे उसने दम तोड़ दिया।

पीबीएम अस्पताल में प्रसूताओं की किडनी और अन्य अंग प्रभावित होने के मामले को लेकर पहले से ही जांच चल रही है। इस प्रकरण में पहले प्रीति की मौत हो चुकी है, जो करीब 20 दिनों तक वेंटीलेटर पर रही थी। उसके लीवर और किडनी पर भी गंभीर असर पड़ा था। मामले को लेकर हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से जांच जारी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया के अनुसार, मरीजों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास किए गए थे, लेकिन प्रथम दृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है। किडनी के बाद अन्य अंगों ने भी काम करना बंद कर दिया। इस कारण महिला को ऑक्सीजन सपोर्ट देने की कोशिश की जा रही थी। हालांकि मामले में मृतका के परिजनों ने घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बांध में डूबने से किशोर की मौत

टोंक, (निसं)। निवाई उपखण्ड में स्थित भगवान देवनारायण मंदिर जोधपुरिया के पीछे स्थित मांशी बांध में 16 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रतापपुरा निवासी चेतन पुत्र राधेश्याम मीणा के रूप में हुई है, जो 12वीं कक्षा का छात्र था।

निवाई सदर थाना प्रभारी हरिमन मीणा ने बताया कि चेतन रविवार दोपहर करीब 12 बजे अपने साथी अभिषेक के साथ देवधाम जोधपुरिया आया था। दोनों मांशी बांध में नहा रहे थे, इसी दौरान चेतन की एक चप्पल पानी में बह गई। उसे निकालने के प्रयास में वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दूसरे घाट पर नहा रहे कुछ श्रद्धालुओं ने चेतन को पानी से बाहर निकाला। उसे तत्काल राजकीय उप जिला अस्पताल निवाई ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पाली में बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते लेखा सहायक ट्रैप

जयपुर/पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए पाली जिले के रोहट स्थित ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) कार्यालय में कार्यरत लेखा सहायक (संविदाकर्मी) को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में बीसीएमओ की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिसके बाद उनके आवास पर तलाशी ली गई, लेकिन कार्रवाई की भनक लगने पर वे फरार हो गए। एसीबी उनकी तलाश में जुटी हुई है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि रविवार को एसीबी पाली द्वितीय टीम ने यह कार्रवाई की। जहां एसीबी चौकी पाली द्वितीय को शिकायत मिली थी कि परिवादी की ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय रोहट में टेंडर के माध्यम से लगी वाहन सेवा को लगातार संचालित रखने तथा अप्रैल से जून माह तक के लंबित बिलों को पास करवाने की एवज में कार्यालय के लेखा सहायक (संविदाकर्मी) देवकीनन्दन शर्मा बीस हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी पाली द्वितीय के प्रभारी (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) देरावर सिंह एवं उनकी टीम ने ट्रैप की योजना बनाई और रविवार को कार्रवाई करते हुए लेखा सहायक (संविदाकर्मी) देवकीनन्दन शर्मा को परिवादी से बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

एसीबी के अनुसार आरोपित लेखा सहायक (संविदाकर्मी) ने रिश्वत की राशि प्राप्त करने के बाद उसे ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की नई इमारत की प्रथम मंजिल पर रखी एक लकड़ी की दराज में छिपा दिया था। एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त राशि बरामद कर ली। वहीं जांच के दौरान बीसीएमओ डॉ. हार्दिक राजपुरोहित की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। इस पर एसीबी जोधपुर शहर इकाई के प्रभारी किशन सिंह (उप अधीक्षक पुलिस) के नेतृत्व में उनके आवास पर तलाशी ली गई। हालांकि कार्रवाई की जानकारी मिलने पर डॉ. राजपुरोहित फरार हो गए। एसीबी ने उनकी तलाश शुरू कर दी है।

बेटे को बचाने डिग्गी में कूदी मां, दोनों की मौत

बालोतरा, (निसं)। धोरीमन्ना क्षेत्र के स्वामियों की बेरी गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। पानी से भरी डिग्गी में डूबने से मां और उसके मासूम बेटे की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छह वर्षीय बालक अपने ननिहाल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मां के साथ आया हुआ था। खेलते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह पानी से भरी डिग्गी में जा गिरा। बेटे को डूबता देख 32 वर्षीय मां उसे बचाने के लिए तुरंत डिग्गी में कूद गई, लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सके और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों और सिविल डिफेंस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मां-बेटे के शव डिग्गी से बाहर निकाले। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों शवों को धोरीमन्ना उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। यह हादसा धोरीमन्ना क्षेत्र के स्वामियों की बेरी गांव में हुआ, जहां शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं।

मुख्यमंत्री ने देवास परियोजना का हवाई निरीक्षण किया

सीएम भजनलाल शर्मा ने देवास-3 एवं 4 पेयजल परियोजना का हवाई सर्वे किया।

- सीएम भजनलाल शर्मा ने परियोजना के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के अनुरूप किए जाने के दिए निर्देश

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उदयपुर की महत्वाकांक्षी देवास-3 एवं 4 पेयजल परियोजना का हवाई निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन देवास-3 एवं देवास-4 बांधों के डैम एक्सिस तथा टनल-3 के एडिट 3.15 किमी, 5.325 किमी एवं 9.10 किमी सहित विभिन्न निर्माण स्थलों एवं कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने हवाई निरीक्षण के दौरान परियोजना की वर्तमान प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के अनुरूप तेज गति से पूर्ण किए जाएं, जिससे उदयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों की वर्तमान एवं भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने परियोजना के अंतर्गत बांध निर्माण, टनल निर्माण, अन्य प्रमुख निर्माण कार्यों एवं पुनर्वास संबंधी विभिन्न कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।

कठूमर के खेतों में काम कर रहे किसानों पर पैंथर का हमला, दो जने घायल

दोनों घायल किसानों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है

धौलागढ़ थाना पुलिस, वन विभाग के एसीएफ, रेंजर और सरिस्का टाइगर रिजर्व की विशेष रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और पैंथर को पकड़ने के प्रयास शुरु किये।

- किसानों पर हमला करने के बाद पैंथर भागकर पास ही मौजूद एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया
- पेड़ पर डेरा जमाए बैठा है पैंथर, आसपास के गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए

अलवर, (निसं)। कठूमर के बल्लूपुरा रामगढ़ गांव में रोज की तरह रविवार सुबह भी किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे। इसी दौरान वहां छिपे बैठे एक पैंथर ने अचानक किसानों पर हमला बोल दिया। पैंथर के इस अचानक हमले से खेत में काम कर रहे चतर पुत्र निहाल सिंह यादव और बबली पुत्र बाबूलाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के खेतों से दूसरे किसान दौड़े, तो पैंथर वहां से भाग निकला। दोनों घायल किसानों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है।

किसानों पर हमला करने के बाद पैंथर भागकर पास ही मौजूद एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया। वह पिछले कई घंटों से उसी पेड़ पर डेरा जमाए बैठा है। जैसे ही गांव में पैंथर के आने और पेड़ पर बैठने की खबर फैली, पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते आसपास के कई गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। लोगों के मन में पैंथर को लेकर जहां एक तरफ भारी दहशत है, वहीं उसे करीब से देखने का कौतूहल भी बना हुआ है। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए धौलागढ़ थाना पुलिस, वन विभाग के एसीएफ, रेंजर और सरिस्का टाइगर रिजर्व की विशेष रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। पैंथर को सुरक्षित पकड़ने के लिए एक्सपर्ट्स और ट्रेंकुलाइज (बेहोश करने वाली) टीम भी तैनात है। वन विभाग के आला अधिकारी लगातार पेड़ पर बैठे पैंथर की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं और उसे बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित रेस्क्यू करने का प्लान बना रहे हैं। वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने मौके पर मौजूद भारी भीड़ को देखते हुए ग्रामीणों से पेड़ के पास न जाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सख्त अपील की है।

अधिकारियों का कहना है कि भीड़ के शोर से पैंथर आक्रामक हो सकता है। इस घटना के बाद से बल्लूपुरा रामगढ़ और आसपास के इलाकों के किसानों व पशुपालकों में डर का माहौल है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आबादी क्षेत्रों में सरिस्का से आने वाले वन्यजीवों की एंट्री रोकने के लिए वन विभाग नियमित गश्त बढ़ाए। फिलहाल पैंथर को काबू में करने की कोशिश लगातार जारी है। देर शाम तक पैंथर पेड ही बैठा रहा।

डूंगरपुर के तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत

- दोनों बकरियां चराने के लिए गई थीं और तालाब में नहाने उतर गई थीं

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के मांडवा में रविवार को तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत हो गई। दोनों बकरियां चराने के लिए गई थीं और तालाब में नहाने उतर गई थीं।

पुलिस के अनुसार यह घटना मांडवा में काली बाई पैनोरमा के सामने स्थित तालाब पर हुई। गर्मी अधिक होने के कारण दोनों बहनें तालाब के एक गड्ढे में भरे पानी में नहाने के लिए उतरी थीं। इसी दौरान वे गहरे पानी में डूब गईं। मृतक बच्चियों की पहचान मांडवा निवासी 12 वर्षीय उषा कोटेड के रूप में हुई है, जो 8वीं कक्षा में पढ़ती थी। दूसरी बच्ची 12 वर्षीय नयना कोटेड पुत्री दशरथ कोटेड थी, जो 7वीं कक्षा की छात्रा थी। दोनों चचेरी बहनें थीं। घटना को देखकर गांव का एक युवक दौड़कर मौके पर पहुंचा और दोनों बच्चियों को पानी से बाहर निकाला। गांव के अन्य लोग भी मौके पर जमा हो गए और तत्काल दोनों को डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों बच्चियों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऊषा और नयना दोनों के पिता ड्राइवर है और गाड़ी चलाते है। नयना के 4 भाई-बहन है। वहीं उषा के 6 भाई-बहन हैं।

राजस्थान समेत कई कई राज्यों में वाहन चुराने वाली गैंग का पर्दाफाश

गिरोह का मुख्य सरगना घेवरचंद गुर्जर पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद से फरार था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । बनी पार्क थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय चौपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उसके मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर चोरी की एक क्रेटा कार बरामद की है। आरोपी पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फरार चल रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह राजस्थान सहित कई राज्यों में दो दर्जन से अधिक वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि बनी पार्क थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय चौपहिया वाहन चोर गिरोह के मुख्य

सरगना मुख्य सरगना घेवरचंद गुर्जर उर्फ अभिषेक निवासी भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है।

इस मामले में पूर्व में मनीष सोलंकी उर्फ बंशी और शोएब मोहम्मद कुरैशी को गिरफ्तार किया था। उनकी निशानदेही पर दो चोरी के

- **पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की क्रेटा कार भी बरामद की**
- **गैंग ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र में कई वारदातों को अंजाम देना कबूल किया**

वाहन बरामद किए गए। जहां पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का मुख्य सरगना घेवरचंद गुर्जर उर्फ अभिषेक निवासी भीलवाड़ा है, जो चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त और पूरे नेटवर्क का संचालन करता था। पुलिस ने उसकी तलाश कर गिरफ्तार किया तथा उसके कब्जे से करणी विहार थाना क्षेत्र से चोरी की गई एक क्रेटा कार बरामद की।

जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह के सदस्य पहले महंगी गाड़ियों की रैकी करते थे। इसके बाद विशेष तकनीक और उपकरणों की मदद से बिना शोर किए वाहन के शीशे को नुकसान पहुंचा कर वाहन में प्रवेश करते और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के जरिए चाबी को कोडिंग कर वाहन चोरी कर लेते थे। गिरोह के सदस्य चोरी के वाहनों को अन्य राज्यों में बेच देते थे।

पुलिस के अनुसार आरोपी घेवरचंद गुर्जर वर्ष 2020 के एक पॉक्सो मामले में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा काट रहा था। वर्ष 2024 में 14 दिन की पैरोल पर बाहर आने के बाद वह फरार हो गया था। उसके खिलाफ हत्या, लूट, वाहन चोरी, पॉक्सो और अन्य गंभीर अपराधों सहित कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस का कहना है कि गिरोह ने जयपुर के करधनी, चित्रकूट, करणी विहार, श्याम नगर, मानसरोवर, विधायकपुरी और बनीपार्क सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों के अलावा राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र में भी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में उमड़ी पर्यटकों की भीड़

रविवार को 5324 सैलानियों ने किया वन्यजीवों का दीदार

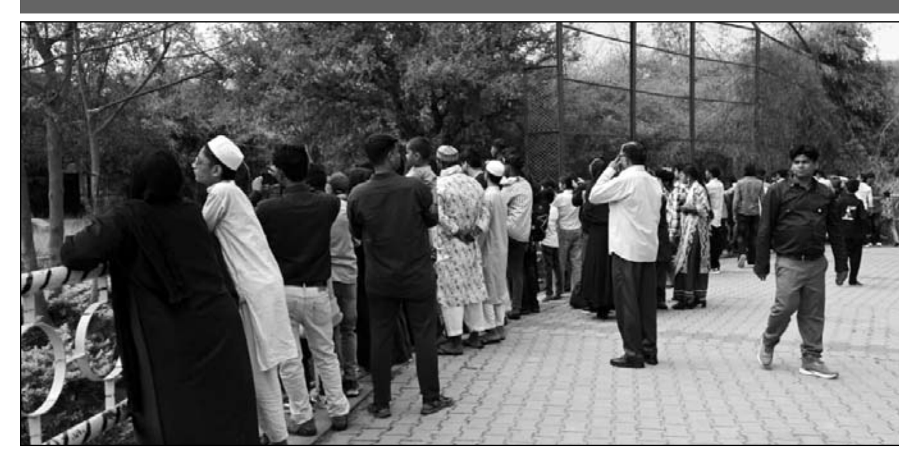

सुहावने मौसम और अवकाश के चलते रविवार को नाहरगढ़ जैविक उद्यान में पर्यटकों की भीड़ उमड़ी।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सुहावने मौसम और अवकाश के चलते रविवार को नाहरगढ़ जैविक उद्यान में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी। दिनभर में कुल 5,324 पर्यटकों ने जैविक उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों का नजदीक से दीदार किया। इस दौरान सिंह सफारी और बाघ सफारी पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण बनी रहीं।

उद्यान प्रशासन के अनुसार 261 से अधिक पर्यटकों ने सिंह एवं बाघ सफारी का रोमांचक अनुभव लिया। विशेष रूप से राजस्थान की पहली श्वेत बाघ सफारी में श्वेत बाघ 'भीम' और उसकी स्वर्णिम रंग की बहन 'स्कंधी' को देखकर पर्यटक रोमांचित नजर आए। दोनों बाघों की अठखेलियों और चंचल गतिविधियों ने सैलानियों का मन मोह लिया। बाघों की गर्जना और सिंहों की शाही मौजूदगी ने सफारी के रोमांच को और बढ़ा दिया।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में संचालित बाघ सफारी और सिंह सफारी इन दिनों जयपुर सहित देशभर से आने वाले पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। प्राकृतिक हरियाली और वन्यजीवों के बीच सफारी का अनुभव लोगों को रोमांच के साथ प्रकृति से जुड़ने का अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है।

उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं और प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सहायक वन संरक्षक देवेंद्र सिंह राठौड़ तथा वन क्षेत्राधिकारी शुभम शर्मा ने रविवार को सफारियों की सघन निगरानी कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पर्यटन प्रबंधन दल ने टिकट व्यवस्था, सफारी संचालन, भीड़ नियंत्रण, वाहन संचालन और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखा। सहायक वन संरक्षक देवेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि श्वेत बाघ भीम और स्वर्णिम बाघिन स्कंधी को हाल ही में बाघ सफारी क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया है। पर्यटकों को बेहतर दर्शन उपलब्ध कराने के लिए दोनों को अलग-अलग समय पर सफारी क्षेत्र में छोड़ा जा रहा है। पूर्व में इनकी गतिविधियां जैविक उद्यान परिसर में ही देखी जाती थीं, लेकिन अब ये बाघ सफारी का प्रमुख आकर्षण बन गए हैं। वन विभाग की सतत निगरानी और प्रभावी प्रबंधन के चलते नाहरगढ़ जैविक उद्यान राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शामिल हो चुका है। यह पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीवों के प्रति जागरूकता और मनोरंजन का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है।

रेलवे अस्पताल की पार्किंग से "बुलेट" चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। सदर थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के एक मामले में 19 वर्षीय शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की दो रॉयल एनफील्ड (बुलेट) मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी के खिलाफ जयपुर शहर के विभिन्न थानों में पहले से आधा दर्जन वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 29 मई को रेलवे अस्पताल की पार्किंग से चोरी हुई रॉयल एनफील्ड बुलेट के संबंध में सदर थाने में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त धर्मवीर सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी बृजमोहन कविया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

जांच के दौरान पुलिस ने पाथा कुमार उर्फ बिट्टू उर्फ परमेश (19) निवासी पुराना फुलेरा जयपुर ग्रामीण को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने रेलवे अस्पताल पार्किंग से बुलेट चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई बुलेट सहित एक अन्य चोरी की रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल भी बरामद

की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दोपहिया वाहनों की पार्किंग और आसपास निगरानी रखता था तथा मौका मिलते ही मास्टर-की की मदद से वाहन चोरी कर फरार हो जाता था। आरोपी पहले भी कई बार बाल सुधार गृह भेजा जा चुका है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल बाबूलाल, कांस्टेबल ईश्वर सिंह, इंद्राज मल और महेंद्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन की समग्र पद्धति : श्रेया गुहा

जयपुर । हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान में 12वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस रविवार को उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान महानिदेशक एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (प्रशिक्षण) श्रेया गुहा ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षु अधिकारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। गुहा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धित है यह तनावमुक्त जीवनशैली और आध्यात्मिक उन्नित का आधार है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आ ान किया। इस वर्ष की योग दिवस थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन के लिए योग की महत्ता बताई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संदेश का लाइव प्रसारण भी किया गया । इसके पश्चात नेहरू बाल उद्यान में योगाचार्य निशा वी. सिंह के निर्देशन में

आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया गया, जिसमें 300 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के अतिरिक्त महानिदेशक शाहीन अली खान, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. प्रभा व्यास, अतिरिक्त निदेशक (लेखा) ओंकारमल राजोतिया, योगिता गोयल, सतीश कुमार, उपनिदेशक (प्रशासन) शिप्रा शर्मा मौजूद थे।

रसोई का लोकार्पण

जयपुर। श्री शुकदेव दास निम्बार्क संत आश्रम नायला में रविवार को नव निर्मित विशाल रसोई हॉल का लोकार्पण आश्रम के महंत सर्वेश्वर शरण महाराज ने किया। उद्योगपति जुगल किशोर डेरे वाला एवं महेंद्र डेरेवाला द्वारा 26 लाख रुपए की लागत से बनाये गए इस रसोई भवन में एक साथ 150 से ज्यादा श्रद्धालु भोजन कर सकेंगे। लोकार्पण से पूर्व सभी अतिथियों और वैष्णवों का आश्रम के महंत सर्वेश्वर शरण महाराज ने स्वागत किया। अशोक शर्मा, गणेश अग्रवाल और मुकेश मोदी तीनों सिविल इंजीनियर का सम्मान भी किया गया।

सार-समाचार

विद्युत उत्पादन निगम का योग सत्र

जयपुर । 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सुबह 7 से 8 बजे तक राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के जयपुर स्थित कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए जीवनदीप भवन लालकोठी, जयपुर में योगाभ्यास सत्र आयोजित हुआ। योगाभ्यास सत्र में उत्पादन निगम के महिला एवं पुरुष कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाओं का अभ्यास किया। 2 अनुभवी योग प्रशिक्षकों पूर्वा राणावत और सुहानी जैन द्वारा सभी कर्मचारियों को दैनिक जीवन में स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण योगासन और प्राणायाम करवाया। योग प्रशिक्षिका पूर्वा राणावत ने योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के संबंध में जानकारी प्रदान की। योगाभ्यास सत्र में उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी, निदेशक प्रोजेक्ट के.एल.मीणा, मुख्य अभियंता सिविल संजीव चौधरी सहित काफी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नौगांवा की बीना देवी को मिला ऋण

जयपुर । कोविड लॉकडाउन के कारण रेहडी, ठेले लगाकर सामान बेचने वाले ज्यादातर लोगों के पास पूंजी नहीं बची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसे लोगों को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पीएम स्वनिधि योजना शुरू की लेकिन इसके जबर्दस्त फायदों को देखते हुए इसे लगातार जारी रखा। नौगांवा की बीना देवी ने टीवी में इस योजना के लाभार्थियों की सफलता की कहानी देखी-सुनी थी। वह भी अपने रोजगार को विस्तार देने के लिए लोन लेना चाहती थी लेकिन शुरू में इतना सा ही लोन लेना चाहती थी कि व्यवस्थित रूप से व्यापार बढ़े और फालतू नगदी न पड़ी रहे, अन्यथा बच्चों द्वारा मौजमस्ती में पैसा उडाने का डर था। शुक्रवार को नौगांवा में लगे शहरी सेवा शिविर में बीना देवी को शिविर प्रभारी ने बताया कि उसका नाम पीएम स्वनिधि की पात्रता सूची और सर्वे में है और उसकी आवश्यकता पूरी करने के लिए यही योजना बेस्ट रहेगी। इस पर बीना देवी ने इस योजना में लोन का आवदेन किया और तत्काल औपचारिकताएं पूर्ण कर उसे 15 हजार रूपये लोन की राशि का चेक सौंपा गया। बीना देवी को बताया गया कि समय पर किश्त चुकायेगी तो केवल 7 प्रतिशत वार्षिक दर ब्याज लगेगा। डिजिटल लेनदेन पर मासिक कैशबैक भी मिलेगा।

ब्लैक फिल्म-हूटर और फर्जी नंबर प्लेट वालों पर चला पुलिस का डंडा

जयपुर। सड़क पर मनमानी अब महंगी पड़ रही है। राजस्थान पुलिस के विशेष यातायात अभियान ने ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों पर ऐसी लगाम कसी कि मात्र 17 दिनों में 1 लाख 37 हजार 116 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई दर्ज की गई। सबसे ज्यादा निशाना उन वाहन चालकों पर रहा, जिन्होंने अपने वाहनों के शीशों पर अवैध ब्लैक फिल्म लगाई हुई थी।

पुलिस महानिदेशक यातायात अनिल पालीवाल ने बताया कि 4 जून से 20 जून तक पूरे प्रदेश में एक साथ विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि सडक सुरक्षा को मजबूत बनाना और दुर्घटनाओं की आशंका कम करना रहा।

डीजी ट्रैफिक पालीवाल ने बताया कि अभियान के दौरान 51 हजार 457 वाहनों से ब्लैक फिल्म हटवा कर कार्रवाई की गई। वहीं 35 हजार 206 वाहनों पर नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, 19 हजार 062 वाहनों पर अनधिकृत शब्द व चिन्ह, 13 हजार 597 वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशन, 10 हजार 318 वाहनों पर लाल-नीली बत्ती एवं फ्लैशर और 7 हजार 476 वाहनों पर प्रेशर हॉर्न के इस्तेमाल को लेकर कार्रवाई की गई।

- **मात्र 17 दिनों में 1 लाख 37 हजार 116 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई**

आंकडे के अनुसार पुलिस ने ट्रैफिक नियमों के लगभग हर प्रमुख उल्लंघन पर समान रूप से सख्ती दिखाई।

इस अभियान के दौरान शनिवार 20 जून को भी कार्रवाई की रफ्तार कम नहीं हुई। एक ही दिन में 5 हजार 955 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई दर्ज की गई। सबसे अधिक 2 हजार 151 वाहन ब्लैक फिल्म के कारण पकडे गए, जबकि 1 हजार 469 वाहन नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, 938 अनधिकृत लेखन, 611 अवैध मॉडिफिकेशन, 455 लाल-नीली बत्ती तथा 331 प्रेशर हॉर्न के मामलों में कार्रवाई के दायरे में आए। जिलेवार प्रदर्शन में जयपुर पश्चिम ने सबसे अधिक 530 कार्रवाई कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद जयपुर ग्रामीण 362, जयपुर यातायात 344 और चित्तौड़गढ़ 264 प्रमुख रहे। इससे स्पष्ट है कि अभियान केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे प्रदेश में एक समान प्रभावी ढंग से लागू किया गया।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में बारिश जारी

मौसम विभाग ने 24 जून तक 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया

जयपुर । पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है। रविवार को जयपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। झुंझुनूं में सर्वाधिक 34 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने आगामी 24 जून तक राज्य के 12 जिलों में मेघगर्जन, आंधी और बारिश की संभावना जताते हुए सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को जयपुर, पिलानी, कोटा, चूरू, श्रीगंगानगर, झुंझुनूं, संगरिया और दौसा सहित विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा दर्ज की गई। बारिश के साथ कई स्थानों पर तेज हवाएं भी चलीं। इसके बावजूद श्रीगंगानगर सहित चार शहरों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना रहा, जबकि तीन शहरों में रात का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर में दर्ज किया गया, जबकि संगरिया में न्यूनतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रहा। जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर में भी दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड किया गया। वहीं जोधपुर और पाली में भी रात का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में 22 से 24 जून तक मेघगर्जन के साथ आंधी और वर्षा की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। हालांकि दक्षिणी राजस्थान के कुछ

राजधानी में रविवार सुबह मानसून पूर्व की तेज बारिश हुई, इससे केडिया पैलेस रोड पर पानी भरने से वाहन चालकों को भारी परेशानी हुई।

क्षेत्रों में आगामी दिनों में वर्षा की गतिविधियों में कमी आ सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। शनिवार को राज्य में सर्वाधिक 62 मिलीमीटर वर्षा बारां जिले के अटरू में रिकॉर्ड की गई। वहीं सीकर में न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।

राजधानी जयपुर में रविवार सुबह घने बादल छाए रहे और लगभग एक घंटे तक रुक-रुक कर तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। दोपहर बाद बादलों के बीच धूप निकलने से उमस बढ़ गई, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के प्रभाव से जयपुर के अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। शहर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष को लेकर जेडीसी ने 24 जून को बुलाई बैठक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण में बाढ़ नियंत्रण कक्ष के नाम पर हो रही इंजीनियर्स की मनमानी को जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने गंभीरता से लिया है। सूत्रों का कहना है कि इस मसले पर अब 24 जून को बैठक बुलाई है। बैठक में बाढ़ नियंत्रण के नाम पर दोहरे स्तर पर संसाधन जुटाने पर चर्चा की जाएगी।

ज्ञात रहे कि महाजन ने सख्त आदेश दिए थे कि इस बार बाढ़ नियंत्रण कक्ष खोलने का काम केन्द्रीय स्तर पर होगा जो मुख्यालय के स्तर पर खुलेगा। हर बार की तरह एक नियंत्रण कक्ष बनीपार्क में फायर स्टेशन में होगा, जबकि दूसरे आठ अलग अलग जोन में खुलेंगे। इनमें काम आने वाले सामान मड पंप, मिट्टी के कट्टे, जेसीबी, ट्रेक्टर ट्राली, पानी निकालने वाले पंप आदि होंगे। किसी भी जोन में कोई पानी भरने

- **जेडीए में इस बार बाढ़ नियंत्रण कक्ष खोलने का काम केन्द्रीय स्तर पर होना था, इसके बावजूद कुछ इंजीनियर्स ने जोन वाइज किए थे टैंडर**

या अन्य समस्या आती है जो मुख्यालय के एसई, और एक्सईएन डिमांड पूरा करेंगे। कोई भी जोन अपने स्तर पर अलग से टेंडर कर खरीद नहीं करेगा।

सूत्रों का कहना है कि, जेडीसी के इन आदेशों की विभिन्न जोन अवहेलना कर रहे हैं। जोन के इंजीनियर अपने-अपने क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण के इंतजाम के लिए अलग से टैंडर निकाल रहे हैं। जोन 11 का है जिसमें बाढ़ नियंत्रण के काम के लिए 24 लाख रुपए का टेंडर निकाला है। इसी तरह पीआरएन, जोन 12, जोन 7 में गली निकाल ली है। इन जोनों में पेचवर्क के काम में मड पंप, डीजल पंप, ट्रेक्टर ट्राली, जेसीबी, वेक्यूम डी वाटरिंग पंप को शामिल कर लिया है।

अलग से बैठक कर चर्चा करेंगे

पीडब्लूसी की बैठक के दौरान जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि उन्होंने जयपुर में बाढ़ नियंत्रण कक्ष के नाम पर दोहरे संसाधन जुटाने के लिए उनके पास विभिन्न जोनों से टेंडर मंजूर करने की फाइलें आ रही है। ऐसे में जोन भी वहीं काम करेगे जो जेडीए का बाढ नियंत्रण कक्ष करेगा तो डबलिंग हो जाएगी। बैठक में मौजूद कुछ इंजीनियर्स ने बाढ़ नियंत्रण कक्ष में समय पर संसाधन नहीं होने या लंबे समय तक संसाधन नहीं मिलने की बात कही। इस पर जेडीसी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चर्चा के लिए अलग से 24 जून को बैठक बुलाना तय किया।

अलग टैंडर तो दरें भी भिन्न आएंगी

जयपुर के विभिन्न जोन बाढ़ नियंत्रण के नाम पर जो संसाधनों की एनआईटी जारी कर रहे हैं उनकी रेटों में अंतर आएगा। कही पर ज्यादा तो कही कम रेट आएगी। इसके साथ ही मुख्यालय स्तर पर जो टेंडर किया है उनमें सबसे कम दर आ सकती है क्योंकि वहां बल्क में संसाधन जुटाएंगे। ऐसे में यह माना जा रहा है कि सभी जोन अपनी अपनी जरूरत बता दें। उसी के अनुसार संसाधन भी जुटा लेंगे और रेटों में भी अंतर नहीं आएगा।

तनाव को मात देने और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए पुलिस बेड़े ने सीखा योग का मंत्र

जयपुर । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर राजस्थान पुलिस के जवानों और अधिकारियों ने रविवार सुबह सामूहिक योग साधना कर मानसिक सुदृढ़ता और निरोगी काया का संदेश दिया। जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी के विशाल प्रांगण में सुबह ठीक 7 बजे विशेष योग समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस राज्य स्तरीय पुलिस योगोत्सव के मुख्य अतिथि राजस्थान के महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति में पूरे पुलिस महकमे ने योग की विभिन्न विधाओं को आत्मसात किया।

समारोह में डीजीपी शर्मा ने कहा कि पुलिस की नौकरी बेहद चुनौतीपूर्ण और अत्यधिक मानसिक तनाव से भरी होती है। ऐसे में सभी साथियों के लिए अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के लिए कोई न कोई फिजिकल एक्टिविटी बहुत आवश्यक है। योग एक ऐसी अनुपम पद्धित है जिसे किसी भी समय और किसी भी स्थान पर बिना किसी

महंगे उपकरण के आसानी से किया जा सकता है। यदि हमारे जवान दिन-प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, तो इससे न केवल उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, बल्कि चुनौतीपूर्ण ड्यूटियों को निभाने की उनकी कार्यक्षमता में भी जबरदस्त इजाफा होगा। राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा आयोजित इस विशेष शिविर में पुलिस महकमे की विभिन्न महत्वपूर्ण विंग्स का अनूठा समन्वय देखने को मिला। योग के इस महा-अनुष्ठान में पुलिस मुख्यालय, राजस्थान पुलिस अकादमी, फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री तथा इंटेलिजेंस ट्रेनिंग अकादमी के अधिकारियों, सदस्यों और प्रशिक्षणार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

ARBiT it happens here...

World Rainforest Day

The rainforests are keeping our planet alive. They're home to half the world's animal species, they provide us with freshwater, and are essential for keeping our climate stable. Yet every second, one and a half hectares is lost, while each year, 78 million hectares of precious rainforest are destroyed. As more and more rainforest is removed, the surrounding wildlife habitats and homes of indigenous people are also more significantly disrupted. That's why World Rainforest Day has been created to take decisive action to combat deforestation, reduce the effects of climate change, and protect our rainforests for future generations.

राष्ट्रदूत
MONDAY
22 June 2026
A-B

#TIGER MARKINGS

False Eyes For Display

White spots on the back of tigers' ears are constant visual guides for cubs and warning displays

Tigers possess a striking pair of white spots on the backs of their ears, commonly known as o'kelly or "false eyes." These markings are a distinctive and purposeful feature found across all tiger subspecies. Far from being decorative, these white spots function as constant visual signals, playing a crucial role in communication, tension signaling, and survival.

Structure and Visibility of Ear O'kelly

Each tiger ear displays a bold white oval set against a dark black background. This high-contrast design ensures visibility even in dense forest, tall grass, or low-light conditions. The spots remain clearly visible from behind, regardless of whether the tiger is moving or stationary, making them an ever-present visual cue to other animals.

Constant Visual Guide for Cubs

One of the most important functions of the white ear spots is to act as a visual guide for tiger cubs. When cubs follow their mother through thick vegetation, the white spots provide a clear focal point to track her movements. This constant visual marker reduces the risk of cubs becoming separated and enhances group cohesion during travel and hunting.

Warning Displays and Tension Signaling

The ear spots also play a critical role in warning displays and the signaling of tension. When a tiger feels threatened, irritated, or defensive, it often flattens or swivels its ears backward. This movement prominently displays the white spots, instantly signaling aggression or discomfort to rivals, predators, or intruding tigers. In confrontational situations, the sudden emphasis of these bright markings serves as a non-verbal warning, a visual cue that escalation may follow. This allows conflicts to be resolved without immediate physical combat, conserving energy and reducing injury.

Communication Between Tigers

Tigers are largely solitary animals, but visual communication remains essential when territories overlap. The white ear spots help convey mood and intent at a distance. A relaxed ear position communicates calm neutrality, while sharply rotated ears with fully exposed o'kelly indicate alertness or hostility.

This system of visual signaling is especially effective in environments where sound or scent may be unreliable due to wind, terrain, or distance.

Deterrence and Predator Confusion

Some researchers suggest that the o'kelly may also function as false eyes, discouraging attacks from behind by giving the impression of constant awareness. This illusion can momentarily confuse potential threats, providing the tiger with a defensive advantage.

Evolutionary Advantage

The persistence of these markings across all tiger populations suggests strong evolutionary value. By serving simultaneously as a guide for offspring, a warning display, and a tension signal, the white ear spots enhance survival, communication efficiency, and territorial stability.

The white spots on the backs of tigers' ears are a powerful example of how subtle physical features can carry complex meaning. Acting as constant visual guides and warning displays, they allow tigers to communicate tension, intent, and awareness without sound or movement. These markings are an essential part of the tiger's behavioural language, silent, visible, and highly effective.

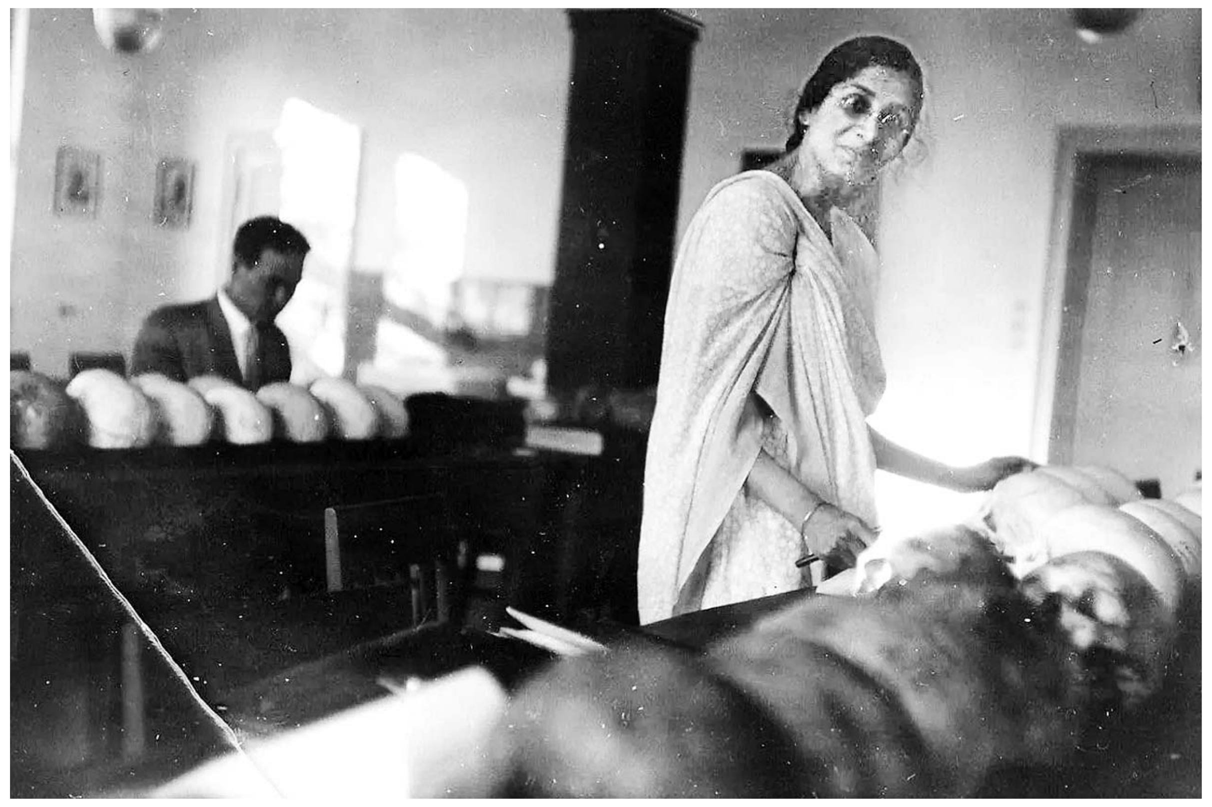

Irawati Karve with human skulls at the Kaiser Wilhelm Institute of Anthropology, Human Heredity, and Eugenics in Berlin, 1928.

Irawati Karve, pioneering Indian anthropologist and the subject of Iru.

One of the most striking aspects of *Yuganta* is Karve's perceptive analysis of female characters. Her interpretations of Kunti and Draupadi stand out for their psychological depth. Karve portrayed Kunti as a woman navigating difficult moral choices, rather than simply an idealized mother figure. Draupadi, in her reading, emerges as strong, assertive, and deeply human, marked by dignity, anger, and resilience. These interpretations reflect Karve's own position as a "rebel woman," challenging traditional narratives and offering fresh, empathetic perspectives.

Irawati Karve with human remains from the Mesolithic period, Langhnaj, Gujarat, 1944.

A Rebel Mind

• Bulbul Joshi

In the landscape of modern Indian scholarship, Irawati Karve (1905-1970) stands out as a pioneering figure, an intellectual who challenged conventions, questioned dominant ideologies, and redefined the scope of anthropology in India. Often regarded as one of the first prominent women anthropologists in the country, Karve combined rigorous scientific inquiry with a deeply humanistic approach, earning her a lasting place in both academic and literary traditions.

A Trailblazer in Anthropology

At a time when academia was overwhelmingly male-dominated, Karve emerged as a formidable scholar. She pursued advanced training in anthropology in Germany, where she worked under Eugen Fischer, a leading but controversial figure associated with racial science. Fischer served as her PhD supervisor, and during this period, Karve engaged in anthropometric research, including the study of human skulls, an area central to early 20th-century racial classification theories. She is known to have examined and analyzed a significant sample, often cited as around 149 skulls, comparing European and Asian physical features.

Challenging Racial Science

Karve's exposure to racial anthropology did not lead to blind acceptance. Instead, it sharpened her critical perspective. She later questioned the very foundations of racial classification systems promoted by scholars like Fischer, whose ideas were aligned with the ideology of Nazism. These frameworks attempted to divide humanity into rigid hierarchies based on physical traits.

Fieldwork Against the Odds

After returning to India, Karve joined Deccan College, where she continued her academic career and field research. At a time when women were rarely allowed, let alone encouraged, to conduct fieldwork, especially in remote areas, Karve broke barriers.

She traveled extensively across rural and tribal regions of India, often taking her children along with her into the field. This was highly unconventional in an era when both academic research and women's mobility were heavily restricted. Her use of mobile or field-based methods, including on-site data collection, reflected her commitment to firsthand observation and empirical rigour.

A New Reading of the Mahabharata

Beyond her scientific work, Karve made a remarkable contribution to literary and cultural studies through her reinterpretation of the Mahabharata. In her celebrated book *Yuganta*, she approached the epic not merely as mythology but as a reflection of historical and social realities. Her perspective was groundbreaking. She treated the characters as real, complex individuals shaped by their circumstances, offering insights into the moral and political dilemmas of their time.

Women Through a New Lens

One of the most striking aspects of *Yuganta* is Karve's perceptive analysis of female characters. Her interpretations of Kunti and Draupadi stand out for their psychological depth.

Karve portrayed Kunti as a woman navigating difficult moral choices, rather than simply an idealized mother figure. Draupadi, in her reading, emerges as strong, assertive, and deeply human, marked by dignity, anger, and resilience. These interpretations reflect Karve's own position as a "rebel woman," challenging traditional narratives and offering fresh, empathetic perspectives.

Legacy of a Rebel Scholar

Irawati Karve's legacy lies in her courage to question established norms, whether in science, society, or literature. From critically engaging with European racial theories to conducting fieldwork under challenging conditions, she consistently pushed boundaries.

Her life and work continue to inspire scholars across disciplines. By blending scientific rigour with cultural insight and moral inquiry, Karve not only advanced anthropology in India but also demonstrated the power of independent thought. In doing so, she secured her place as one of the most remarkable and forward-thinking intellectuals of modern India. Many books have been written about her, but this one is with the help of people close to her.

Urmilla Deshpande and Thiago Pinto Barbosa lay out in *Iru: The Remarkable Life of Irawati Karve* the arc of her life as an opportunity to engage with a whole host of questions about 20th century Indian society, the academic world, caste, gender, and much more.

Iru begins with Karve's remarkable journey to Berlin in the 1920s, where she would end up disproving a racist theory about skull sizes in defiance of her supervisor, Eugen Fischer. It ends with a series of ruminations from Karve, grappling with the nature of societal violence and how each one of us is implicated in it. In between, Iru paints a picture of Karve's life, scholarship, and writing without shying away from the less celebrated aspects of her work, such as applying German-inspired tools of physical anthropology on Indian subjects, that have mostly been discarded by the discipline today.

Deshpande, an author who is also Karve's granddaughter, and Barbosa, a postdoctoral researcher in the Institute of Anthropology at Leipzig University, collaborated to create a nuanced portrait of Karve as an important figure of 20th century Indian thought. CASI Managing Editor Rohan Venkat spoke to Deshpande and Barbosa about their unlikely collaboration, what it was like to engage with Karve's complex legacy, the impact of Eurocentrism in social sciences, and how they settled on "critical fabulation" fact-derived storytelling as the form for this biography.

Rohan: Is there an elevator pitch for the book?

Urmilla: The book is about Irawati Karve, who is my grandmother and the subject of a case study for Thiago's dissertation. We came to it from these two different sides and we were just incredibly lucky to meet each other and be able to collaborate on this. It's about her life, her work, an exploration of the sort of person she might've been, because she died when I was seven, and Thiago never met her. It's an exploration, trying to put together who she might've been from everything that we could find.

Rohan: Tell me about the form you chose: "critical fabulation."

Thiago: Critical fabulation is an idea coined by Saidiya Hartman and also used by Projit Muhkarji. It comes from the discussion of what historians do about the fact that we cannot find any documents about the millions of women who were in the slave trade and who happened to have died in crossing the ocean, or were captured in Africa and then put to work in America. Do we not write history about them because the knowledge is not there? How do we fill those gaps in history that are important, because those stories need to be told? We need to develop ways of being able to craft narratives with the little material that we have, but still be able to tell a story somehow. This is the principle, this idea of crafting stories that are still based on very solid research.

And that's what we did. We did thorough research, we researched in archives, we interviewed many people, people who knew her, ex-students, ex-colleagues, we read all her texts, many different texts about her too, and we gathered different stories. Urmilla and I would meet in Berlin and go for walks, going to the places where she lived, where she studied. I have a long engagement with the history of the institution where she did her PhD in Berlin because I was working there. Based on all those facts, we allowed ourselves to be creative in forming a narrative that was still based on the real facts, but to try to make a biography that would still be more accessible to the reader and somehow try to get as close to her as we could in this portrayal of this person.

#IRAWATI KARVE

Rohan: Urmilla, you talk specifically about your mother (the writer and poet Gauri Deshpande) and her fraught connection to Karve as well.

Urmilla: I think Thiago interviewed my aunt (Karve's daughter) who, when I said I wanted to talk to her, she said, "I don't want to talk about my mother anymore," which is fair; she's 90 years old and talked about her mother her whole life. But yes, I did have to engage with the way my mother dealt with her mother. I think for Thiago, it was different because he really spoke to people who knew her and her colleagues and her students, and so, he got a very different picture of her. And yeah, I can hear the admiration that some of these people had for her, what influence she had, from listening to his interviews and his work. It was strange, because this is someone I knew of course, and yet found out that I entirely didn't know her.

Thiago: The interviews were really interesting, and I think it was surprising to me, a lot of people had many memories about her, even though, she died 55 years ago.

Rohan: What is Irawati Karve's legacy within the academy?

Thiago: In my PhD, my focus was very much on thinking about the legacies of scientific racism and thinking about the legacy of the idea of race in science. And also, the impact of this very German emphasis on racial anthropology in this school of physical and biological anthropology, which, not just Irawati Karve, but also many other Indian anthropologists were trained in. Part of Irawati's work can be seen with critical eyes today, and I think there's a lot of nuance here, and we might need a word of caution because usually, the press shows people as either the hero or the villain.

Even at that time, there were critiques. And I think she was remarkable in making the critique of a certain racial theory about the sizes of skulls (at the institute in Berlin). In that regard, she's very remarkable and progressive. At the same time, her whole obsession with measuring bodies to study the castes and tribes of India and many other places, it's something that today, I think we have reached the agreement that there are many flaws in there, and a lot of that comes from racial sciences. And that's also something we showed in the book. At the same time, her work on many other issues is still very remarkable and could still be articulated for a lot of progressive thinking today, such as her attention to the situation of women in Indian society. She formulated some theories about the origins of caste difference, which are still debated today. And I think some of it also needs critical attention because some of her ideas are being picked up by geneticists in the US, sometimes rather uncritically. And of course, question of the national cohesion and diversity in India is something that she wrote about.

Rohan: Was there a fear that you would find yourself explaining or apologizing for the more criticized bits of her work?

Thiago: If I would have had the impression that we wanted to write a hagiography, I wouldn't have been in this boat. I think we connected very well on this. The way the book ends, I think that's the antagonism of an apology, because it actually ends with, and people have interpreted this differently in some of the reviews, on this kind of confessional, philosophical rumination, where she sees herself very implicated in bigger processes of societal violence. And that's something that she does also to think about her relation to those German scientists who did happen to be Nazis after she left Germany. When she writes about (German anthropologist and Nazi social scientist) Eugen Fischer when he's very old, I think for his 80th or 85th birthday, the word she uses to describe him is humanity. That's a positive word. Because I think that was in a time where maybe one might have thought Nazis are monsters. Similarly, today we might think of fascists as monsters. But she goes on to say they're human, and the implication of this statement is quite profound. Also, in thinking about racism, about labeling a person racist or non-racist, I think there are different ways to be racist and different ways to be anti-racist. And sometimes, the same person can have contradictory positions in this discussion, right?

Rohan: It's something that both of you engage with, not just on the question of race, but also on feminism.

Urmilla: I always wondered why my mother didn't talk about her mother (Irawati) as a feminist, because that was not her experience. And that's really important to me. Although Irawati may have been a certain way ideologically, she did not follow those things through in her own personal life.

Rohan: It also shows up in the work. In one portion, you have a reference to her nuanced response to wife-beating while out in the field.

Urmilla: That was in her Marathi essay, where she was clearly talking about it being widespread. She said, look, as an anthropologist and as a social scientist, I know and I see that this happens and this is widespread everywhere, that's all I'm commenting on. I'm not trying to say it's good or it's bad, because clearly it's bad. I mean, she said, I shouldn't have to comment on that. You know it's a bad thing. But I am saying that it's absolutely widespread and we shouldn't act as if it doesn't exist, it exists everywhere. And she was trying to prove that. She did have a nuanced way of looking at things, for sure, but sometimes, I think it frustrated her that she was saying the obvious thing. At one point, she talks about her being introduced always as some man's appendage, wife or daughter or student, and so on. And when she said that in an ironic essay, people took it seriously. They thought she was celebrating it. She was always frustrated by that. She's like, I'm stating the obvious, and yet people don't get what I'm saying.

Rohan: Tell me about the presence of French anthropologist Louis Dumont, his space within Indian anthropology and the dialogue between him and Irawati.

Thiago: Because I'm also from Brazil. I was a bit scandalized by this when I went to Germany. That's something, thinking about Eurocentrism, that I will take with me through my life. And that's why I also thought Irawati's case was interesting to think about because she was an Indian person in Berlin in the 1920s, and being trained in this very Eurocentric school.

What Dumont made of Karve's book, *Kinship Organization in India,* demolished Karve's international career. In the critique, you can sense that very old French male anthropologist using a sarcastic, very bitter tone, really taking the whole thing apart and calling her this Brahmin lady from Maharashtra, and also emphasizing the gender, which is a little detail, but very telling. And then asking the question of whether she is mixing all these different things, history with the reading of mythology and ancient text with anthropology, what is this? Is this even the proper anthropological method? Is this a Brahmin method? He made the same critique with other Indian anthropologists.

She has a chapter about the legacy of Dumont for Indian sociology and anthropology because he was this gatekeeper figure, editing the first very internationally known journal of sociology, *Contributions to Indian Sociology.* And that review came out in the first edition of that journal.

Rohan: I wondered if you might be anticipating similar pushback from critical fabulation, "Is this real biography?" that sort of thing.

Urmilla: I can answer this in just two examples. There are two people in my family who I love very much, one is a young white man, one is an older white man. But they read the first chapter and they were like, "What is this? This is not how biographies are written." But beyond that, I wasn't expecting pushback or anything else because I'm honestly amazed and shocked at how far this book has gone.

Rohan: What else would you recommend to readers who are interested, including your own work?

Urmilla: If someone wants to go further into scientific racism history, that would be Thiago's book that's coming out. And if someone wants to read more about Irawati's work, I'm actually working on translations of her Marathi essays, which are going to be with Speaking Tiger. And then I'm still working on my novel, which one day, I will complete, so there's that. And I'm working on a new translation of Yuganta after that.

Thiago: I think from my side, my book that is coming out called *Racializing Caste: Anthropology Between Germany and India* and the *Legacy of Irawati Karve (1905-1970)* looks at the more critical aspect of Karve's work and thinks about the impact of this German school of racial anthropology. Besides that, I was very fascinated by the work of Projit Muhkarji, who is now at Ashoka University in Delhi. He wrote this book called *Brown Skins, White Coats: Race Science in India*, where Karve is also featured along other scientists from India. I'm now still reading something that I think is also interesting to think about in the context of Berlin in the 1920s and in Nazi times, as well as from the 1930s on, called *Racism and the Making of Gay Rights; A Sexologist, His Student, and the Empire of Queer Love* by Laurie Marhoefer, which is about the work of Magnus Hirschfeld, a German psychologist, and the complications of, limits to, or the contradictions of being anti-racist but, at the same time, being racist. This book really is a biography of Hirschfeld and his Chinese lover and student, and through these two biographies, the book thinks thoroughly about legacies of racism, also in connection to a discussion about queerness and gay rights. And I think the book does that in a very nuanced way as well, while also showing aspects of life in Europe in the 1920s and 1930s.

rajeshsharma1049@gmail.com

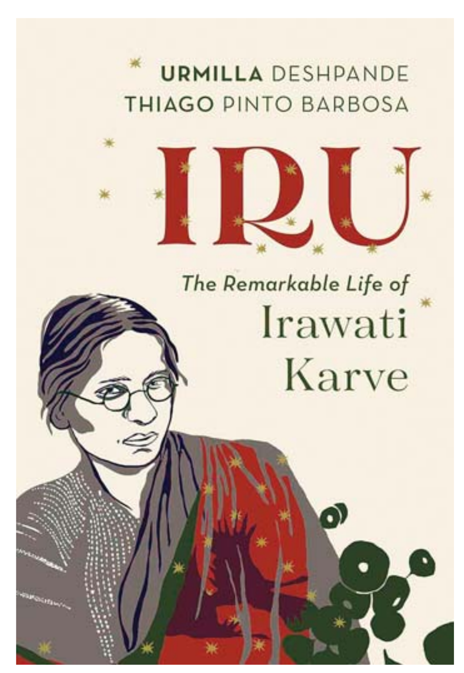

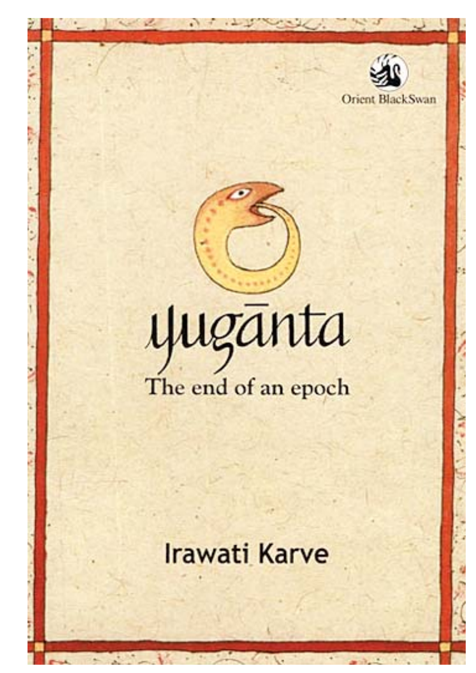

THE WALL

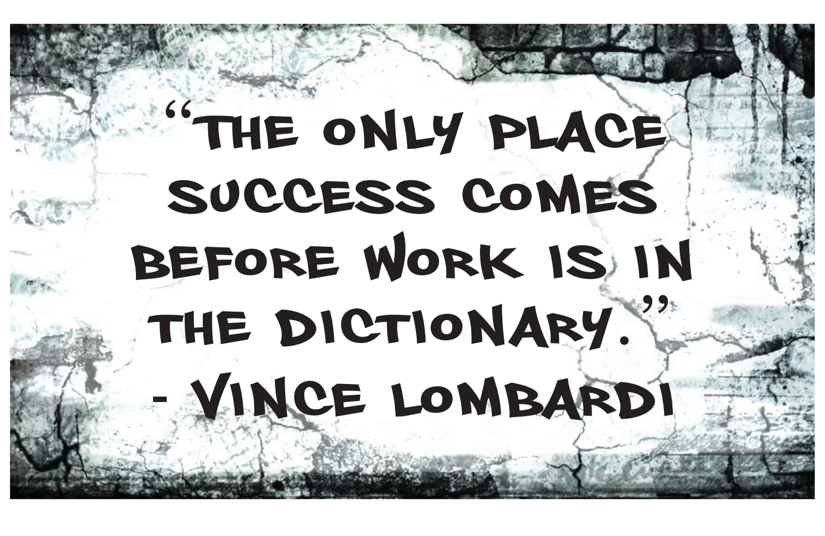

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

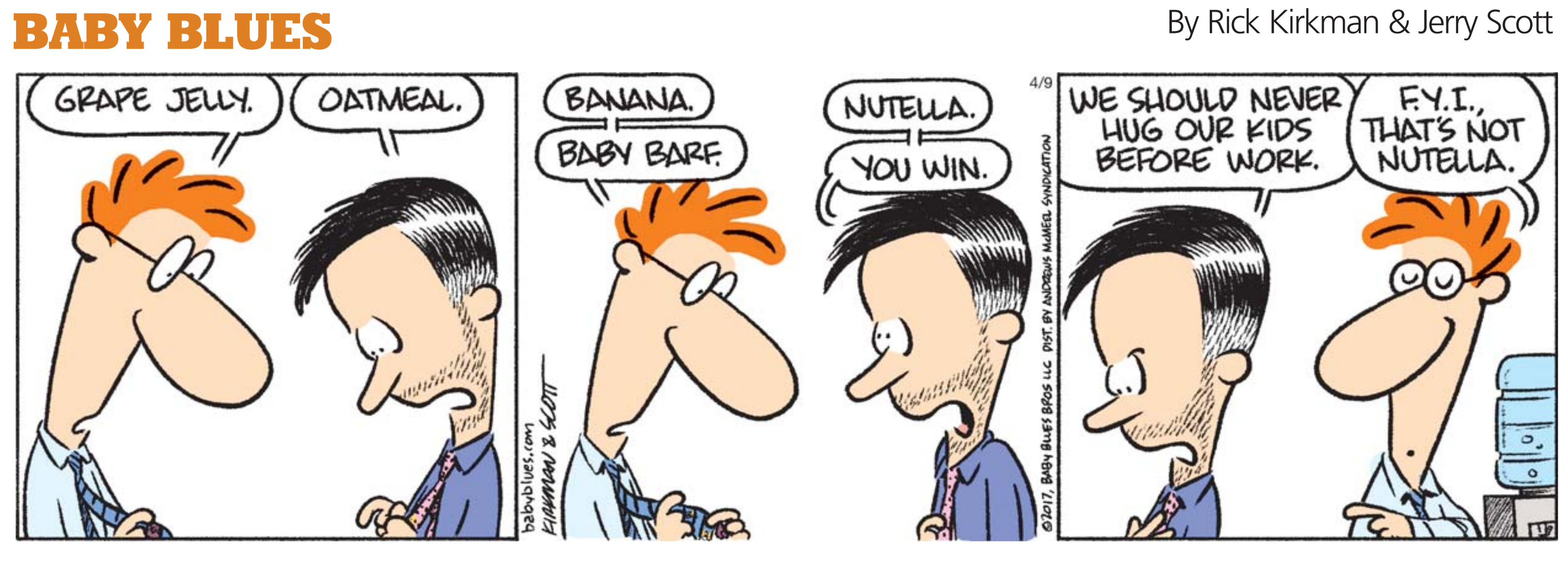

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

झुंझुनूं में बदमाशों ने प्रॉपर्टी कारोबारी के परिवार को बंधक बनाकर लाखों की डकैती की

बदमाश करीब 60 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और डेढ़ से दो लाख रूपये लूटकर फरार हो गये

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के मलसीसर रोड स्थित बिलाल नगर क्षेत्र में शनिवार देर रात एक लूट की वारदात हुई। हथियारों से लैस छह से सात बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी कारोबारी के घर में घुसकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया और लाखों रूपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

- **बदमाशों ने घर में मौजूद सभी लोगों के हाथ-पैर टेप, तार, चादर और कपड़ों से बांध दिए, 10 वर्षीय बच्चे तक को नहीं छोड़ा**
- **घटना के तरीके को देखकर आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने पहले से घर की रेकी कर रखी थी**

लूट की वारदात के बाद पुलिस टीम ने मौके पर जांच शुरु की।

बदमाशों ने लूट करने के लिये अलमारियों में रखा सामान बिखेर दिया।

जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर-59 स्थित बिलाल नगर निवासी प्रॉपर्टी व्यवसायी शब्बीर सैय्यद उर्फ बाबू के घर रात करीब सवा एक बजे चेहरे ढके हुए छह से सात बदमाश घुस आए। घर में प्रवेश करते ही आरोपियों ने हथियारों के बल पर परिवार के सदस्यों को अपने कब्जे में ले लिया। परिजनों के अनुसार बदमाशों ने एक युवक की कनपटी पर रिवॉल्वर तानकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी, जिसके चलते कोई भी उनका विरोध नहीं कर सका। बदमाशों ने घर में मौजूद सभी लोगों के हाथ-पैर टेप, तार, चादर और कपड़ों से बांध दिए। हैरानी की बात यह रही कि आरोपियों ने घर में मौजूद 10 वर्षीय बच्चे तक को नहीं छोड़ा। महिलाओं को अलग कमरे में बंद कर दिया गया ताकि वे किसी को सूचना न दे सकें। परिवार के अनुसार बदमाश कट्टों, रिवॉल्वर और चाकुओं जैसे हथियारों से लैस थे। उन्होंने पूरे घर की बारीकी से तलाशी ली और अलमारियों, बक्सों तथा अन्य स्थानों पर रखे कीमती सामान को खंगाल डाला। बदमाश करीब 60 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और लगभग डेढ़ से दो लाख रूपये नकद समेटकर फरार हो गए।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। माना जा रहा है कि पहचान छिपाने और सबूत मिटाने के उद्देश्य से बदमाश यह उपकरण भी साथ ले गए। घटना के तरीके को देखकर आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने पहले से घर की रेकी कर रखी थी। जिस सुनियोजित ढंग से उन्होंने घर में प्रवेश किया, परिवार को बंधक बनाया और सीधे कीमती सामान तक पहुंचे, उससे उनकी पूर्व तैयारी साफ नजर आती है।

सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जुटानी शुरू कर दी है। संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है।

इस लूटकांड के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। नागरिकों का कहना है कि शहर में लगातार बढ़ रही चोरी और लूट की घटनाओं ने आमजन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है और मामले की जांच जारी है। यह वारदात झुंझुनूं में हाल के वर्षों की सबसे बड़ी और साहसिक लूट की घटनाओं में से एक मानी जा रही है।

रिसॉर्ट के बंद कमरे में युवक का शव मिला

- **चेकआउट समय पर नहीं मिला जवाब, खिड़की से झांकने पर फंदे से लटका मिला युवक**

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के गुढ़ा रोड स्थित शेखावाटी रिसॉर्ट एंड बार में शनिवार को एक युवक का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। युवक शुक्रवार को रिसोर्ट में ठहरा था, लेकिन अगले दिन चेकआउट के निर्धारित समय पर कमरे से बाहर नहीं निकलने और फोन का जवाब नहीं देने पर होटल स्टाफ को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक का शव फंदे से लटका मिला।

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान पिंटू (27) पुत्र हीरालाल, निवासी भोजनगर (परसरामपुरा), थाना नवलगढ़ के रूप में हुई है। बताया गया है कि पिंटू शुक्रवार को शेखावाटी रिसोर्ट एंड बार में ठहरने आया था। शनिवार सुबह करीब 11 बजे उसका चेकआउट निर्धारित था। समय बीत जाने के बाद भी जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो होटल कर्मचारियों ने कमरे के इंटरकॉम पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद स्टाफ कमरे के बाहर पहुंचा और काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, मगर अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। स्थिति संदिग्ध लगने पर होटल प्रबंधन ने तत्काल कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सब-इंस्पेक्टर हिदायत खान पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की मौजूदगी में कमरे के पीछे बनी खिड़की से अंदर देखा गया, जहां युवक का शव फंदे से लटका दिखाई दिया। इसके बाद दरवाजा खुलवाकर पुलिस टीम कमरे में पहुंची और जांच शुरू की। मृतक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान की गई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। परिजनों के पहुंचने के बाद उनकी मौजूदगी में शव को नीचे उतारा गया और राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। युवक द्वारा यह कदम उठाने के पीछे क्या कारण रहे, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। कोतवाली थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा युवक के परिजनों एवं परिचितों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

भीण्डर में डिग्गी में डूबने से युवक की मौत

- **दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया शव**

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर क्षेत्र के निकटवर्ती गढ़ी गांव में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवक की खेत पर बनी पानी संग्रहण की डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। करीब 15 फीट गहरी डिग्गी में युवक के डूबने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों और पुलिस ने उसे बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन लगभग दो घंटे की लगातार मशक्कत के बाद उसका शव बाहर निकाला जा सका। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब चार बजे कानोड़ क्षेत्र के तीन युवक गढ़ी गांव स्थित एक खेत पर बनी डिग्गी में नहाने के लिए पहुंचे थे। तीनों युवकों को तैरना कम आता था और वे हवा भरे ट्ययूब के सहारे पानी में तैर रहे थे। इसी दौरान कानोड़ के कुम्हारों का मोहल्ला निवासी कुलदीप पुत्र गणेश खटीक (19) डिग्गी के बीच हिस्से में पहुंच गया। अचानक उसके हाथ से ट्ययूब छूट गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। कुलदीप के साथ मौजूद दोनों युवकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह देखते ही देखते पानी में समा गया। घबराए दोनों युवक सहायता के लिए करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित रंगास्वामी बस्ती की ओर दौड़े और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही रंगास्वामी बस्ती निवासी भरत रंगास्वामी मौके पर पहुंचे और बिना देर किए डिग्गी में छलांग लगाकर युवक की तलाश शुरू कर दी। इसके बाद कई ग्रामीण भी पानी में उतर गए और लगातार खोजबीन करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

घटना की सूचना मिलने पर भीण्डर पुलिस भी मौके पर पहुंची। कॉस्टेबल जनकराज, स्थानीय तैराक प्रकाश लाला पण्डिया, बबूल शेख तथा भरत रंगास्वामी सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से युवक की तलाश शुरू की। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद डिग्गी के बीच हिस्से में तैराक प्रकाश लाला पण्डिया को युवक का शव दिखाई दिया। इसके बाद सभी तैराकों ने मिलकर शव को बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। भीण्डर थानाधिकारी मुकेश कुमार खटीक पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू करवाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भीण्डर चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है, जहां सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। बड़े बेटे का शव देखकर पिता गणेश लाल खटीक का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

अलवर में नीट यूजी परीक्षा से पहले महिला लेक्चरर की तबीयत बिगड़ी

अलवर, (निसं)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट नीट यूजी 2026 री-एग्जाम अलवर के 22 सेंटर पर पूरा हो गया है। कैंडिडेट्स को कड़ी सुरक्षा में एंट्री दी गई। 1.30 बजे सभी सेंटर के गेट बंद कर दिए गए।

- **कैंडिडेट्स को टाइम देखने के लिए राज ऋषि कॉलेज में पेड़ पर घड़ी लगाई**

कैंडिडेट्स की जांच कर कड़ी सुरक्षा में एंट्री दी गई।

इसके बाद 2 बजे से परीक्षा शुरू हुई, जो 5.15 बजे पूरी हो गई। एग्जाम शुरू होने से पहले एंट्री के दौरान एक सेंटर पर कैंडिडेट के रुमाल की भी जांच की गई। वहीं, टाइम देखने के लिए राज ऋषि कॉलेज में पेड़ पर घड़ी लगा दी गई, ताकि आने वाले अभ्यर्थी समय देख सकें। कला कॉलेज में मुख्य गेट पर भी घड़ी लगाई गई। अंदर क्लास में भी एनटीए ने अपनी घड़ी लगवाई। परीक्षा केंद्रों के मुख्य गेट पर पुलिस की पूरी निगरानी रही।

वहीं, एग्जाम शुरू होने से पहले ही बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में महिला लेक्चरर (वीक्षक) की तबीयत बिगड़ गई। जिनको तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। अलवर में करीब 10 हजार स्टूडेंट्स री-नीट में शामिल हुए। हर सेंटर पर एनटीए की भेजी घड़ी लगाई गई। अभ्यर्थियों को एग्जाम सेंटर में केवल पारदर्शी पानी की बोतल, एडमिट कार्ड, फोटो व आधार कार्ड ही लाने की छूट दी गई। पेन भी अंदर ही दिया गया। अभ्यर्थियों से एग्जाम हॉल में एक बार शुरूआत में, फिर दूसरी बार आखिरी में साइन कराए गए। एग्जाम दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक चला। परीक्षा से पहले सभी केंद्रों पर ब्रीफिंग सेशन आयोजित किए गए थे, जिसमें वीक्षकों (इन्विजिलेटर) सहित पूरे स्टाफ को एनटीए की सख्त गाइडलाइंस की जानकारी दी गई थी। अलवर में केवी स्कूल ईटाराणा व केवी स्कूल मोती डूंगरी पर दिव्यांग अभ्यर्थी ने एग्जाम दिया। केवी स्कूल ईटाराणा में एक ब्लाइंड अभ्यर्थी ने परीक्षा दी।

रुपये उधार नहीं देने पर व्यापारी की हत्या की थी, आरोपी गिरफ्तार

- **पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने की चेन, अंगूठी तथा मोटरसाइकिल जब्त की**

टोंक, (निसं)। कोतवाली थानाधिकारी भंवरलाल के नेतृत्व में गठित थाना पुलिस टीम व डीएसटी ने बड़ा कुआं क्षेत्र में ब्रज इलेक्ट्रीकल्स के मालिक की हत्या कर लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर माल बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि रुपये उधार नहीं देने पर आरोपी ने व्यापारी की हत्या कर दी थी।

जिला पुलिस अधीक्षक ने रविवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि थाना कोतवाली, डीएसटी, सायबर सैल की टीम एवं घटनास्थल का एफएसएल टीम व एमआईयु टीम द्वारा मौका निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किये गय। मौके पर मिले सबूत जब्त किये गये। मृतक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। इस दौरान टीम ने आरोपी की तलाश कर आरोपी की निशादेही से लूटी गई सोने की चेन व सोने की अंगूठी व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी व रस्सी के बरामदगी के प्रयास जारी है।

उल्लेखनीय है कि घटना 19 जून की है, जिसमें मोतीबाग रोड पर ब्रज इलेक्ट्रीकल्स के मालिक पवन कुमार गर्ग की अज्ञात आरोपियों ने दुकान के उपर बने कमरे में धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी राकेश ताम्बी पुत्र निर्मल कमार ताम्बी को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग 11 लोगों से 56 लाख रुपये ब्याज पर उधार ले रखे थे, जिनके ब्याज की भरपाई नहीं हो पा रही थी। आरोपी ने अपने मित्र मृतक पवन कुमार गर्ग से 15 दिन पहले 5 लाख रुपये उधार मांगे, जिस पर मृतक द्वारा रुपये उधार देने से इंकार कर दिया। मृतक द्वारा आरोपी को रुपये उधार देने से इंकार करने पर रंजिशवश आरोपी ने प्लान बनाकर कुल्हाड़ी व रस्सी लेकर अपना मुंह ढककर पवन कुमार गर्ग की दुकान के उपर बने कमरे में पहुंचा और उसके साथ शराब पार्टी की तथा बाद में पवन कुमार गर्ग पर धोखे से कुल्हाड़ी से पीछे की ओर सिर पर वार कर हत्या कर दी व मृतक के जिंदा होने की आशंका पर रस्सी से गला घोंट दिया। आरोपी मृतक के शरीर पर पहनी हुई सोने की चेन व सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक की ली गई सामग्री एक सोने की चेन, सोने की अंगूठी तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

जोधपुर में साबरमती स्पेशल ट्रेन का स्वागत

जोधपुर, (कासं)। नई रेलसेवा 04707 बीकानेर-साबरमती उद्घाटन स्पेशल ट्रेन के रविवार अपराह्न जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों, यात्रियों और रेलवे अधिकारियों ने स्वागत किया। प्लेटफार्म संख्या एक पर पहली बार पहुंची इस उद्घाटन विशेष रेलसेवा के आगमन पर चालक दल का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ट्रेन के लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके बाद विधायक अतुल भंसाली ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को साबरमती के लिए रवाना किया।

इस दौरान विधायक भंसाली ने कहा कि यह नई रेलसेवा आम यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी तथा राजस्थान और गुजरात के बीच बेहतर रेल कनेक्टिविटी को मजबूती देगी। उन्होंने इस नई सौगात के लिए अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कैरिज एंड वैगन) अमित स्वामी, सहायक वाणिज्य प्रबंधक बी. के. गौड़, सहायक परिचालन प्रबंधक मोहनदान, स्टेशन अधीक्षक विजय लाल, वाणिज्य निरीक्षक रतन सिंह गुर्जर, स्टेशन उपाधीक्षक (वाणिज्य) महेंद्र माथुर तथा दिनेश चंद्र मीणा सहित बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारी, सुपरवाइजर, निरीक्षक और यात्री उपस्थित रहे। रेलवे के अनुसार इस नई रेलसेवा का नियमित संचालन सोमवार से प्रारंभ होगा, जिससे मार्ग के यात्रियों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी।

पाली में पांच केंद्रों पर नीट परीक्षा हुई

पाली, (नि.सं.)। पाली में रविवार को पांच केंद्रों पर नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की गई। बांगड़ स्कूल सेंटर पर एक अभ्यर्थी को चक्कर आने से तबियत खराब होने पर सूचना पर उसे बागड़ अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज कर छुट्टी दी।

पाली शहर के बांगड़ कॉलेज, बालिया स्कूल परीक्षा केंद्र पर कड़ी सुरक्षा के बीच प्रवेश दिया जा रहा था। इस दौरान कई जनों मन्नत के धागे काटे जा रहे थे, वहीं चश्मा भी उतार कर चेक किया। परीक्षा को लेकर करीब 2080 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था 1080 ने भाग लिया, 243 गैर हाजिर रहे। पाली के पांच परीक्षा केंद्र बांगड़ कॉलेज, बांगड़ स्कूल, बलिया स्कूल, गर्ल्स कॉलेज मैं परीक्षार्थियों को वीडियो ठाफी, बायोमेट्रिक, जांच के बाद परीक्षा में प्रवेश किया। सुबह 11 से 1:30 बजे तक प्रवेश दिया गया।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के विरोध में किसानों का मौन जुलूस आज

कोटपूतली, (निसं)। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण को निरस्त करने की मांग को लेकर सोमवार 22 जून को कोटपूतली में किसानों द्वारा विशाल मौन जुलूस निकाला जायेगा। किसान महापंचायत के बैनर तले आयोजित होने वाले इस आंदोलन में क्षेत्र के हजारों किसानों के जुटने की संभावना है। मौन जुलूस सोमवार प्रातः 11 बजे से नगर परिषद कार्यालय के सामने से प्रारम्भ होकर जिला कलैक्टर कार्यालय पहुंचकर समाप्त होगा।

जमीन बचाने के लिए एकजुट हुए किसान :- जमीन हमारी-निर्णय हमारा और किसान एकता जिंदाबाद के नारों के साथ किसान इस परियोजना का कड़ा विरोध कर रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के निर्माण से उनकी उपजाऊ कृषि भूमि छिन जायेगी, जिससे उनका भविष्य संकट में आ जायेगा। इस मौन जुलूस के जरिये किसान प्रशासन और सरकार तक अपनी आवाज शांतिपूर्ण तरीके से पहुंचायेंगे। किसान महापंचायत के जिलाध्यक्ष बाबूलाल चौधरी व तहसील अध्यक्ष हरसहाय तंवर ने क्षेत्र के किसानों से इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आव्हान किया है। उन्होंने एकजुट किसान-मजबूत किसान का संदेश देते हुए सभी से इस शांतिपूर्ण मौन जुलूस को सफल बनाने की अपील की।

लालसोट में टेम्पो से मिला बैग मालिक को लौटाया

लालसोट, (निसं)। लालसोट क्षेत्र में ईमानदारी की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। टेम्पो से गिरा कीमती सामान से भरा बैग एक राहगीर को मिला, जिसने लालच छोड़कर उसे सुरक्षित पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

जानकारी के अनुसार राजोली निवासी कविता बैरवा अपने पीहर बाड़ीली राहुवास मोड़ से टेम्पो में बैठकर ससुराल जा रही थीं। इसी दौरान पीपली-पातलवास के पास उनका बैग टेम्पो से नीचे गिर गया। बैग में मोबाइल फोन, बच्चे के सोने-चांदी के आभूषण, 13,400 रुपये नकद, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड तथा अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। दौसा से लालसोट की ओर आ रहे मूलचंद मीणा निवासी लक्ष्मणगढ़ (अलवर), जो वर्तमान में डिडवाना के मिडोरा स्थित राज फाउंडेशन संस्था में कार्यरत है, को यह बैग सड़क पर पड़ा मिला। बैग की जांच करने पर उसमें महत्वपूर्ण सामान देखकर उन्होंने उसे सीधे लालसोट पुलिस थाने में जमा करा दिया। पुलिस ने दस्तावेजों के आधार पर बैग की मालिक कविता बैरवा की पहचान कर उन्हें थाने बुलाया और बैग में रखा पूरा सामान सकुशल उन्हें सौंप दिया।

सिद्धू मूसेवाला को जिस पिस्टल से मारा, उसका सप्लायर श्रीगंगानगर में गिरफ्तार

- **पिस्टल सप्लायर और गैंगस्टर शकील अंसारी उर्फ आदिल पर हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं**

श्रीगंगानगर, (निसं)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की जिस जिगना और ग्लॉक पिस्टल से गोलियां दागकर हत्या की गई, उन पिस्टल का सप्लायर और गैंगस्टर शकील अंसारी उर्फ आदिल श्रीगंगानगर पुलिस की गिरफ्त में है। शकील, गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा गैंग का प्रमुख हैंडलर है, जो श्रीगंगानगर में एक बिजनेसमैन पर फायरिंग की वारदात करने पहुंचा था, लेकिन वारदात से पहले ही बाइक सवार शकील की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। एनकाउंटर में शकील ने पुलिस पर कई राउंड फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली शकील के दाहिने पैर में लगी और वह बाइक से गिर गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया था।

पुलिस पूछताछ में शकील ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। शकील अंसारी ने सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में इस्तेमाल हुए तुर्कीये और ऑस्ट्रिया निर्मित हथियार उपलब्ध कराए थे। आरोपी श्रीगंगानगर में एक बिजनेसमैन पर फायरिंग करने के मकसद से आया था। इसके अलावा वह उत्तर भारत में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क का भी मेंबर है। पूछताछ में शकील ने बताया कि सिद्धू मूसेवाला पर ऑस्ट्रिया, जर्मनी और तुर्की की ग्लॉक इ-30, जिगना पिस्टल से गोलियां चलाई गई थीं। शकील ने बताया कि एक पिस्टल की कीमत करीब 6 लाख रुपए है। गैंगस्टर और उभरते हुए बदमाशों को यह पिस्टल उपलब्ध करवाता है। वारदात करने के बाद बदमाशों से हथियारों को वापस ले लेता है। इसके बाद उन्हें दूसरी वारदात में उपयोग किया जाता है। बड़ी वारदातों को गैंगस्टर रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के कहने पर किया जाता है। पूछताछ में सामने आया कि उनके पास इन पिस्टल्स का कलेक्शन भी है, जिसे ठिकानों पर छिपाकर रखा जाता है। वह 11 जून को लुधियाना से श्रीगंगानगर में एक वारदात करने के लिए आया था, लेकिन मुठभेड़ में घायल होने से वह पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

पंचकूला क्राइम डीसीपी अमरिंदर सिंह ने बताया कि पंचकूला(हरियाणा) में भाजपा नेता नरेंद्र लुबाना के भाई रतन लुबाना पर हुई फायरिंग मामले में गिरफ्तार शूटरों ने भी पूछताछ में शकील का नाम लिया था। पुलिस के अनुसार, वह गैंगस्टरों को हथियार मुहैया कराने के साथ-साथ वारदात के बाद उन्हीं हथियारों को वापस लेकर दूसरे गैंगवार में मुहैया करवाता था।

शकील पर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि उसके संपर्क दुबई तक फैले हुए हैं और वह कई हाई-प्रोफाइल अपराधों में शामिल रहा है। अब पंचकूला पुलिस भी उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस अफसरों को उम्मीद है कि शकील से पूछताछ में गैंगस्टर नेटवर्क, हथियार तस्करी और कई बड़ी वारदातों से जुड़े खुलासे हो सकते हैं।

पंजाब के शूटर जसविंद्र व हरप्रीत ने पूछताछ में लुधियाना के बदमाश शकील अंसारी का नाम बताया। बताया कि शकील अंसाली गोदारा का हैंडलर है, जो ऐसे कामों के लिए हथियार मुहैया करवाया है और बाद में वापस भी लेता है। पंजाब के लुधियाना निवासी हार्डकोर बदमाश शकील अंसारी श्रीगंगानगर में किसी बड़ी फायरिंग की वारदात को अंजाम देने की फिराक में पहुंचा था।

बाइक पर गए शकील अंसारी को राजस्थान पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, तो उसने फायरिंग कर दी। दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चली। इसी दौरान पुलिस की गोली शकील अंसारी के पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर गया। शकील अंसारी का पीछा पंचकूला पुलिस भी कर रही थी, लेकिन उससे पहले ही श्रीगंगानगर पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया। अब पंचकूला पुलिस आरोपी अंसारी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर जाएगी। पुलिस को आशंका है कि माफिया अतीक और उसके भाई के अलावा बाबा सिद्दिकी समेत कई हाई प्रोफाइल केस में भी शकील का हाथ हो सकता है। ऐसे में फिलहाल शकील से पूछताछ जारी है, जिससे देशभर में फैले उसके नेटवर्क को खंगाला जा सके।

मजदूर की हत्या के दूसरे दिन भी शव का नहीं हुआ पोस्टमार्टम

- **आरोपी को फांसी देने और परिजन को नौकरी की मांग पर कलैक्ट्रेट में डटे हुये हैं परिजन**
- **पुलिस ने हत्या के आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की**

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागड़ा थाना क्षेत्र के रेटा गांव में मजदूर सुखराम आमालिया की हत्या के मामले में दूसरे दिन भी शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। मृतक के परिजन और ग्रामीण आरोपी को फांसी की सजा, पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर कलैक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठे हैं। परिजनों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे पोस्टमार्टम कराने और शव लेने को तैयार नहीं हैं। उधर, पुलिस ने हत्या के आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार रेटा जुड़ा निवासी सुखराम पुत्र सोना आमालिया और आरोपी विश्राम पुत्र मोतीलाल आहारी गुजरात में एक साथ मजदूरी करते थे। करीब डेढ़ महीने पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद दोनों अपने गांव लौट आए, लेकिन उनके बीच की रंजिश खत्म नहीं हुई। ग्रामीणों के अनुसार गांव लौटने के बाद दोनों के बीच फिर से कहासुनी हुई। इसी दौरान गुस्से में आए विश्राम ने सुखराम पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से सुखराम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात की सूचना मिलते ही रामसागड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी विश्राम को हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मृतक के परिजन मुकेश आमालिया ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उसे फांसी की सजा दिलाई जाए। उनका कहना है कि सुखराम परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था, जिसके निधन से परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है। परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी तथा परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा देने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि पीड़ित परिवार बेहद गरीब है और आजीविका का कोई अन्य साधन नहीं है। कलैक्ट्रेट के बाहर बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी लगातार परिजनों से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें समझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। ऐसे में हत्या के दूसरे दिन भी शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है।

संक्षिप्त

संग्रामपुरा के श्मशान घाट में आग लगी

निवाई, (निसं)। गांव संग्रामपुरा के श्मशान घाट परिसर में खड़े एक भारी-भरकम नीम के पेड़ में अचानक अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पेड़ से धुएं के ऊंचे गुबार उठने लगे। श्मशान घाट में अचानक आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीणों ने घटना की सूचना नगर पालिका प्रशासन को दी। सूचना पर नगर पालिका की दमकल टीम मौके पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचे फायरमैन दिलखुश गुर्जर, धोलूराम मीणा व फायर ड्राइवर महावीर यादव ने पेड़ पर पानी की बौछारें डालना शुरू किया। करीब एक घंटे की मशक्कत व अथक प्रयासों आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। त्वरित कार्रवाई के कारण इस प्राचीन और भारी-भरकम नीम के पेड़ को पूरी तरह से नष्ट होने से बचा लिया गया। टीम के सदस्यों ने बताया कि नीम का पेड़ काफी बड़ा था और यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो लपटें हवा के साथ तेजी से फैल सकती थीं। ऐसी स्थिति में श्मशान घाट परिसर व उसके आसपास मौजूद अन्य हरे-भरे पेड़-पौधे भी इस भीषण आग की चपेट में आ जाते, जिससे एक बड़ा पर्यावरण संकट हो जाता और वहां मौजूद सभी पेड़ जलकर राख हो जाते।

10 सेंटरों पर नीट परीक्षा आयोजित,

टोंक, (निसं)। रविवार को आयोजित नीट परीक्षा में जिला मुख्यालय पर 10 सेंटर पर परीक्षा शुरू हुई। इस दौरान परीक्षार्थियों को कड़ी जांच पड़ताल से गुजरने के बाद एग्जाम सेंटरों में प्रवेश दिया गया। एग्जाम के लिए 3264 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड है। परीक्षा सेंटरों में सुबह 11 बजे से डेढ़ बजे तक प्रवेश दिया गया। परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले दोपहर डेढ़ बजे परीक्षा सेंटरों के गेट बंद कर दिए गए। परीक्षार्थियों के प्रवेश के दौरान पुलिसकर्मियों से लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरी तरह से कड़ी जांच की। इस दौरान कलेक्टर टीना डाबी, एसपी रोशन मीना समेत एडीएम विनोद कुमार मीना, अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव इत्यादि अधिकारियों ने परीक्षा सेंटरों का दौरा कर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर किया योग

निवाई, (निसं)। 12 वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित हुआ। योग दिवस कार्यक्रम में ब्लॉक के सभी विभागीय अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। दक्ष प्रशिक्षक रामकिशन गुर्जर बहादुरपुरा व रमेश घायल ने योग क्रियाएं करवाते हुए बताया कि आंतरिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्रतिदिन योग करना चाहिए। योग शैलियाँ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते है। ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ. हरीश टेलर व सहायक नोडल अधिकारी डॉ. सीताराम जाट ने बताया कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा सूर्य नमस्कार, वज्रासन, ताड़ासन, कपालभाति, अनुलोम- विलोम, भ्रामरी, प्राणायाम, त्राटक, सूर्य नमस्कार, योगिक क्रियाएं व बुद्धि एवं एकाग्रता बढ़ाने वाले मंत्रों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान जीवन में अनुशासन, संस्कार एवं आत्मविश्वास के महत्व से भी अवगत कराया। इस अवसर पर अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट, विकास अधिकारी नन्दकिशोर शर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षाधिकारी मंजू मीणा व अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षाधिकारी मीना भदौरिया सहित कई अधिकारी-कर्मचारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इसी प्रकार ग्राम पंचायत लुहारा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग शिविर पर दक्ष प्रशिक्षक अशोक लांगडी द्वारा लोगों को योगाभ्यास करवाया गया। छात्र-छात्राओं सहित वार्ड पंच एवं ग्रामीण मौजूद थे।

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

योग हमारी प्राचीन सनातन संस्कृति और ऋषि-मुनियों की अमूल्य परंपरा : जवाहर सिंह बेढ़म

डीग भरतपुर, (निसं)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक जलमहल प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय योगोत्सव में गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि योग हमारी प्राचीन सनातन संस्कृति और ऋषि-मुनियों की अमूल्य परंपरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग को पूरे विश्व में सम्मान और स्वीकार्यता मिली है। उन्होंने कहा कि नियमित योग से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और वैचारिक रूप से सशक्त बनता है तथा अनेक बीमारियों से बचाव संभव होता है। मंत्री बेढ़म ने उपस्थित जनसमुदाय को योग संकल्प दिलाते हुए समाज में स्वास्थ्य, शांति और सकारात्मकता के प्रसार का आव्हान किया।

डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने कहा कि योग केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन का वैज्ञानिक आधार है। योग व्यक्ति को तनाव और अवसाद से दूर रखकर ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए युवाओं से व्यसनों से दूर रहने का संदेश दिया।

इससे पूर्व जलमहल प्रांगण में राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म और जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने भगवान पतंजलि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोलकाता से तथा मुख्यमंत्री के आबू रोड से प्रसारित संदेश का एलईडी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया गया।

योग प्रशिक्षक लल्लूराम जांगिड़ के निर्देशन में हजारों साधकों ने योगा फॉर हेल्दी एजिंग थीम के तहत 45 मिनट तक सामान्य योग अभ्यासक्रम के अनुसार विभिन्न आसनों, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, शीतली, भ्रामरी प्राणायाम एवं ध्यान योग का सामूहिक अभ्यास किया। कार्यक्रम में तीन महत्वपूर्ण शपथ भी दिलाई गई। गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने योग संकल्प, विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने नशा मुक्ति तथा जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। समारोह के अंत में जलमहल परिसर में पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ अतिथियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी तथा नागरिक उपस्थित रहे।

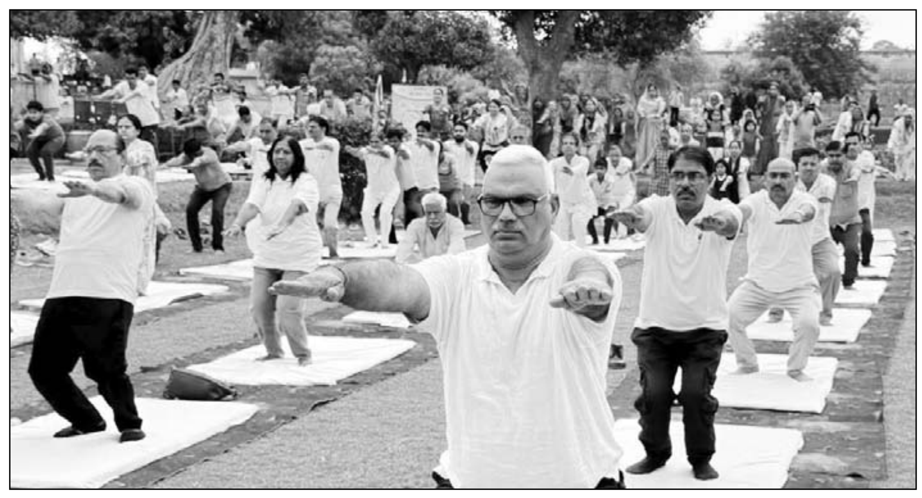

डीग जिला मुख्यालय पर जल महल परिसर में आयोजित विश्व योग दिवस में बड़ी संख्या में लोगों ने योगाभ्यास किया।

- गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने योग संकल्प, विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने नशा मुक्ति तथा जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई

कालाडेरा में 12 वाँ अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया

चौमूं/कालाडेरा। कालाडेरा नगर पालिका व चौमूं उपखण्ड में 12 वाँ अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। चौमूं उपखण्ड के सामोद पर्वत पर स्थित वीर हनुमान ऋषिकुल वेद विद्यालय एवं वीर हनुमान धाम, नांगल भारडा, में 12 वाँ अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रारंभ में आचार्य व प्रबंधक रविन्द्र कुमार शर्मा के द्वारा विद्यार्थियों को योग क्रियाएं अनुलोम -विलोम कपालभाति आदि करवाई गई। तत्पश्चात विद्यार्थियों व उपस्थित मन्दिर कर्मचारी, आचार्यो को आशीर्वाद प्रदान करते हुए योग शिक्षा भारत के अतीत की शानदार विरासत है जिससे आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के प्रादुर्भाव से मानव के,शक्ति, संतुलन, शारीरिक व्याधियों व दुर्लभ बीमारियों से मुक्ति का एकमात्र उपाय योग शिक्षा ही थी।

आधुनिक समय में भी प्राचीन भारतीय ऋषि मुनियों की इस गौरवशाली पद्धति के महत्व को आधुनिक मानव जगत ने स्वीकार किया है और इसका महत्व बताया। इस अवसर पर वेद विद्यालय के वेदाचार्य शालिग्राम उपाध्याय, हरिप्रसाद आचार्य, मनीष कुमार शर्मा, अभिषेक शर्मा, अविनाश शर्मा, रामचन्द्र यादव,कैलाश सिंह नाथावत कृष्ण कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पावटा में उपखंड स्तरीय समारोह आयोजित

पावटा, (निसं)उपखंड पावटा व विराटनगर में 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपखंड स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। उपखंड पावटा में कार्यक्रम बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर परिसर व उपखंड विराटनगर में नगर वन बीजक रोड सहित सरकारी विद्यालयों में आयुर्वेद विभाग एवं उपखंड प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, पावटा कार्यक्रम का शुभारंभ पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा व विराटनगर कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड व विराटनगर उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' रही। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया। उसके बाद देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का लाइव सम्बोधन सुना गया।

बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर में सामूहिक योगाभ्यास हुआ।

कार्यक्रम के दौरान मदन, संदीप मीणा एवं डॉ. नाहर मल यादव सहित योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम करवाए गए। इस दौरान ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, कटी चालन, ताड़ासन, अर्द्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्द्ध उष्ट्रासन, पूर्ण उष्ट्रासन, पवनमुक्तासन, शवासन सहित कपालभाति, अनुलोम-विलोम एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करवाया। उन्होंने प्रत्येक आसन के लाभ एवं सावधानियों की जानकारी देते हुए योग को नियमित जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

वहीं ब्लॉक आयुष चिकित्सालय पावटा योग प्रभारी चन्द्रहास शर्मा, विराटनगर योग प्रभारी राजेंद्र कुमार वर्मा सहित उपस्थित लोगों को योग के महत्व, इसके स्वास्थ्य लाभों तथा नियमित योगाभ्यास से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने की प्रेरणा देता है। विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि आज पूरे विश्व और देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और प्रेरणा से योग आज भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत से आगे बढ़कर संपूर्ण विश्व में स्वास्थ्य, शांति और कल्याण का प्रतीक बन चुका है। सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना करते हुए योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। समारोह में मौजूद लोगों ने सामूहिक रूप से योगासन कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

- योग से स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन का मिला संदेश
- जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा मौजूद आमजन ने योगाभ्यास के माध्यम से दिया स्वस्थ तन-मन का संदेश

सिंगोद में पंचमुखी हनुमान जी महाराज का वार्षिक पाटोत्सव मनाया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के ग्राम सिंगोद में स्थित पंचमुखी हनुमान मन्दिर आश्रम धाम में आयोजित श्री पंचमुखी हनुमान जी महाराज का वार्षिकपाटोत्सव रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में क्षेत्र सहित दूर-दराज से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का आयोजन पंचमुखी हनुमान मंदिर आश्रम सिंगोद के श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर ओंकारदास जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित हुआ। पाटोत्सव के तहत रविवार प्रातः वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन, अभिषेक एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके बाद सुंदरकांड पाठ एवं हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पंचमुखी हनुमान मंदिर आश्रम सिंगोद के महामंडलेश्वर ओंकारदास जी महाराज के सान्निध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

शाम को आयोजित मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और धार्मिक वातावरण में उत्साहपूर्वक शामिल हुए। शनिवार शाम कोआयोजित नगर भ्रमण में जीवंत झांकियां विशेष आकर्षण का केन्द्र रहीं।

पंचमुखी हनुमान धाम आश्रम से रवाना हुई शोभायात्रा सिंगोद कला, सिंगोद खुर्द, बस स्टैंड, मुख्य बाजारों एवं प्रमुख मार्गों से होकर निकली। शोभायात्रा में शिव परिवार, राम दरबार, शिव-पार्वती एवं महाबली हनुमान जी की आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। वहीं शिव तांडव एवं अग्नि नृत्य की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

टोंक में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित

टोंक, (निसं)। जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के पुलिस परेड ग्राउंड में रविवार को मुख्य समारोह उत्साह एवं अनुशासन मय वातावरण में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी रहे। इस अवसर पर जिला प्रभारी सचिव विश्व मोहन शर्मा जिला कलक्टर टीना डाबी, पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा, विधायक राजेंद्र गुर्जर, एडीएम विनोद कुमार मीणा,पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया,पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन,पूर्व जिला प्रमुख सत्यनारायण चौधरी, राजेंद्र पराना, नरेश बंसल, सतीश चंदेल, विष्णु शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारियों, पुलिस के जवानों, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, युवाओं ने भी योगाभ्यास में भाग लिया।

आरोग्य के देवता भगवान धनवंतरी एवं पतंजलि को दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संदेश एवं संबोधन का प्रसारण किया गया। स्थानीय योग साधक भागीरथ गुर्जर एवं रेखा चौधरी द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया गया।

अपने संबोधन में पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि योग भारत की अमूल्य धरोहर है, जो स्वस्थ शरीर एवं संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने सभी को नियमित योग करने तथा स्वस्थ एवं निरोगी समाज के निर्माण में सहभागी बनने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित जनसमूह को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं नियमित योगाभ्यास का संकल्प भी दिलाया।

भौनावास में भव्य कलश यात्रा निकली, भक्तिमय माहौल में गूंजे जयकारे

पावटा, (निसं)। भौनावास कस्बे के बिहारी दास गोपाल जी मंदिर यज्ञशाला में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के तहत रविवार को भव्य कलश यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। कलश यात्रा बावड़ी धाम से प्रारंभ होकर गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए बिहारी दास गोपाल जी मंदिर स्थित यज्ञशाला पहुंची। यात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में धार्मिक जयकारों और भजन-कीर्तन की गूंज सुनाई दी। आयोजन समिति के अनुसार कलश यात्रा में 151 महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर भाग लिया। यात्रा का शुभारंभ प्रातः पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। डीजे, बैंड-बाजों और भक्ति संगीत के बीच श्रद्धालु उत्साहपूर्वक आगे बढ़ते रहे। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा को लेकर भौनावास सहित आसपास के गांवों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। गांव के मुख्य मार्गों को भगवा ध्वजों, तोरण द्वारों एवं आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में रंगा नजर आया। मंदिर यज्ञशाला में इन दिनों यज्ञ एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चल रही है। आयोजन समिति ने बताया कि कलश यात्रा के यज्ञशाला पहुंचने के बाद वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुए तथा आगामी दिनों में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ महा प्रसादी का आयोजन भी किया जाएगा। कलश यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोग की सराहना की।

बिहारी दास गोपाल जी मंदिर यज्ञशाला मेंकलश यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली।

- आगामी दिनों में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ महा प्रसादी का आयोजन भी किया जाएगा

सार-समाचार

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए करें नियमित योग : एसडीएम

सांभरझील, (निसं)। यहां ब्लॉक स्तर पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल के सानिध्य में उत्साह के साथ मनाया गया। प्राचीन योग पद्धित पर विस्तार से जानकारी देते हुए इसके फायदे गिनाए गए। नगरपालिका सांभर की तरफ से पीएम श्री दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में व्यवस्था को अंजाम दिया गया। शिक्षकों व अनेक विद्यार्थियों ने योग की विभिन्न मुद्राओं को सीखा। इस मौके पर उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल ने कहा कि योग करने से शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के साथ एकाग्रता भी बढ़ती है। इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। एसडीएम ऋषिराज ने यह भी कहा कि योग हमारी हजारों साल पुरानी परंपरा है। वर्तमान हालात में खासकर युवा पीढ़ी को योग कर अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाना चाहिए क्योंकि तन स्वस्थ रहेगा तो मन प्रसन्न होगा। योग से आध्यात्मिकता का मार्ग भी खुलता है, उन्होंने कहा कि हम आज से ही संकल्प लें कि हम इसे नियमित दिनचर्या में शामिल करेंगे और सभी को इसके लिए प्रेरित कर एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करने में अपनी भूमिका अदा करेंगे। इस अवसर पर अधिशाषी अधिकारी छगन लाल यादव, खंड विकास अधिकारी बंशीलाल यादव, लेखाधिकारी गोपाल सिंह पंवार, कैशियर दलपत सिंह राठौड़, पालिका के नेमीचंद वर्मा, भीमाराम कुमावत सहित अनेक विभागों के अधिकारियों व विद्यार्थियों की मौजूदगी रही। सभी ने उत्साह के साथ इसमें अपनी भागीदारी निभाई।

योग शिविर आयोजित

फुलेरा, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपजिला चिकित्सालय फुलेरा में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक शक्ति सिंह ने उपस्थित जनों को योग के महत्व की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन का आधार भी है। उन्होंने कहा कि योग केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि जीवनभर अपनाई जाने वाली साधना है, जो मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करती है। योग प्रशिक्षक ने बताया कि आयुष मंत्रालय द्वारा इस वर्ष घोषित विषय मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित है। वर्तमान समय में तनाव, अवसाद, चिंता, अनिद्रा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर एवं अन्य गैर-संचारी बीमारियों के बढ़ते प्रभाव के बीच योग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभर रहा है। शिविर में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इनमें ताड़ासन, मकरासन, भुजंगासन, शशांकासन, मंडूकासन, हलासन, शलभासन तथा चक्रासन सहित अनेक आसनों का अभ्यास करवाया गया। साथ ही भस्त्रिका, अनुलोम-विलोम, बाह्य प्राणायाम, उज्जायी, शीतली और कपालभाति प्राणायाम भी कराए गए। कार्यक्रम के समापन पर सभी योग साधकों ने योग एवं आयुर्वेद को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा नियमित अभ्यास करने का संकल्प लिया।

न्यायालय परिसर में योग शिविर सम्पन्न

भरतपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के एक्शन प्लान की अनुपालना में अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस पर योग षिविर का आयोजन जिला न्यायालय परिसर में हार्टफुलनेस संस्था के समन्वय से किया गया।षिविर मेंयोग प्रषिक्षक श्याम सिंह भरंगर, अध्यापक, सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, घुस्यारी, भरतपुर द्वारा प्रषिक्षण प्रदान किया गया। षिविर में प्रषिक्षक द्वारा विविध योगासनों जैसे भद्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, कपालभाती, प्राणायाम एवं अनुलोम-विलोम आदि करवाया गया। साथ ही प्रषिक्षक द्वारा समस्त प्रतिभागियों से दैनिक रूप से योग अभ्यास किए जाने का आव्हान किया गया एवं उनके द्वारा बताया गया कि प्रतिदिन योग अभ्यास से अनेक तरह की बीमारियां, तनाव आदि बिना किसी चिकित्सा के स्वतः ही समाप्त हो जाती है। योग षिविर में सचिन गुप्ता, विषिष्ट न्यायाधीष, पोक्सो सं. 01, भरतपुर, गुन्जन गोयाल, विषिष्ट न्यायाधीष, डकैती प्रभावित क्षेत्र, चेतन कुमार गोयल, अतिरिक्त सेषन न्यायाधीष, महिला उत्पीडन प्रकरण, भरतपुर, गोविन्द राम मीणा, विषिष्ट न्यायाधीष, अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण प्रकरण), भरतपुर, नवीन कुमार किलानियॉ, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भरतपुर, सीमा शर्मा, विषिष्ट अपर मुख्य न्यायिक मजि. पीसीपीएनडीटी प्रकरण, भरतपुर, दीपिका सिंह, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सं. 02, भरतपुरएवं न्यायिक कर्मचारीगण द्वारा भाग लिया।

स्वस्थ तन-मन के लिए योग जरूरी : विधायक विक्रम बंशीवाल

सिकराय, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को महात्मा गांधी राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित योग कार्यक्रम में विधायक विक्रम बंशीवाल ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों के साथ सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। आयोजित कार्यक्रम में योग के प्रति लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विधायक बंशीवाल ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की एक संपूर्ण जीवनशैली है। योग के माध्यम से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनता है तथा तनावमुक्त जीवन जी सकता है। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से नियमित योग को दिनचर्या में शामिल करने का आव्हान किया।

नाम संशोधन सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं साक्षी शक्तावत पुत्री श्री शिवराज सिंह शक्तावत निवासी प्लॉट नं. 62/127, हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर (राजस्थान) शपथपूर्वक यह घोषणा करती हूँ कि मेरे कुछ शैक्षिणक दस्तावेजों मे मेरे पिता का नाम एस.आर.एस. शक्तावत व कुछ दस्तावेजों मे शिवराज सिंह शक्तावत दर्ज है। जो की दोनों नाम एक ही व्यक्ति (मेरे पिताजी) के है। शिवराज सिंह शक्तावत व एस. आर.एस. शक्तावत दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। नाम में यह अंतर केवल संक्षिप्त (Initials/Abbreviation) एवं पूर्ण नाम लिखे जाने के कारण है इनका किसी अन्य व्यक्ति से कोई संबंध नही है। भविष्य मे किसी भी शासकीय, अद्धर्शासकीय शैक्षिणक, बैंकिंग, पासपोर्ट अथवा अन्य प्रयोजनों हेतु एस.आर.एस. शक्तावत एवं शिवराज सिंह शक्तावत" को एक ही व्यक्ति का नाम माना व समझा जाए।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती मकसूद बानो पत्नि फारूक अली निवासी 43, राजोरिया स्कूल के पास, कमला नेहरू नगर, हसनपुरा जयपुर का मंझला पुत्र सोहेल खांन मेरी मुवक्किला के कहने में नहीं है, गलत संगत में है, शराब व अन्य नशा करता है तथा आये दिन मेरी मुवक्किला से लड़ाई-झगडा करता है, गैर मजहब की लडकी को भगाकर शादी करने की धमकीयां देता है, अनुचित राशि की मांग करता है, मरने मारने की धमकी देता है, इसलिए मेरी मुवक्किला ने अपने पुत्र सोहेल खांन को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। इसलिए सोहेल खांन का मेरी मुवक्किला की चल-अचल संपत्ति से कोई संबंध व हक अधिकार नही रहा है। सोहेल खांन के द्वारा किये गये किसी भी लेन-देन, संव्यवहार व कृत्यो के बारे मे मेरे मुवक्किला की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नही रहेगी। अतः सूचित रहे।
(नवल किशोर सिंघल) एडवोकेट, मो.-9314876234

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जयनारायण आर्य पुत्र श्री महादेवा राम निवासी हिरवा जिला झुंझुनूं द्वारा निजि खातेदारी योजना मेरा प्लाट नं.85 (न्यू पिंक सिटी गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड गोपालपुरा क्रांसिंग, जयपुर अलॉट हुए मूल दस्तावेज (आवंटन पत्र) के खोये जाने पर गुमशुदगी रिपोर्ट, स्थानीय समाचार पत्र में खोया-पाया कि प्रति व वाद-विवाद को शपथ-पत्र के आधार 6 पर ऑनलाईन क्रमांक... दिनांक 21/06/2026 द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज आधार पर लीजडीड जारी किये जाने के संबंध में प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में मय दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समर्क प्रस्तुत कर सकते है अन्यथा आवेदक के पक्ष में नाम हस्तान्तरण/लीजहोल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी करने की कार्यवाही संपादित कर दी जावेगी।
जयनारायण शर्मा, मो. 9460094256

NAME CHANGE

I have changed my name from Padam Kumar Jain to Padam Kumar Chandwar for all purposes R/o 10 Yamuna path Suraj nagar west Civil Line Jaipur

I army no 15177645K Ex Hav Shekhawat shailendrasingh ramsingh resident of 420 pawanpuri west jhotwara jaipur that i want to change name of my dependent from RAM SINGH to RAM SINGH SHEKHAWAT vide affidavit dated 15 June 2026 before sub divisional majistrate Jaipur city north

न्यायालय - जिला न्यायाधीश महोदय मेडता
पीठासीन अधिकारी -तारा अग्रवाल आर जे एस (डी जे केडर)
दीवानी विविध प्रकरण संख्या
20/2025 अन्तर्गत धारा 372 भा0उ0अ0
प्रार्थी :- दिलीपसिंह
विरुद्ध
अप्रार्थीगण:- किरण व अन्य

आप नरपतसिंह पुत्र स्व. जयसिह जी, जाति राजपूत, आयु 67 वर्ष, निवासी प्लॉट नम्बर 85 गायत्री नगर, विस्तार, शिप्रा पथ, नियर फायर स्टेशन, अग्रवाल फार्म के नजदीक, जयपुर (राजस्थान) को सूचित किया जाता है, कि इस प्रकरण के प्रार्थी ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर इस न्यायालय द्वारा दीवानी विविध प्रकरण संख्या 11/2024 निर्णय दिनांक 27.11.2024 में जारी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जो स्व. जयसिंह के स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा डेगाना मे जमा राशि बाबत जारी किया गया। जिसके विस्तारण हेतु प्रार्थना की है। जिससे आपको सूचना दी जाती है, कि दिनांक 02.07.2026 को समय 10.30 AM बजे दिन मे इस न्यायालय मे स्वयं अथवा अधिवक्ता के जरिये उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र के विरुद्ध आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा प्रार्थना पत्र आपके अनुपस्थिती मे सुना जाकर विधि अनुसार निर्णित किया जावेगा। आज दिनांक 25.05.26 को न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

गोल मोहर

न्यायाधीश
वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सेशन न्यायालय मेडता (राज.)

संक्षिप्त

शाहपुरा में योग दिवस मनाया

शाहपुरा, (निसं)। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश कार्यालय परिसर शाहपुरा में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों के द्वारा समस्त स्टाफ सहित इस योग शिविर में भाग लिया गया। अपर जिला एवं सत्र सेशन न्यायाधीश ललिता शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में न्यायालय परिसर में 12 वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रोटोकॉल की पालना के अनुरूप योग-शिविर का आयोजन किया गया। इस योग शिविर की अध्यक्षता एडीजे प्रथम ललिता शर्मा द्वारा की गई। एडीजे प्रथम ललिता शर्मा ने बताया कि योग हमारे शरीर को लचीला बनाये रखता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की रक्तवाहिनियां का प्रवाह अवरूद्ध नहीं होता। हमारे श्वसनक्रिया के विकारों को दूर करता है। योगाभ्यास मानसिक तनाव, डिप्रेशन को दूर करता है। इस योग शिविर में मुंसिफ मजिस्ट्रेट दिव्यांश मीणा भी उपस्थित रहे। इन्होंने कहा कि हमें हमारे शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए नियमित खेल से जुड़ाव रखना चहिए। खेल से शरीर के सभी अंगों को लाभ मिलता है और हमारे वृद्धावस्था तक भी शरीर में दर्द नहीं रहता।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर संपन्न

निवाई, (निसं)। हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स राजस्थान राज्य के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान छात्र-छात्राओं के समय का सदुपयोग करने के उद्देश्य से एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। डीओ स्काउट राजेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि ग्रीष्मकालीन शिविर में कुल 50 छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा सिलाई, नृत्य व पेंटिंग जैसे विभिन्न रचनात्मक व कौशलयुक्त कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई महत्वपूर्ण और जीवनोपयोगी हुनर सीखे, जिससे उनके आत्मविश्वास में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली। शिविर के समापन समारोह में मुख्य अ प्रधानाचार्य गोपाललाल मीणा रहे। उन्होंने शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए और उनके द्वारा सीखे गए कौशलों की सराहना करते हुए शिविर का विधिवत समापन किया।

निवाई में योग दिवस आयोजित

निवाई, (निसं)। नोडल महाविद्यालय में कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रोफेसर मीनाक्षी बघेल की अध्यक्षता में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। इसके अंतर्गत योग प्रशिक्षक प्रतिष्ठा कुमावत द्वारा दोनों महाविद्यालय के समस्त कार्मिक एवं छात्र-छात्राओं को योगाभ्यास करवाया गया। इनमें सूर्य नमस्कार, वज्रासन, ताड़ासन, कपालभाति, अनुलोम- विलोम, भ्रामरी इत्यादि योग करवाएं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रूपा चौधरी ने योग प्रशिक्षक का धन्यवाद ज्ञापित किया।

री-नीट परीक्षा की भीड़ से पावटा में लगा जाम

पावटा, (निसं)। कस्बे में रविवार को अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था के चलते अंडरपास, फ्लाईओवर के नीचे तथा सर्विस रोड पर लंबा जाम लग गया। जाम की स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पावटा उपखंड अधिकारी (एसडीएम) एवं पुलिस की गाड़ी भी उसमें फंस गई। करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, री-नीट परीक्षा के आयोजन के कारण क्षेत्र में अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों की आवाजाही सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रही।

टॉयलेट निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपये की घोषणा

शाहपुरा, (निसं)। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एयू बैंक ने लाल बहादुर राजकीय उपजिला चिकित्सालय, शाहपुरा में टॉयलेट निर्माण के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। यह घोषणा एयू बैंक के स्वदेश बैंकिंग हेड सुल्तान सिंह पलसानिया ने की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद योगी ने बैंक की इस पहल का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

अलवर को सुन्दर, स्वच्छ एवं विकसित शहर बनाना प्राथमिकता : भूपेन्द्र यादव

- केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने 76.55 लाख रुपए की राशि से निर्मित कम्पनी बाग, केंद्रीय कारागृह में पिंक टॉयलेट व शिवाजी पार्क में सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण कराया

वन मंत्री भूपेन्द्र यादव व राज्यमंत्री संजय शर्मा ने शहर में करोड़ों के विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास किए ।

अलवर, (निसं)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने विशेष पहल कर स्थानीय महिलाओं से कंपनी बाग में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 (शहरी) के अंतर्गत 76.55 लाख रुपए की राशि से निर्मित कम्पनी बाग, केंद्रीय कारागृह में पिंक टॉयलेट व शिवाजी पार्क में सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण कराया।

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि अलवर संसदीय क्षेत्र का चहुंमुखी विकास पहली प्राथमिकता है तथा आमजन की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सडक, रेल, शिक्षा, चिकित्सा आदि क्षेत्रों सार्थक प्रयास करते हुए विकास को गति प्रदान की गई है। उन्होंने अलवर के सर्वांगीण विकास को आगे बढाते हुए नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रतिबद्धता रही है तथा इसी दिशा में निरन्तर काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय की उपलब्धता महत्वपूर्ण आवश्यकता है तथा पिंक टॉयलेट महिलाओं की सुविधा और सम्मान को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए स्वच्छ भारत मिशन 2.0 (शहरी) के अंतर्गत दो पिंक टॉयलेट एवं सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण में भी हमारा लक्ष्य टॉप के 10 शहरों में आने का है, जिसके लिए उन्होंने सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अलवर शहर में मातृशक्ति की सुविधा के लिए दो नए पिंक टॉयलेट एवं आमजन की सुविधा हेतु एक सार्वजनिक शौचालय आज लोकार्पित किए गए हैं।

कार्यक्रम में जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, सरस डेयरी चेयरमैन नितिन सांगवान, पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर, संजय नरुका, बन्नाराम मीना, रिषीराज शर्मा, जितेंद्र शर्मा, सतीश यादव, हरीश जैन, सतीश यादव, पं. जले सिंह, जितेन्द्र राठौड, महेश निहालवानी, सुमन चौधरी, नवीन यादव, जितेन्द्र सैनी, इंद्र यादव सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति एवं निवर्तमान पार्षदगण, नगर निगम कार्मिक एवं आमजन मौजूद रहे।

अनुराग सेवा संस्थान ने 15 पानी की टंकियां रखवाई

लालसोट, (निसं)। अनुराग सेवा संस्थान द्वारा स्थापना के 31 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे "अनुराग-31" अभियान के तहत रविवार को पितृ दिवस के अवसर पर गौवंश एवं आवारा पशुओं के लिए पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में सराहनीय पहल की गई। संस्थान ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों में 15 पानी की टंकियां (फर्मे) रखवाकर पशुओं के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया। पहले चरण में हनुमान वाटिका, नेहरू कॉलोनी, न्यू कॉलोनी, दादू वाटिका, कबीर कॉलोनी, गणपति नगर, सुरक्षित नगर, लाम्बा पाड़ा एवं व्यासजी की कोठी सहित विभिन्न स्थानों पर पानी की टंकियां स्थापित की गई हैं। इन टंकियों को स्थानीय निवासियों की नियमित पानी भरने की प्रतिबद्धता के आधार पर उनके द्वारा सुझाए गए स्थानों पर रखा गया है।

'अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ एवं प्रकरणों का त्वरित करें निस्तारण'

- जिला प्रभारी सचिव व जिला कलेक्टर ने गुंसी में ग्रामीण सेवा शिविर का औचक निरीक्षण किया

गांव गुंसी में पात्र को लाभांवित करते हुए जिला प्रभारी सचिव विश्व मोहन शर्मा व जिला कलेक्टर टीना डाबी।

निवाई, (निसं)। कमिश्नर मिड डे मील एवं जिला प्रभारी सचिव विश्वमोहन शर्मा ने ग्राम पंचायत गुंसी में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 का औचक निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उनके साथ जिला कलक्टर टीना डाबी भी उपस्थित रही।

जिला प्रभारी सचिव ने विभागवार स्टॉलों का अवलोकन कर प्राप्त आवेदनों एवं उनके निस्तारण की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिविर राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। जिला प्रभारी सचिव एवं जिला कलक्टर ने लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभांवित किया। पंचायतीराज विभाग की ओर से मनभर देवी, रामफूल, निर्मल कंवर, लक्ष्मी कंवर,जवाहरलाल व हनुमान प्रसाद को आवासीय पट्टे प्रदान किए गए। साथ ही वर्षो पुराने भूमि विवाद का सहमति से बंटवारा करवाकर परिवादियों को राहत पहुंचाई।

वहीं मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत लाली, चंपा, अनीता, जानकी, पांची देवी, रुकमा देवी, शिमला, कमला देवी, नाथी देवी, बादाम देवी एवं गुड्डू देवी को बीमा पॉलिसियां वितरित कर लाभान्वित किया गया। जिला प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।उन्होंने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान तथा योजनाओं की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़, तहसीलदार नरेश गुर्जर, विकास अधिकारी नंदकिशोर शर्मा सहित जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद थे।

योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर स्वस्थ जीवन जिएं : विधायक पटेल

- जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने बताया योग को शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने वाली अमूल्य विधा

पाना देवी महिला महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

कोटपूतली , (निसं)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जिलेभर में योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन पाना देवी कन्या महाविद्यालय, कोटपूतली में प्रात: 6 से 8 बजे तक किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' रही।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता, जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों, महिलाओं, बच्चों एवं बड़ी संख्या में आमजन ने सहभागिता करते हुए योगाभ्यास किया।

विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य देन है, जिसकी महत्ता को आज पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में योग दिवस एक वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुका है।

उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ, तनावमुक्त और ऊर्जावान जीवन जी सकता है। उन्होंने आमजन से आव्हान किया कि योग को केवल योग दिवस तक सीमित न रखते हुए इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।

जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने कहा कि योग भारत द्वारा विश्व को प्रदान की गई एक ऐसी अमूल्य विधा है, जो मानव जीवन को स्वस्थ और संतुलित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पावटा में एसडीएम ने री-नीट-यूजी परीक्षा का निरीक्षण किया

- पावटा में चार केंद्रों पर 1349 अभ्यर्थी शामिल हुए
- परीक्षा के निष्पक्ष और सुचारू संचालन के लिए प्रशासन द्वारा मजबूत व्यवस्थाएं की

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित री- नीट-यूजी 2026 परीक्षा का आयोजन रविवार को पावटा के निर्धारित चार परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन की व्यापक तैयारियां के बीच सफलता पूर्वक संपन्न हुई। एग्जाम सिटी कोऑर्डिनेटर संजू जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि पावटा में कुल चार परीक्षा केंद्र जवाहर नवोदय विद्यालय, नर्बदा देवी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय प्रागपुरा बनाए गए, जहां कुल 1349 अभ्यर्थियों में से 1175 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए व 174 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित हुई। अभ्यर्थियों को दोपहर 1:30 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। प्रशासन की कड़ी निगरानी और सक्रियता के कारण परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित की गई। परीक्षा के दौरान जिला कलेक्टर अर्पणा गुप्ता, पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा, तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, एग्जाम सिटी कोऑर्डिनेटर संजू जोशी, प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परीक्षा के निष्पक्ष और सुचारू संचालन के लिए प्रशासन द्वारा मजबूत व्यवस्थाएं की गई। जिसके लिए इनविजिलेटर, ऑब्जर्वर और ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात किए गए। इसके साथ ही पर्याप्त सहायक स्टाफ भी लगाया गया, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित रहे।

जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती, सघन निगरानी और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई। ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने बताया कि परीक्षा के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गई।

योग दिवस पर खैरथल व किशनगढ़ बास में विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास किया

- योग मनुष्य को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाता है - जिला जज शैलेन्द्र व्यास

न्यायालय परिसर में जिला जज शैलेन्द्र व्यास, न्यायिक अधिकारी व वकील, पुलिस एवं न्यायिक कर्मचारी योगाभ्यास करते।

किशनगढ़बास/ खैरथल , (निसं)। विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल तिजारा जिले के अध्यक्ष जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास के निर्देशन में किशनगढ़ बास न्यायालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के माध्यम से योग के प्रति जागरूकता एवं स्वास्थ्य संवर्धन का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर जिला सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 02 लोकेश मीणा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 02 नीतू रानी, मुंसिफ मजिस्ट्रेट डॉक्टर रिमझिम सहित पुलिस उपाधीक्षक लाल सिंह यादव, थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा, बार अध्यक्ष राकेश तिवाड़ी समेत समस्त न्यायालय कर्मचारीगण व अधिवक्तागण मौजूद रहे।

जिला सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में भारत के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। इसके बाद 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में उत्साहपूर्वक मनाया गया। 21 जून वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है, इसलिए इस तिथि का विशेष महत्व माना गया है। उन्होंने कहा योग मनुष्य को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाता है। योगाभ्यास कार्यक्रम का संचालन पूर्व सैनिक हीरालाल यादव ने किया।

एसडीएम सत्यवीर यादव के निर्देशन में उपखंड स्तरीय योग कार्यक्रम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मैदान पर किया गया। योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन रवि यादव द्वारा किया गया, जिसका अनुसरण कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 370 प्रतिभागियों, अधिकारी-कर्मचारियों एवं नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम अध्यापक एवं रघुवीर सिंह शारीरिक शिक्षक ने किया।

आदर्श विद्या मंदिर किशनगढ़ बास में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से सामूहिक योगाभ्यास कर योग के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। यहां पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, सहित जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता , स्वयंसेवक, व आमजन शामिल हुए। खैरथल पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैदान पर जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश के निर्देशन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

विधायक धनकड ने आमजन की समस्याएं सुनीं

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड द्वारा विराटनगर क्षेत्र के विकास एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न गांवों से आए नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विधायक कुलदीप धनकड द्वारा आमजन की समस्याओं, सुझावों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को गंभीरता से सुना गया तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, बिजली, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों को रखा। सभी समस्याओं पर संवेदनशीलता के साथ चर्चा करते हुए अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना, उनकी आवाज़ को प्राथमिकता देना तथा विराटनगर के समग्र विकास के संकल्प को साकार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सार-समाचार

अध्ययन में एकाग्रता बढ़ाने के लिए योग जरूरी - राजेश यादव

मनोहरपुर, (निसं)। पी.एम.श्री. राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मनोहरपुर के प्रांगण में आज विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार यादव के कुशल निर्देशन में 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक भव्य सामूहिक योग अभ्यास एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन में स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने विशेष रूप से भाग लिया। इसके साथ ही विद्यालय के समस्त स्टाफ, विद्यार्थियों और अभिभावकों सहित लगभग 300 प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 7 बजे प्रधानाचार्य एवं मुख्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए एक विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। उपस्थित सभी 300 प्रतिभागियों ने एक लय में ताड़ासन, वृक्षासन, भद्रासन, सूर्य नमस्कार के साथ-साथ कपालभाति, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास किया।

सांभर में वीएचपी व बजरंग दल की कार्यकारिणी गठित

सांभरझील, (निसं)। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, की बैठक का आदर्श विद्या मंदिर में आयोजन किया गया। जिसमें सांभर नगर की विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की इकाई का विस्तार करते हुए सांभर प्रखंड अध्यक्ष शरद कालानी द्वारा निम्न दायित्वो की घोषणा की गई। जिसमे सांभर नगर से मंत्री प्रमोद जोशी, नगर उपाध्यक्ष कैलाश सिखवाल, नगर गौ सेवा प्रमुख बबलू बंजारा, बलोपासना प्रमुख लक्की साहू, समरसता प्रमुख भावेश घोड़ेला, प्रचार-प्रसार प्रमुख पियूष सैनी, मिलन प्रमुख भविष्य शर्मा को नवीन दायित्व दिया गया। बैठक में प्रखंड मंत्री सुनील शर्मा, प्रखंड उपाध्यक्ष नवल किशोर जांगिड़, प्रखंड धर्माचार्य दिनेश बंजारा, नगर अध्यक्ष दिनेश शर्मा, सहमंत्री पवन शर्मा, बजरंग दल संयोजक जॉनी चावला, विजय कुमार प्रजापत सहित अनेक लोगों की उपस्थिति रही । बैठक में आगामी होने वाली बाबा बुढ़ा अमरनाथ की यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में चलने का आग्रह किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित

लालसोट। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लालसोट क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगरपरिषद लालसोट की ओर से लाल क्लब स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक रामबिलास मीणा, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कर नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। वहीं स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालपुरा में प्रधानाचार्य चौथमल मीणा के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक जितेंद्र सैनी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को योगाभ्यास करवाया। योग सत्र के पश्चात मतदाता जागरूकता एवं लोकतांत्रिक भागीदारी की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। साथ ही मतदाता जागरूकता जैसे अभियानों के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संदेश भी दिया गया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी एवं पंचायत शिक्षक धर्मेंद्र तिवाड़ी ने विद्यालय कार्यक्रम की जानकारी दी।

प्रभारी मंत्री सुरेश रावत ने सोनोग्राफी मशीन का शुभारंभ किया

भरतपुर, (निस)। राजकीय सैटेलाइट हॉस्पिटल में नवीन सोनोग्राफी मशीन का उद्घाटन जिला प्रभारी मंत्री सुरेष रावत ने फीता काट कर किया गया। प्रभारी मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि उन्होंने कहा कि अब नागरिकों को सोनोगाफी के लिए आरबीएम अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। राजकीय सैटेलाइट हॉस्पिटल में आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा कि भाजपा सरकार चिकित्सा क्षेत्र में नए-नए आयाम स्थापित कर रही हैं तथा जनहित में जो भी चिकित्सा संबंधी मांगे होती हैं उसके लिए सरकार ध्यान दे रही है। इस मौके पर भरतपुर विकास प्राधिकरण के कमिश्नर कनिष्क कटारिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गौरव कपूर, पूर्व जिला अध्यक्ष गिरधारी तिवारी, सत्येंद्र गोयल, बबलू कुरका, महेश वाल्मीकि सरपंच, महेंद्र कुमार शर्मा ,विक्रम सिंह (दीपू)मदन मोहन गुप्ता, बी एल गर्ग मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गौरव कपूर, अस्पताल प्रभारी डॉक्टर योगेंद्र सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञडॉ वीरेंद्र रावत, डॉ तरुण तिवारी,नर्सिंग अधीक्षक रूप किशोर एवं स्टाफ एवं स्थानीय जनता मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन महेश वाल्मीकि सरपंच ने किया। सैटेलाइट प्रभारी अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह द्वारा सभी का आभार जताया गया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दिया नियमित योग का संदेश

कोटपूतली, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देषानुसार रविवार 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान योगगुरू पूरणमल यादव के कुशल निर्देशन में न्यायालय के अधिकारीगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण एवं पीएलवी (पैरालीगल वॉलेंटीयर्स) द्वारा विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास किया गया। योग गुरु ने उपस्थित सभी लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग के महत्व को समझाया। इस मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीष रवि शर्मा ने योग दिवस के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि योग ना केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और तनाव मुक्ति के लिए भी बेहद जरूरी है। उन्होंने न्यायालय के समस्त स्टॉफ और उपस्थित जनसमूह को योग को नियमित रूप से अपने दैनिक जीवन का भाग बनाने का संदेश दिया। इस दौरान एडीजे क्रम 02 राजेश कुमार, एडीजे क्रम 03 अंजुम खान, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव नीलम मीणा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट स्वाति पारीक, जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष एड. बजरंग लाल शर्मा समेत न्यायालय स्टॉफ, अधिवक्तागण एवं पैरालीगल वॉलेंटीयर्स मौजूद रहें।

मैंने ज्यादा नहीं सोचा। शुरुआती 10 ओवर का पूरा फायदा उठाना चाहता था। मैंने जो प्लान किया, उसपर अमल करने पर फोकस था।
– वैभव सूर्यवंशी

भारतीय क्रिकेटर, 29 गेंदों पर 94 रन की पारी खेलने के बाद बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

कायरन पोलार्ड

मेजर लीग क्रिकेट में एमआई न्यू यॉर्क से खेलते हुए दिग्गद खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पोलार्ड टी-20 क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अपने हमवतन दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है। पोलार्ड ने एमएलसी 2026 में वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 56 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। इस शतकीय पारी के बाद पोलार्ड के टी-20 क्रिकेट में कुल रन 14,582 हो गए।

क्या आप जानते हैं ?... एक ही वर्ल्ड कप में सर्वाधिक गोल : फ्रांस के जस्ट फॉन्टेन ने 1958 के टूर्नामेंट में 13 गोल दागे थे।

वैभव की सुनामी में उड़ी श्रीलंका, वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ इंडिया-ए ने जीती त्रिकोणीय सीरीज

दांबुला, 21 जून। इंडिया-ए ने फाइनल में श्रीलंका-ए को 66 रनों से हराकर त्रिकोणीय सीरीज अपने नाम कर ली है। रविवार को श्रीलंका के दांबुला में खेले गए मुकाबले में भारत-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 377 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका-ए की पारी 47.1 ओवर में 311 रन पर सिमट गई। इंडिया ए की जीत के हीरो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। फाइनल में उन्होंने मात्र 29 गेंदों पर 94 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इसमें युवा बल्लेबाज ने 11 छक्के और 6 चौके लगाए। इस पारी में वैभव ने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इससे उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 378 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका-ए की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो मात्र 3 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नीरोशन डिकवेला 17 गेंदों में 25 रन बनाकर पवेलियन लौटे। श्रीलंका का तीसरा विकेट नुवानीडु फर्नांडो के रूप गिरा। फर्नांडो 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सदीरा समरविक्रमा और सहान अराच्चिगे ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाज टीम के स्कोर को 100 रन के पार ले गए लेकिन समरविक्रमा अर्धशतक लगाने के बाद अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने 44 गेंदों में 52 रनों की पारी खेली, जिसमें 9 चौके शामिल रहे। 149 रन के स्कोर पर रविंदु फर्नांडो आउट हुए। फर्नांडो ने 19 रन बनाए। अराच्चिगे भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और 38 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वी. वियासकांथ और वानुजा सहान ने 77 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब ले जाने की कोशिश की लेकिन पहले वियासकांथ 34 गेंदों में 39 रन और फिर वानुजा सहान 62 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पारी के 45वें ओवर में दुलाज समुधिता 15 रन बनाकर आउट हुए। अंत में मोहम्मद शिराज का विकेट गिरने के साथ श्रीलंका पारी का अंत हुआ। शिराज ने 21 रन बनाए। इंडिया ए के लिए यश ठाकुर और विप्रज निगम ने 3-3 विकेट लिए। अनुकूल रॉय ने दो विकेट, जबकि अशोक शर्मा और तिलक वर्मा ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले इंडिया ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 377 रन बनाए। टीम के लिए इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 94 रन बनाए, जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 67 रन बनाए। इनके अलावा ऋतुराज गायकवाड़ ने 40, अनुकूल रॉय ने 39, प्रियांश आर्य 39, कुमार कुशाग्र 36 रन और विप्रज निगम ने 27 रन का योगदान दिया। श्रीलंका ए के लिए के. माथुलन, फर्नांडो और सहान को दो-दो विकेट मिले, जबकि शिराज, अराच्चिगे और सामुदिथा ने एक-एक विकेट हासिल किया।

FIFA WORLD CUP 2026

आज के मैच

बेल्जियम बनाम ईरान
सुबह 12.30 बजे

उरुग्वे बनाम कबे वर्दे
सुबह 3.30 बजे

न्यूजीलैंड बनाम इजिप्ट
सुबह 6.30 बजे

अर्जेंटीना बनाम ऑस्ट्रिया
सुबह 10.30 बजे

यमाल और ओयारजाबल की मदद से स्पेन ने सऊदी अरब को 4-0 से हराया

नई दिल्ली, 21 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ठ्गुप चरण के मुकाबले में स्पेन ने सऊदी अरब के खिलाफ 48 मिनट के खेल के बाद 4-0 की बढ़त बना ली है। लामिन यामल (10वें मिनट), मिकेल ओयारज़ाबल (21वें और 24वें मिनट) के गोलों और सऊदी अरब के हसन अल्तम्बक्ती के आत्मघाती गोल की बदौलत स्पेन ने यह बढ़त हासिल की है। स्पेन के पहले विश्व कप 2026 मैच में केप वर्डे के खिलाफ ओयारज़ाबल शुरुआती 30 मिनट में गेंद को छू भी नहीं पाए थे। लेकिन आज उन्होंने सऊदी अरब के खिलाफ तीन मिनट के भीतर दो गोल दाग दिए।

पहले हाफ में स्पेन ने सऊदी अरब के 34 की तुलना में 57 गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखा; स्पेन ने 17 गोल शॉट लगाए जबकि सऊदी अरब ने केवल दो; पांच गोल शॉट लक्ष्य पर लगे जबकि सऊदी अरब का एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा। लुइस डे ला फुएंते की टीम ने 344 पास पूरे किए जबकि जॉर्जोस डोनिस की टीम ने केवल 117 पास पूरे किए।

केप वर्डे जैसी कमजोर टीम के खिलाफ गोल करने में नाकाम रहने के बाद, स्पेन रविवार को एक दृढ़ निश्चयी सऊदी अरब टीम के खिलाफ पूरी ताकत से खेलने की कोशिश करेगा। अपने पहले मैच में, दोनों ही टीमों ने अंक गंवाए थे, स्पेन ने केप वर्डे के साथ 0-0 से ड्रॉ खेला था और सऊदी अरब ने उरुग्वे के खिलाफ एक मैच ड्रॉ किया था। विश्व कप में प्रबल दावेदार मानी जा रही स्पेन की टीम केप वर्डे की रक्षात्मक क्षमता के आगे फीकी पड़ गई। केप वर्डे ने स्पेन के हर हमले को नाकाम कर दिया। उस मैच में स्पेन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लामिन यामल की भूमिका कुछ ही मिनटों की थी।

जापान ने ऐतिहासिक 1000वें मैच में ट्यूनिशिया को दी मात, अगले दौर की उम्मीदों को किया मजबूत

नई दिल्ली, 21 जून। जापान ने रविवार को फीफा वर्ल्ड कप-2024 में मैक्सिको के मोंटेर्रे में खेले गए मैच में ट्यूनिशिया को 4-0 से करारी शिकस्त दी है। ये फीफा वर्ल्ड कप का 1000वां मैच था जिसमें जापान ने एकतरफा जीत हासिल करते हुए ट्ययूनिशिया को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। ग्रुप-एफ में ये ट्ययूनिशिया की लगातार दूसरी हार है।

पिछले सप्ताह स्वीडन के खिलाफ मिली हार के बाद ट्ययूनिशिया ने अपने कोच साबरी लामाउची को बर्खास्त कर दिया था और हर्वे रेनार्ड को कोच नियुक्त किया था। हालांकि, इससे कोई फायदा नहीं हुआ और ट्ययूनिशिया को एक और हार के बाद वर्ल्ड कप से बाहर जाना पड़ा है। इस टूर्नामेंट से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई है।

जापान की टीम शुरुआत से ही ट्ययूनिशिया पर हावी थी। चौथे मिनट में ही उसने खाता खोल लिया। केइतो नाकामुरा ने बॉक्स के अंदर दाइची कमाडा को पास दिया जिन्होंने गेंद को नेट में डालने में कोई गलती नहीं की और जापान 1-0 से आगे हो गई। इस शुरुआती गोल ने ट्ययूनिशिया को दबाव में ला दिया था। जापान ने इस दवाब को 30वें मिनट में और बढ़ा दिया। आयसे यूडा ने जापान के लिए दूसरा गोल किया। उन्होंने गोल पोस्ट के कॉर्नर में शॉट लगाया जिसे बचाने का ट्ययूनिशिया के गोलकीपर के पास कोई मौका नहीं था। पहले हाफ का अंत जापान ने 2-0 के स्कोर के साथ ही किया।

दूसरे हाफ में भी दिखाया दम

दूसरे हाफ में ट्ययूनिशिया की कोशिश वापसी करने की थी, लेकिन जापान ने उसे कोई मौका नहीं दिया। 69वें मिनट में यूडा ने ट्ययूनिशिया की बैकलाइन को छकाते हुए जूनया इटो को पास दिया जिन्होंने गेंद को नेट में डालने में कोई गलती नहीं की। 83वें मिनट में यूडा ने अपना दूसरा और जापान का चौथा गोल कर दिया। यहां से ट्ययूनिशिया के लिए वापसी नामुमकिन साबित हुई और जापान ने अगले दौर में जाने की अपनी उम्मीदों को पुख्ता कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी-20 में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया, 3-0 से जीती सीरीज

चटगांव (बांग्लादेश), 21 जून। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। इससे पहले बांग्लादेश ने वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी-20 प्रारूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरी तरह हावी रही।

चटगांव में रविवार को खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन उसकी पारी निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 109 रन तक ही सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने मात्र 11 ओवर में 3 विकेट खोकर 112 रन बनाते हुए लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

110 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। कप्तान मिशेल मार्श ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 28 गेंदों में 60 रन बनाए। उनकी पारी में 7 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। मार्श के अलावा जोश इंग्लिस ने 17 और कूपर कोनोली ने 15 रन का योगदान दिया। टिम डेविड 12 और मैट रेनशॉ 6 रन बनाकर नाबाद लौटे। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम, नासुम अहमद और रिशाद हुसैन ने एक-एक विकेट लिया।

भारत ने महिला हॉकी नेशंस कप का खिताब जीता, फाइनल में न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड), 21 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2025-26 के फाइनल में मेजबान न्यूजीलैंड टीम को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को ऑकलैंड में खेले गए फाइनल में भारत की ओर से नवनीत कौर (4वें मिनट) और सुनेलिता टोप्पो (15वें मिनट) ने गोल किया।

लालरेमसियामी ने फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता, जबकि दीपिका छह गोल के साथ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। यह भारतीय महिला टीम का दूसरा नेशंस कप खिताब है। इससे पहले टीम ने 2022 में इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीता था।

भारतीय महिला टीम अपने पूरे अभियान में अजेय रही। पूल ए के मैचों में अमेरिका (3-2), जापान (2-1) और उरुग्वे (3-2) को हराने के बाद भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में चिली पर 6-0 से शानदार जीत दर्ज की। फिर फाइनल में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

टीम की उपलब्धि को देखते हुए हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य के लिए 1.5 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की। रविवार को हुए खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। नवनीत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और उन्होंने चौथे मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिला दी।

भारतीय टीम ने खेल के दौरान तेजी दिखाते हुए शानदार प्रदर्शन किया और अपनी आक्रामक शैली से न्यूजीलैंड के डिफेंस के लिए कई मुश्किलें खड़ी कर दीं। पहले क्वार्टर में मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर से उन्होंने अपनी बढ़त को दोगुना कर लिया। दीपिका के तेज शॉट को सुनेलिता टोप्पो ने डिफ्लेक्ट करके 15वें मिनट में भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में शानदार डिफेंस दिखाया, जिससे मेजबान टीम को कोई खास मौका नहीं मिला। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, वह इसे भुना नहीं सके। अंत में 2-0 से जीत हासिल कर भारतीय टीम ने ट्रॉफी अपने नाम की।

हरमनप्रीत ने रचा इतिहास, 200 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बनी

मैनचेस्टर (इंग्लैंड), 21 जून। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला टी20 विश्वकप 2026 के मुकाबले में मैदान पर उतरते ही इतिहास रच दिया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 मैच खेलने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। खास बात यह है कि अब तक किसी भी पुरुष या महिला क्रिकेटर ने यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी। रविवार को मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले जा रहे मुकाबले में जैसे ही हरमनप्रीत टॉस के लिए मैदान पर पहुंचीं, उनके नाम यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। इस खास मौके पर हरमनप्रीत कौर को विशेष जर्सी और कैप भेंट की गई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सम्मान, प्यार और ढेर सारी यादें। उप-कप्तान स्मृति मंधाना और हेड कोच अमोल मजूमदार ने हरमनप्रीत कौर को पूरी टीम के हस्ताक्षर वाली एक खास 200 नंबर जर्सी और कैप भेंट की। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में हरमनप्रीत के बाद न्यूजीलैंड की दिग्गज बल्लेबाज सूजी बेट्स का नाम आता है, जिन्होंने 184 मुकाबले खेले हैं। वहीं, पुरुष क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का रिकॉर्ड पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम है, जिन्होंने 159 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हरमनप्रीत कौर का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है। इस मैच से पहले खेले 199 मुकाबलों में उन्होंने 4,123 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। अब 200वें मैच के साथ उन्होंने अपने शानदार करियर में एक और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया है।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता

जयपुर, अलवर में खेले गए क्वार्टरफाइनल व प्री-क्वार्टरफाइनल मैचों में उदयपुर, झुंझुनूं व जोधपुर जीती

जयपुर, 21 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, अलवर खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता के आज जयपुर में बाड़मेर -झुंझनू के मध्य खेले गए मैच में झुंझनू व जालोर -जोधपुर के मध्य खेले गए मैच में जोधपुर ने जीत दर्ज की व अलवर में धौलपुर - उदयपुर के मध्य खेले गए मैच में उदयपुर ने जीत दर्ज की।

आरसीए अकादमी बाड़मेर -झुंझनू (क्वाटर फाइनल) झुंझनू 3 विकेट से जीती बाड़मेर पारी 140 आल आउट। टीम के लिए रिंकू टांक 44, पार्वती 20, सिमरन 20 रन। झुंझनू की गेंदबाज बबीता मीणा 24 /4, ज्योति सैनी 27 /2 व हैप्पी कुमारी, कंचन हुड्डा व मोनिका 1 -1 विकेट। झुंझनू पारी 141 /7, टीम के लिए हैप्पी कुमारी नाबाद 55 व बबिता 22 रन। बाड़मेर की गेंदबाज करिश्मा 25 /3 व रिंकू 17 /2 विकेट।

प्री क्वाटर फाइनल मैच: के एल सैनी स्टेडियम जालोर-जोधपुर जोधपुर 3 विकेट से जीती। जालोर पारी 72 आल आउट। सुमन मीणा 25, तरनुमनाबाद 13 रन। जोधपुर की गेंदबाज पालक बिश्नोई 17 /4, दृष्टि खोड़ा 5 /3, जोधपुर पारी 76 /7, टीम के लिए श्रेया जोशी नाबाद 30 रन। जालोर की गेंदबाज दृष्टि शर्मा 16 /3 व सुमन मीणा 32 /2 विकेट। **सूरत ग्राउंड,** अलवर धौलपुर -उदयपुर, उदयपुर 8 विकेट से जीती। धौलपुर पारी 108 आल आउट टीम के लिए मीनाक्षी कुंतल 35 व माधवी 19 रन। उदयपुर की गेंदबाज तनिष्का चौधरी 12 /4, अदिति मेनारिया 21 /2 व ऋतू लोढ़ा 28 /2 विकेट। उदयपुर पारी 111 /2, टीम के लिए प्रियांशीचौधरी नाबाद 35, नताशा मीणा 27 व हिमाली भट्ट नाबाद 20 रन।

डेनिज उन्दाव के डबल से जर्मनी जीता, आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराया, नॉकआउट का टिकट पक्का

नई दिल्ली, 21 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने शानदार वापसी करते हुए आइवरी कोस्ट को 2-1 से हरा दिया। टोरंटो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में एक समय जर्मन टीम पिछड़ रही थी, लेकिन डेनिज उन्दाव के दो गोलों की बदौलत उसने जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ जर्मनी ने नॉकआउट चरण में अपनी जगह भी पक्की कर ली। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। जर्मनी ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखा और लगातार मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन आइवरी कोस्ट की रक्षापंक्ति मजबूती से डटी रही। मैच का पहला गोल 30वें मिनट में आया।

यान डियोमांडे की शानदार रन के बाद बने मौके का फायदा उठाते हुए फ्रेंक कैसी ने बेहतरीन फिनिश किया और आइवरी कोस्ट को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मनी ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन हाफ-टाइम तक स्कोर 1-0 ही रहा। ब्रेक के बाद जर्मनी ने खेल की रफ्तार बढ़ा दी और लगातार आइवरी कोस्ट के गोल पर दबाव बनाया। इसका फायदा 68वें मिनट में मिला, जब सब्स्टीट्ययूट डेनिज उन्दाव ने शानदार गोल दागकर टीम को 1-1 की बराबरी दिला दी। इस गोल के बाद मुकाबला और रोमांचक हो गया। दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन जर्मनी के हमले लगातार ज्यादा खतरनाक नजर आए।

जर्मनी ने नॉकआउट चरण में बनाई जगह

आठ मिनट के इंजरी टाइम के बाद रेफरी ने अंतिम सीटी बजाई और जर्मनी ने 2-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। फ्रेंक कैसी के गोल से पिछड़ने के बावजूद जर्मन टीम ने धैर्य और आक्रामकता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। डेनिज उन्दाव के डबल की बदौलत जर्मनी ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की और छह अंकों के साथ ग्रुप-ई में शीर्ष स्थान पर रहते हुए नॉकआउट चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। वहीं, आइवरी कोस्ट को टूर्नामेंट में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा।

इंजरी टाइम में उन्दाव बने जीत के हीरो

जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी इंजरी टाइम में जर्मनी को निर्णायक बढ़त मिल गई। 90 4वें मिनट में फेलिक्स एनमेचा के पास पर डेनिज उन्दाव ने शानदार टर्न लेते हुए सटीक शॉट लगाया और गेंद को गोल में पहुंचा दिया।उन्दाव का यह दूसरा गोल जर्मनी के लिए मैच विनिंग गोल साबित हुआ। इसके बाद आइवरी कोस्ट वापसी नहीं कर सकी और जर्मनी ने बढ़त बरकरार रखी ।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान, कोहली-बुमराह की वापसी

नई दिल्ली, 21 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए रविवार को भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। 15 सदस्यीय टीम में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी हुई है। हालांकि, फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही वो इस सीरीज में भाग ले पाएंगे। कोहली को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके चलते वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी वनडे टीम में लौटे हैं। बुमराह आखिरी बार 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय टीम के लिए 50 ओवर का क्रिकेट खेले थे। इसके अलावा ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी वनडे टीम में शामिल किए गए हैं। अक्षर अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं थे। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल को इस सीरीज में मौका नहीं मिला है। यशस्वी ने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 110 रन बनाए थे। यशस्वी को कोहली के चोटिल होने पर ही अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में चुना गया था। अब इंग्लैंड के खिलाफ कोहली की वापसी के बाद उनकी जगह नहीं बन पाई।

आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की अपडेट टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

भारतीय वालीबॉल अंडर-18 टीम की चयन समिति सदस्य बने लवमीत कटारिया

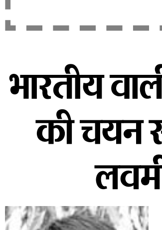

ज़यपुर, 21 जून। जयपुर का अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी लवमीत कटारिया भारतीय वॉलीबॉल अंडर 18 की चयन समिति में, इंडिया वॉलीबॉल के स्टार खिलाड़ी रहे लवमीत कटारिया 23 से 25 जून तक होने वाली भारतीय वॉलीबॉल अंडर 18 टीम की ट्रायल भुवनेश्वर उड़ीसा में होगी 26 जून से भारतीय वॉलीबॉल टीम का प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा जो 10 जुलाई तक चलेगा। भारतीय वॉलीबॉल टीम को चीन में अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप मै भाग लेना है जो 12 जुलाई से 18 जुलाई को चीन मै होगी। लवमीत कटारिया इसे पहले एशियन गेम्स सीनियर टीम भारतीय वॉलीबॉल के भी चयनकर्ता रहे है।

37 साल के गोलकीपर ने मचा दिया तहलका, 15 सेव कर बराबर किया वर्ल्ड कप रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 21 जून। कुराकाओ ने फीफा विश्व कप 2026 में ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। 37 वर्षीय गोलकीपर एलॉय रूम ने शानदार 15 सेव कर इक्वाडोर को गोल करने से रोक दिया और मुकाबला 0-0 से ड्रॉ कराया. कुराकाओ ने अपना पहला अंक हासिल किया और नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदों को भी जिंदा रखा।

फीफा विश्व कप 2026 में रविवार को एक ऐसा मुकाबला देखने को मिला, जिसने साबित कर दिया कि फुटबॉल सिर्फ गोल करने का नहीं, बल्कि गोल सेव करने का भी गेम है। ग्रुप-ई के अहम मुकाबले में इक्वाडोर ने पूरे 90 मिनट तक दबदबा बनाए रखा, लेकिन 37 वर्षीय गोलकीपर एलॉय रूम के सामने उसकी सारी कोशिशें नाकाम साबित हुईं। रूम ने 15 शानदार सेव किए और कुराकाओ को मैच बचाने का मौका दिया। फीफा विश्व कप में पहली बार हिस्सा लेने वाली टीम कुराकाओ के लिए यह सिर्फ एक अंक नहीं, बल्कि इतिहास का हिस्सा बन गया। शुरुआती मैच में जर्मनी से 1-7 की करारी हार झेलने के बाद कुराकाओ पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन इक्वाडोर के खिलाफ मिले इस नतीजे ने उसकी नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है।

कैनसस सिटी में खेले गए इस मुकाबले में इक्वाडोर के खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक फुटबॉल खेला. टीम ने 75 प्रतिशत बॉल पजेशन अपने पास रखा और लगातार कुराकाओ के गोल पर हमले किए। मैच के शुरुआती मिनटों में ही स्टार स्ट्राइकर एनर वालेंसिया गोल करने के करीब पहुंच गए थे। लेकिन एलॉय रूम ने शानदार रिफ्लेक्स दिखाते हुए उनका प्रयास विफल कर दिया।

न्यायालय तहसीलदार तहसील चाकसू जिला जयपुर

कमांक/रीडर/2026/58 — आपत्ति नोटिस — दिनांक 25.05.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में प्रार्थी भौरीलाल पुत्र गोपीराम जाति मीना निवासी शिवदासपुरा तहसील चाकसू ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर पंजीकृत वसीयत दिनांक 24.12.2025 ग्राम ग्राम सवाईमाधोसिंहपुरा पटवार हल्का बल्लूपुरा के खाता संख्या 16 खसरा 9 किता 10 रकबा 4.99 हेक्ट० एवं खाता संख्या 19 खसरा नंबर 30 किता 13 रकबा 1.33 हेक्ट० वसीयतकर्ता मृतक खातेदार गोविन्दी देवी पत्नी गोपी जाति मीना निवासी शिवदासपुरा ने अपनी सम्पूर्ण हिस्से की खातेदारी भूमि द्वारा वसीयतगृहीता भौरीलाल पुत्र गोपीराम जाति मीना निवासी शिवदासपुरा के पक्ष में निष्पादन के आधार पर नामान्तरकरण खुलवाने हेतु प्रार्थना पत्र जैरकार है जिसके संबंध में क्रिया न्यायालय में विचाराधीन चल रही है। अतः हर आम व खास एवं सम्पत्ति में हितबद्ध रखने वाले पक्षकार को सूचित किया जाता है कि इसमें यदि किसी को भी कोई उज्र या आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर इस न्यायालय में कार्य दिवस को व्यक्तिशः अथवा जरिये अभिभाषक उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दस्तावेज प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी और विचाराधीन प्रकरण में निर्णय पारित कर पत्रावली निर्णित कर दी जावेगी। यह आपत्ति नोटिस आज दिनांक 25.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुद्रांक से जारी किया गया है।

कमांक/रीडर/2026/59-68 — तहसीलदार तहसील चाकसू

नक्की झील पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

मुख्यमंत्री ने आबू राज को सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति व आत्मिक शांति का अद्भुत संगम बताया

आबू राज/जयपुर, 21 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिरोही जिले के आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में योगाभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोलकाता में दिए गए संबोधन को भी सुना।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अरावली की पावन गोद में बसा आबू राज अध्यात्म की भूमि है। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति तथा आत्मिक शांति का अद्भुत संगम है। यहां की निर्मल वायु, हरियाली और आध्यात्मिक वातावरण योग की मूल भावना को साकार करते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिरोही जिले के आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में योगाभ्यास किया।

- **आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल ने उपस्थित जनसमूह को मन की स्थिरता, आत्म विश्वास, कर्तव्य निष्ठा, समाज व विश्व में शांति, आनंद एवं स्वास्थ्य के संवर्धन के लिये प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई।**

उन्होंने कहा कि देश ने योग को कर्म योग से जोड़कर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के तौर पर विकास की शक्ति को कई गुना बढ़ा दिया है। आज योग विश्वव्यापी जन आंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा, यह गर्व का विषय है कि हमारी प्राचीन योग की परंपरा मानवता के कल्याण का वैश्विक माध्यम बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' है। इसका संदेश यह है कि योग केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह बढ़ती उम्र के लोगों को भी शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से संतुलित और भावनात्मक रूप से मजबूत रखने का सशक्त माध्यम है।

अरावली की वादियों में नक्की झील के किनारे आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को मन की स्थिरता, आत्मविकास, कर्तव्यनिष्ठा तथा समाज और विश्व में शांति, आनंद एवं स्वास्थ्य के संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई। साथ ही, सफेद गुब्बारे उड़ाकर विश्व शांति एवं निरोगी राजस्थान का संदेश दिया गया।

इस दौरान पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री केके विश्नोई, सांसद मदन राठौड, लुम्बाराम चौधरी, विधायक समाराम, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईडी की जांच उस कथित वित्तीय लेनदेन से जुड़ी है, जिसमें खनन कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) द्वारा वीणा की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, जो अब बन्द हो चुकी है, को 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किए जाने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि यह राशि कंपनी को किसी सेवा के बदले नहीं दी गई थी। ईडी का आरोप है कि भुगतान के बावजूद एक्सालॉजिक ने कोई वास्तविक सेवा प्रदान नहीं की। इसी आधार पर एजेंसी इस पूरे लेनदेन को संदिग्ध मानते हुए मनी लॉण्डरिंग के पहलू की जांच कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, 17 जून को हुई पहली पूछताछ के दौरान वीणा के बयान दर्ज किए गए थे। इसके बाद एजेंसी ने उपलब्ध दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान कुछ और तथ्यों को स्पष्ट करने की जरूरत महसूस की गई, जिसके बाद ईडी ने वीणा को दोबारा तलब करने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि अब तक इस मामले में चार अन्य आरोपियों के बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। 19 जून को ईडी अधिकारियों ने तिरुवनंतपुरम में वीणा के बैंक लॉकरों का भी निरीक्षण किया था।

रविवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकतंत्र के साथ खड़े हैं। जंतर-मंतर पर भारी संख्या में एकत्रित प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तुरंत पद छोड़ने की मांग की है।

क्या इज़रायल का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकी पैट्रियट तथा थाड (टी.एच.ए.ए.डी.) रक्षा प्रणालियां भी इज़रायल की सुरक्षा मजबूत करने के लिए तैनात की गई हैं।

एकमात्र क्षेत्र, जहां इज़राइल वास्तव में आत्मनिर्भर माना जाता है, वह उसका रणनीतिक प्रतिरोधक (स्ट्रैटेजिक डिटरैंट) तंत्र है। इसमें स्वदेशी जेरिको-तीसरी मिसाइल प्रणाली और जर्मनी निर्मित पनडुब्बियां शामिल हैं, जो उसे समुद्र आधारित परमाणु क्षमता प्रदान करती हैं। हालांकि, उसके, देश में डिज़ाइन किए गए मर्कवा टैंक भी अमेरिका में बने इंजनों पर निर्भर हैं।

विशेषज्ञों की व्यापक राय है कि यदि अमेरिकी समर्थन अचानक समाप्त हो जाए तो इज़रायल को गंभीर झटका लगेगा। स्पेयर पार्ट्स की निरंतर आपूर्ति बंद होने पर उसकी वायु सेना के बड़े हिस्से को संचालित रखना कठिन हो जाएगा। लंबे संघर्ष की स्थिति में उसके गोला-बारूद के भंडार भी अपेक्षाकृत जल्दी समाप्त हो सकते हैं।

इज़रायल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व उपप्रमुख चक फ्राइलिच के अनुसार, यह निर्भरता केवल गोला-बारूद तक सीमित नहीं है, बल्कि सेना के लगभग हर स्तर तक फैली हुई है, यदि उन्हें डिलिवर करने के लिए अमेरिका से एयरक्राफ्ट मंगाने पड़ें।

लागत भी एक बड़ी बाधा है। फ्राइलिच ने 1980 के दशक में इज़रायल द्वारा अपना लड़ाकू विमान विकसित करने के असफल प्रयास का उदाहरण दिया। इस परियोजना पर राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग पांचवां हिस्सा खर्च हो गया था, लेकिन अंततः इसे बंद करना पड़ा।

पूर्व आईडीएफ उपप्रमुख उज़ी दयान ने भी यही राय व्यक्त की। उनका कहना था कि इज़रायल जैसी अपेक्षाकृत छोटी अर्थव्यवस्था के लिए अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का स्वतंत्र विकास आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं है। इज़रायल के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान की एक रिपोर्ट ने भी निष्कर्ष निकाला कि पूर्ण सैन्य आत्मनिर्भरता की बात व्यवहारिक दृष्टि से केवल एक कल्पना है।

यह निर्भरता केवल इज़रायल की अपनी सैन्य क्षमता को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि उन देशों को भी प्रभावित करती है जो उससे हथियार खरीदते हैं।

भारत ने लगभग बीस वर्ष पहले इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया था, जब ग्रीन पाइन रडार और फाल्कन हवाई प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की खरीद के लिए अमेरिकी मंजूरी आवश्यक थी। हालांकि, ये इज़रायली टैक्नॉलजी के रुप में ब्रैण्डेड थे, लेकिन इन्हें अमरीकी कंपनियों के साथ मिलकर विकसित किया गया था। यरुशलम से चाहे जितने भी स्वतंत्रता के दावे किए जाएं, व्यावहारिक वास्तविकता यही है कि इज़रायल की रक्षा क्षमता और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन अब भी वॉशिंगटन से गहराई से जुड़ा हुआ है। दोनों देशों के संबंधों में समय-समय पर तनाव आ सकता है, लेकिन दोनों पक्षों के पास इस साझेदारी को बनाए रखने के मजबूत कारण हैं। फिलहाल पूर्ण अलगाव की संभावना वास्तविकता से अधिक राजनीतिक बयानबाजी ही दिखाई देती है।

तुषार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीन साल के कार्यकाल के लिए और फिर 2023 में पुनः नियुक्त किया। नवीनतम कार्यकाल विस्तार के साथ, मेहता सॉलिसिटर जनरल के रूप में लगभग आठ वर्ष पूरे कर चुके हैं और नए कार्यकाल के अंत तक इस पद पर 11 वर्ष पूरे करने वाले हैं, जिससे वे देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक इस पद पर सेवा देने वाले विधि अधिकारियों में से एक बन जाएंगे।

सॉलिसिटर जनरल के रूप में, मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष कई महत्वपूर्ण संवैधानिक, नीतिगत और आपराधिक मामलों में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व किया है।

नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंजेक्शन लगाया गया, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

जब परिजनों ने सख्ती से पूछा तो सिमरन ने बताया कि उसने घर में रखा कीटनाशक पी लिया है। इसके बाद परिजन उसे गंभीर हालत में हिसार के सर्वेश अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पिता रोहताश ने बताया कि सिमरन को देखकर नहीं लगा कि वह आत्महत्या कर लेगी। वह नार्मल लग रही थी और उसने रातभर पढ़ाई भी की थी। सुबह उसने बताया था कि वह 11 बजे घर से पेपर देने के लिए निकलेगी। इससे पहले यह हादसा हो गया।

भारत की प्राचीन परम्परा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखने का मार्ग दिखाता है। योग जीवनशैली में संतुलन लाता है तथा व्यक्ति को उम्र बढ़ने के बावजूद ऊर्जावान बनाए रखता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण ने भी गीता में योग के महत्व का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि समाज स्वस्थ होगा तो देश भी स्वस्थ बनेगा।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद रेड रोड पर सामूहिक योगाभ्यास शुरू हुआ। इस बीच मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में योग की पुरानी परंपरा रही है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति से राज्य में योग दिवस का आयोजन ऐतिहासिक बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक पश्चिम बंगाल में योग दिवस को लेकर सरकारी स्तर पर कोई विशेष पहल नहीं हुई, लेकिन अब राज्य में योग के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ा है।

रेड रोड पर मुख्य योग कार्यक्रम सुबह करीब 6:30 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम में लगभग 35 हजार लोगों के प्रधानमंत्री के साथ योगाभ्यास में शामिल होने की व्यवस्था की गई थी।

योग दिवस के कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों की सुविधा के लिए रविवार तड़के से कोलकाता मेट्रो की सेवाएं शुरू कर दी गई थीं। ब्लू लाइन, ग्रीन लाइन सहित, शहर की सभी मेट्रो लाइनों पर सुबह 4 बजे के कुछ समय बाद से सेवाएं चालू कर दी गईं, ताकि दूरदराज से आने वाले प्रतिभागी समय पर रेड रोड पहुंच सकें।

प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए, रेड रोड और आसपास के क्षेत्रों में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए थे। कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश के लिए निर्धारित समय और सुरक्षा जांच की व्यवस्था की गई थी।

भाषण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाकी नेता यहां कूड़ा उठाने आए हैं?" उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन बनाए रखने की नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस में व्यक्ति पूजा के लिए कोई स्थान नहीं है और पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई नेता कितना भी बड़ा क्यों न हो, संगठन सर्वोपरि है। कांग्रेस पार्टी ने ही नेताओं को पहचान और ताकत दी है, इसलिए संगठन और अनुशासन को बनाए रखना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

दिसम्बर में हो सकता है भारत व यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स से कहा कि यह समझौता फरवरी में लागू हो जायेगा

नई दिल्ली, 21 जून। भारत, और 27 देशों के संगठन यूरोपीय संघ के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता इस साल दिसंबर तक हस्ताक्षिरत हो जाएगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के साथ बातचीत में यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक समझौते को अगले साल फरवरी-मार्च के दौरान पूरी तरह लागू किए जाने की संभावना है।

इसी साल 27 जनवरी को भारत और यूरोपीय संघ ने वार्ता के निष्कर्ष की घोषणा की थी। इसे व्यापार की दुनिया में सभी समझौतों की मां (मदर ऑफ ऑल डील्स) कहा जा रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि अब लगभग शून्य शुल्क के साथ, पूरा यूरोपीय बाजार हमारे लिए खुल जाएगा। इस समझौते के लागू होते ही भारत के व्यापारिक रिश्तों को एक नई और अभूतपूर्व उड़ान मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पूरी दुनिया इस समय भारत की तरफ बेहद उम्मीद से देख रही है। इस ऐतिहासिक भारत-ईयू समझौते के तहत, भारतीय खेपों (शिपमेंट्स) के लगभग 93 प्रतिशत हिस्से को यूरोपीय बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसका सीधा फायदा भारतीय निर्यातकों और स्थानीय उद्योगों को होगा।

- **गोयल ने कहा कि लगभग शून्य शुल्क होने से स्थानीय उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा। यूरोपीय संघ से आने वाली लग्ज़री कारों व वाइन पर आयात शुल्क कम होने से ये उत्पाद भारत में सस्ते हो जायेंगे।**

इसके साथ ही, यूरोपीय संघ से भारत आने वाली लक्जरी कारों और वाइन पर आयात शुल्क कम होगा, जिससे ये उत्पाद भारत में सस्ते हो जाएंगे। आर्थिक आंकड़ों के लिहाज से यह बेहद मजबूत साझेदारी है। भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 25 प्रतिशत हिस्सा संभालते हैं। इसके अलावा, दोनों पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यापार (लगभग 33 ट्रिलियन डॉलर) का एक-तिहाई, यानी लगभग 11 ट्रिलियन डॉलर, यानी करीब 10,38,52,380.5 करोड़ रुपये का प्रतिनिधित्व करते हैं।

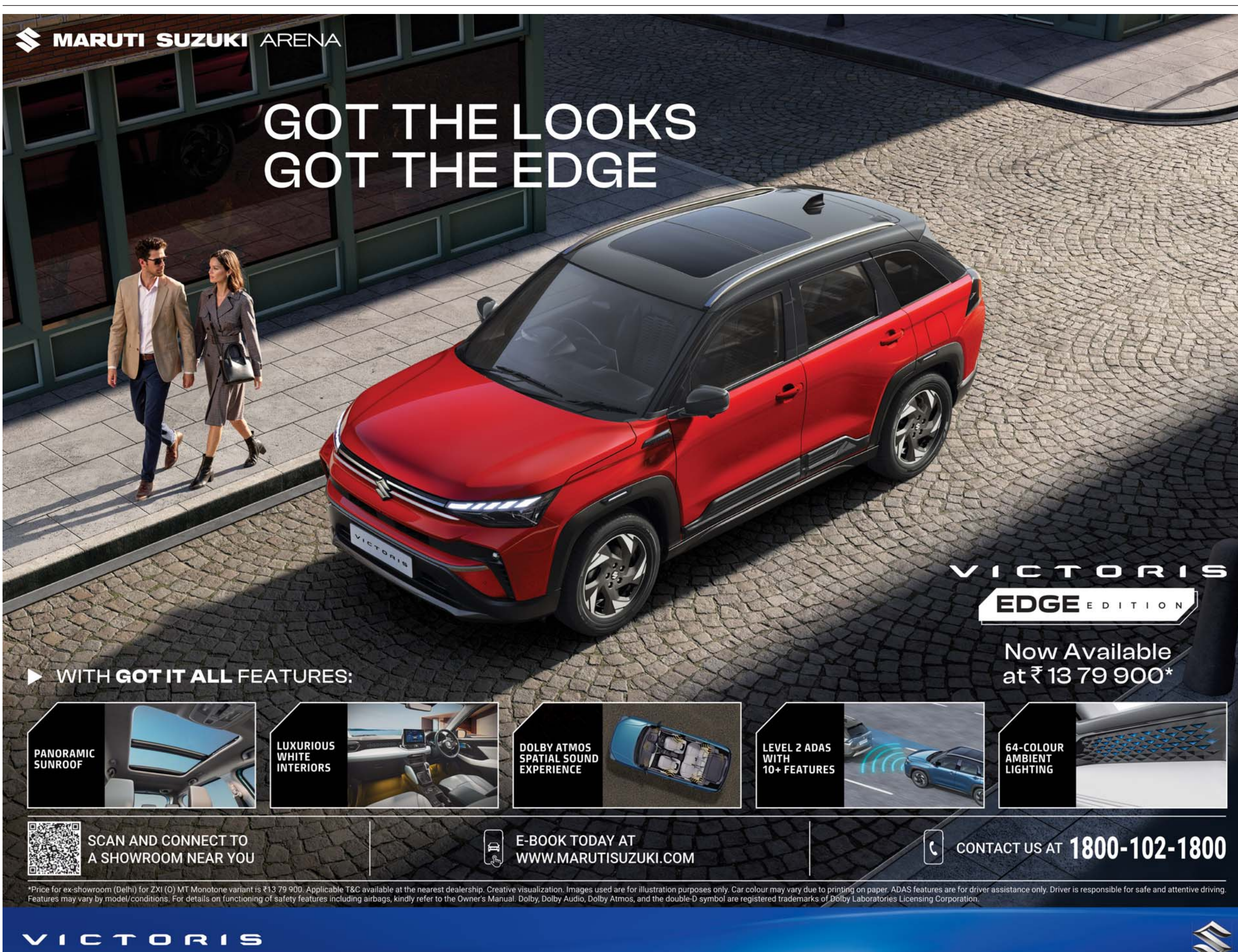

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908